बॉबमैत्री
Bobmaitri

जनवरी - मार्च • January - March 2020

सशक्त नारी, सशक्त भारत

गृह पत्रिका House Journal

कॉर्पोरेट एल्बम Corporate Album

Inauguration of Bank of Baroda - IIT Bombay Innovation Centre

The Bank of Baroda IIT Bombay Innovation Centre (BOB IIT B IC) was inaugurated by our MD & CEO Shri Sanjiv Chadha and Prof Subhasis Chaudhuri, Director, IIT Bombay in the presence of ShriP.S.Jayakumar,ExMD&CEOofourBank,PadmashriMohandas Pai, Padmashri Deepak Pathak and our Executive Directors Shri Murali Ramaswamy, Shri Shanti Lal Jain and Shri Vikramaditya Singh Khichi during the Entrepreneurship Summit, 2020 on 04.02.2020. The objective of the centre is to evaluate and adopt emerging technologies, develop a culture of Innovation, foster innovations in the financial hardware space and contribute to Bank's digital strategy.

संसदीय राजभाषा समिति द्वारा स्वर्गद्वार शाखा, पुरी का निरीक्षण

19 फरवरी 2020 को संसदीय राजभाषा समिति की तीसरी उप समिति द्वारा पुरी शाखा का राजभाषा विषयक निरीक्षण किया गया. उक्त निरीक्षण बैठक की अध्यक्षता माननीय राज्य सभा सांसद श्री वशिष्ठ नारायण सिंह ने की. उक्त अवसर पर माननीय सांसदगण श्री प्रतापराव जाधव, डॉ. मनोज राजोरिया, श्रीमती कांता कर्दम, डॉ. अमी याज्ञिक, समिति सचिवालय के पदाधिकारीगण, वित्त मंत्रालय,भारत सरकार के अधिकारीगण, पटना अंचल के अंचल प्रमुख श्री नित्यानंद बेहेरा, प्रधान कार्यालय, बड़ौदा से प्रमुख–राजभाषा एवं संसदीय समिति श्री रोशन शर्मा, भुवनेश्वर क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री सोमनाथ नंद, प्रधान कार्यालय बड़ौदा से सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा एवं संसदीय समिति) श्री पुनीत कुमार मिश्र तथा पुरी शाखा के शाखा प्रमुख श्री मनोज कुमार मिश्रा उपस्थित थे.

Bank launches Baroda Startup Banking

Baroda Startup Banking, a flagship initiative of the Bank was inaugurated on 26.02.2020 by Shri Rajiv Kumar, IAS, Finance Secretary at New Delhi in presence of our MD&CEO Shri Sanjiv Chadha and Executive Director Shri Vikramaditya Singh Khichi. The initiative is aimed at making Bank of Baroda a preferred banking partner for the startup community and establishing connect with at least 2000 start-ups over the next two years. It has been launched simultaneously across 15 cities of the country.

संजीव चड्ढा / Sanjiv Chadha

प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी का संदेश

Managing Director & Chief Executive Officer's Message

प्रिय बड़ौदियन साथियो,

ऐसे अभूतपूर्व समय में, जब हम कोविड –19 जैसी महामारी के कारण बहुत ही सख्त और लंबे लॉकडाउन का सामना कर रहे हैं, मुझे बॉबमैत्री के नवीनतम अंक के माध्यम से आपके साथ संवाद करते हुए प्रसन्नता हो रही है.

आवश्यक सेवाओं का हिस्सा होने के नाते लॉकडाउन के बावजूद भी हमारे बैंक ने अपनी 99% शाखाओं और 90% एटीएम में परिचालन चालू रखते हुए निर्बाध सेवाएं प्रदान की हैं. यह वास्तव में एक सराहनीय उपलब्धि है और मैं बैंकिंग सेवाओं को निरंतर जारी रखने के आपके अदम्य और उत्साहपूर्ण प्रयासों के लिए कृतज्ञता व्यक्त करता हूं. कोविड योद्धाओं के रूप में आपके प्रयास वास्तव में प्रशंसनीय और सराहनीय हैं.

कोरोना वायरस के प्रसार के कारण दबावग्रस्त अर्थव्यवस्था के साथ लगभग सभी क्षेत्रों को व्यावसायिक मोर्चों पर अनिश्चितता और निराशावाद का सामना करना पड़ रहा है. सरकार ने अर्थव्यवस्था के लिए 21 लाख करोड़ रुपये के पैकेज की घोषणा की है जिसमें एमएसएमई क्षेत्र को ऋण देने के लिए 3 लाख करोड़ रुपये का पैकेज भी शामिल है. हमारा बैंक एमएसएमई क्षेत्र को लगभग रू. 9,345 करोड़ का ऋण मंजूर कर अगली पंक्ति में है. साथ ही, इस संकट से निपटने में मदद करने के लिए सभी पात्र उधारकर्ताओं की अधिस्थगन अवधि को बढ़ा दिया गया है.

ऐसी पृष्ठभूमि में बैंक ने एक समामेलित इकाई के रूप में वित्त वर्ष 2020 की चौथी तिमाही में रु. 507 करोड़ का शुद्ध लाभ और पूरे वित्त वर्ष 2020 के दौरान रू. 546 करोड़ का शुद्ध लाभ दर्ज किया है. समामेलित इकाई के रूप में अपने परिचालन के पहले वर्ष में ही शुद्ध लाभ दर्ज करने के साथ–साथ बैंक ने अपनी कासा जमाराशियों में बढोतरी और लागत प्रबंधन में कुशलता भी दिखाई है. 31 मार्च, 2019 के 37.26% से 182 आधार अंक बढ़कर 31 मार्च, 2020 को कासा अनुपात 39.07% हो गया और समामेलित इकाई का लागत–आय अनुपात वित्त वर्ष 2019 के 52.01% से घटकर वित्त वर्ष 2020 में 47.86% हो गया.

स्थिर परिचालन खर्चों के कारण वित्त वर्ष 20 में परिचालन लाभ 19% बढ़कर रू. 19,691 करोड़ रहा है, जो वित्त वर्ष 19 में 16,545 करोड़ रुपये था. बैंक के ट्रेजरी परिचालन ने लाभप्रदता में बड़ा योगदान किया है. वर्ष के दौरान बैंक की आस्ति गुणवत्ता में सुधार हुआ है. एक विवेकपूर्ण उपाय के रूप में बैंक ने अपने प्रावधान कवरेज अनुपात में वृद्धि जारी रखी है जो अब 81.3% है. जीएनपीए अनुपात मार्च 2019 के 10.02% से गिरकर मार्च 2020 में 9.40% हो गया है और इसी अवधि में एनएनपीए 3.65% से गिरकर 3.13% हो गया है.

साथ ही, बैंक के लिए यह सुनिश्चित करना भी अनिवार्य है कि वह सभी चुनौतियों के बावजूद भी बैंकिंग सेवाओं को निर्बाध रूप से प्रदान करना जारी रखे. डिजिटलीकरण की प्रक्रिया को तेज करने की कार्यनीति बनाई जानी चाहिए. यदि देयताओं की बात करें तो हमारे डिजिटल बैंकिंग चैनलों यानी मोबाइल बैंकिंग ऐप और इंटरनेट बैंकिंग की व्यापक स्वीकार्यता है. हमारे मोबाइल बैंकिंग ऐप को देश के सभी बड़े बैंकों में शीर्ष 3 ऐप में से एक माना जाता है. बचत बैंक खाता धारकों के खाते प्रमुख रूप से टैब बैंकिंग प्रक्रिया के माध्यम से खोले जा रहे हैं जो हमारे ग्राहकों के लिए आसान और सुविधाजनक है और इससे टर्नअराउंड समय (टैट) भी कम होता है. हमने अपने चालू खाता ग्राहकों को भी यह सुविधा उपलब्ध करायी है और वे भी इस वैकल्पिक चैनल से लाभान्वित हो रहे हैं. हमने अपने उधारकर्ता ग्राहकों के लिए एक डिजिटल ऋण विभाग की स्थापना की है जो रिटेल और एमएसएमई उधारकर्ताओं को और बेहतर सुविधाएं प्रदान करेगा.

आंतरिक रूप से, कागज रहित कार्यपद्धति को अपनाने के साथ हमारी डिजिटलीकरण की प्रक्रिया को गति मिली है. अनुमोदन और अंतर–विभाग पत्राचार की प्रक्रिया तेजी से डिजिटलीकृत हो रही है. साथ ही, बैठकें, कार्य आवंटन, कार्य की समीक्षा जैसी नियमित गतिविधियां डिजिटल रूप में संचालित की जा रही हैं. इससे हमारा परिचालन और ज्यादा सुदृढ़ होगा और हम बड़ी मार्केट हिस्सेदारी जुटाने के लिए तैयार होंगे क्योंकि हम बेहतर ग्राहक अनुभव प्रदान करने में सक्षम हैं. क्षेत्रों की बात करें तो कृषि और एमएसएमई क्षेत्रों में कुछ गति दिखने की उम्मीद है जिसका हमें अधिक से अधिक फायदा उठाना होगा. अर्थव्यवस्था में मंदी के कारण खुदरा क्षेत्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है.

मैं इस अवसर पर कठिन समय में आपकी कड़ी मेहनत और प्रयासों के लिए आपको धन्यवाद देता हूं.

शुभकामनाओं सहित,

(संजीव चड्ढा)

Dear Barodians,

It is a great pleasure to communicate with you through the pages of Bobmaitri in these unprecedented times wherein we are seeing gradual easing of the strictest and longest lockdown in the wake of Covid-19 pandemic.

Being part of essential services, our Bank offered uninterrupted services notwithstanding the lockdown with 99% of branches and 90% of ATMs being operational. This is indeed a creditable achievement and I wish to place on record my profound appreciation for your unrelenting and brave efforts to ensure that banking services continued. Your efforts as COVID warriors are truly praiseworthy and commendable.

With the economy struggling due to the spread of coronavirus, nearly all sectors face uncertainty and pessimism over business conditions. Government announced a Rs 21 lakh crore package for the economy which included a package of Rs 3 lakh crore for onward lending to MSME sector. Our Bank has been in the forefront by sanctioning about Rs 9,345 crore to MSME sector. Also, the moratorium has been extended to all the eligible borrowers to help them tide through the crisis.

It is in this backdrop that the Bank, as an amalgamated entity, reported net profit of Rs 507 crore for Q4FY20 and Rs 546 crore for full year FY2020. Besides reporting net profit in the first year of its operations as an amalgamated entity, the Bank also saw traction in its CASA deposits and efficiency in managing costs. The CASA ratio increased by 181 bps from 37.26% as of March 31, 2019 to 39.07% as of March 31, 2020 and the cost-to-income ratio of the combined entity fell from 52.01% in FY 2019 to 47.86% in FY 2020.

The operating profit increased by 19% in FY20 to Rs 19,691 crore from Rs 16,545 crore in FY19 driven by stable operating expenses. Bank's treasury added to profits with a large contribution. The asset quality of the Bank improved in the year. The Bank, as a prudent measure continued to increase its provision coverage ratio which now stands at 81.3%. The GNPA ratio fell to 9.40% as of March 2020 as against 10.02% as of March 2019 and the NNPA fell to 3.13% from 3.65% over the same period.

Going ahead, it is imperative for the Bank to ensure that it provides the banking services seamlessly irrespective of the challenges it faces. The strategy to be pursued is to expedite the process of digitisation. On the liabilities side, there is greater acceptability of our digital banking channels, that is, the mobile banking app and internet banking. Our Mobile banking App is rated as one of the top 3 apps amongst all large banks in the country. The account opening process for savings bank account holders is done majorly through Tab banking which enhances the ease and convenience for our customers and reduces the turnaround time (TAT). We have extended this facility to our current account customers also and they are also benefitting from this channel. For our asset customers, we have set up a Digital Lending Department which will significantly increase convenience for Retail and MSME borrowers.

Internally, the digitisation process has gathered momentum with adoption of paperless office. The process of approval and inter department communications are increasingly digital. Also, the routine activities in the form of meetings, work allocation, review of work are being conducted in digital mode. This would ensure sustainability of our operations and prepare us to gain higher market share as we are able to deliver better customer experience. Among the sectors, agriculture and MSME sectors are expected to show some traction which we should utilise to the extent possible. Retail segment may be impacted adversely due to the slowdown in the economy.

I take this opportunity once again to thank one and all for your hard work and efforts during these testing times.

With best wishes

(Sanjiv Chadha)

संपादक मंडल Editorial Board

कार्यकारी संपादक/Executive Editor

के. आर. कनोजिया / K. R. Kanojia

विषय–वस्तु प्रबंधन टीम
Content Management Team

ओ. के. कौल O. K. Kaul
संजय कुमार Sanjay Kumar
राधाकांत माथुर Radhakant Mathur
के. बी. गुप्ता K. B. Gupta
के. जी. गोयल K. G. Goyal
समीर नारंग Sameer Narang
शैलेन्द्र सिंह Shailendra Singh

संपादक/Editor

पुनीत कुमार मिश्र Punit Kumar Mishra

सहायक संपादक/Assistant Editor

महीपाल चौहान Mahipal Chauhan

सहयोग/Associate

बिक्रम सिंह Bikram Singh

अंचल संवाददाता–Zonal Correspondents

अहमदाबाद	Ahmedabad	वंदना जैन
बड़ौदा	Baroda	अमर साव
बेंगलुरू	Bengaluru	पद्मसुधा सी एस
भोपाल	Bhopal	सोमेन्द्र यादव
चंड़ीगढ़	Chandigarh	डॉ. स्वाती ठाकुर
चेन्नै	Chennai	गौरी वी एम
एर्णाकुलम	Ernakulam	नीना देवस्सी एम
हैदराबाद	Hyderabad	जगदीश प्रसाद
जयपुर	Jaipur	प्रीति राउत
कोलकाता	Kolkata	डॉ कियाम बेमबेम देवी
लखनऊ	Lucknow	मंधीर चौधरी
मेंगलुरु	Mangaluru	राजेश्वरी पी
मेरठ	Meerut	अमित चौधरी
मुंबई	Mumbai	रेश्मा जलगांवकर
नई दिल्ली	New Delhi	मोनिका सिंह
पटना	Patna	चंदन वर्मा
पुणे	Pune	अनुमिता सिंह
राजकोट	Rajkot	चन्द्रवीर सिंह राठौड़

बैंक ऑफ़ बड़ौदा के लिए **पुनीत कुमार मिश्र, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा एवं संसदीय समिति)** द्वारा प्रधान कार्यालय, बड़ौदा भवन, आर सी दत्त रोड, अलकापुरी, बड़ौदा – 390007 से संपादित एवं प्रकाशित.

फोन नं. – 0265 2316581, ई–मेल : bobmaitri@bankofbaroda.co.in

Edited and published by **Punit Kumar Mishra, Assistant General Manager (Official Language & Parliamentary Committee)** for Bank of Baroda at Head Office, Baroda Bhavan, R C Dutt Road, Alkapuri, Baroda – 390007.

Phone No. – 0265 2316581,
E-mail : bobmaitri@bankofbaroda.co.in

इस अंक में Contents

जनवरी - मार्च • January - March 2020

03	प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी का संदेश
05	कार्यकारी संपादक की कलम से
06	Celebrations of International Women's Day
08	आईबीसी–2016 का एनपीए वसूली में योगदान
11	Employees' Engagement in an Organization
12	Virtual Currency & International Trade
19	A Term Insurance is not just practical, It's practically a lifeline!
20	भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की भूमिका
22	Interview – Shri O. K. Kaul, General Manager – CC (Retd.)
24	खुदरा ऋण में अनुपालन
30	INAYAT
32	भारतीय बैंकों के राष्ट्रीयकरण के पचास वर्षों की यात्रा – एक मूल्यांकन
36	हिन्दी एवं भारतीय संस्कृति का वैश्विक स्वरूप
38	Brand Hygiene – Everybody's Responsibility
42	भारतीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखा बैंकिंग उद्योग की मौजूदा चुनौतियां
44	How To Manage Work Stress Effectively?
46	ऋण आस्तियों की गुणवत्ता का प्रबंधन समय की आवश्यकता
51	शिक्षा की उड़ान
54	जल संसाधन प्रबंधन में बैंकों की भूमिका
56	Malaysia – Truly Asia
58	FASTag – Electronic Toll Collection
60	Disability Awareness
65	पदोन्नतियां
66	Highlights of Bank's Financial Results for Q4 & FY 2020

बॉबमैत्री, बैंक ऑफ़ बड़ौदा के सभी कर्मचारियों में निःशुल्क वितरण के लिये जारी की जाती है. इसमें व्यक्त विचारों से बैंक का सहमत होना आवश्यक नहीं है.

BOBMAITRI is issued for free distribution to all employees of Bank of Baroda. The views expressed in it do not necessarily represent those of the Bank.

रूपांकन एवं मुद्रण : सॅप प्रिंट सोल्युशन्स प्रा. लि., 28, लक्ष्मी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, एस.एन. पथ, लोअर परेल (प), मुंबई – 400 013, महाराष्ट्र, भारत.

Designed & printed at SAP Print Solutions Pvt. Ltd., 28, Lakshmi Industrial Estate, S. N. Path, Lower Parel (W), Mumbai-400 013. Maharashtra, India.

कार्यकारी संपादक की कलम से/The Executive Editor Speaks

के. आर. कनोजिया, कार्यकारी संपादक । K. R. Kanojia, Executive Editor

प्रिय पाठको,

बैंक की गृह पत्रिका बॉबमैत्री के कार्यकारी संपादक के रूप में पहली बार आपसे संवाद करते हुए और आपके समक्ष पत्रिका का नवीनतम अंक प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है. यह पत्रिका आप सभी के साथ संवाद करने का एक सशक्त माध्यम है जो हमारे उच्च प्रबंधन को अपने सहकर्मियों के साथ व्यवसायिक मोर्चे पर कार्पोरेट मुद्दों को साझा करने की सुविधा भी प्रदान करती है.

साथियो, अत्यंत चुनौतीपूर्ण और कोविड–19 जैसी मौजूदा वैश्विक महामारी के बीच भी हमारे उच्च प्रबंधन के प्रयासों से हम वित्तीय वर्ष 2019–20 की अपनी बहियों को लाभप्रदता की स्थिति में बंद करने में सफल रहे हैं. ऐसे वैश्विक परिदृश्य में हमारी आगे की राह और भी चुनौतीपूर्ण होगी. परंतु हमें अपनी पूरी ऊर्जा और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना होगा और नई–नई पहलों तथा अपनी उत्कृष्ट ग्राहक सेवा के बल पर एकजुट होकर इस मुश्किल दौर का समाना करना होगा. आज ग्राहकों की जरूरतें समय के साथ बदल रही हैं इसलिए यह अत्यावश्यक है कि हम उनकी आवश्यकताओं की उपयुक्तता के आधार पर अपने उत्पादों और अपनी सेवाओं की समीक्षा करें. हमें बैंकिंग उद्योग में हो रहे नित–नए परिवर्तनों को अपनाते हुए स्मार्ट और अपडेटेड बैंकर बन कर कार्य करना होगा. अत: हम सभी का दायित्व है कि हम बैंकिंग उद्योग में अपने संस्थान को अग्रणी रखने के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता और समर्थन प्रदान करें.

बॉबमैत्री का यह अंक 'अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस' पर केन्द्रित है. इस अंक में विश्व हिन्दी दिवस और गणतंत्र दिवस समारोह की झलकियां तथा बैंक के वित्तीय वर्ष 2019–20 के वार्षिक एवं चौथी तिमाही के परिणामों के प्रमुख अंश भी प्रकाशित किए गए हैं. हमने इस अंक में श्री विनीत कुमार जैन का आलेख **'आईबीसी 2016 का एनपीए वसूली में योगदान'** प्रकाशित किया है जो पाठकों को इस कानून को समझने में और वसूली संबंधी कार्यों में अब तक के इसके प्रभाव के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान करेगा. इसके अलावा इस अंक में प्रकाशित श्री आशुतोष कुमार श्रीवास्तव का आलेख **'Virtual Currency & International Trade'** सभी स्टाफ सदस्यों के लिए उपयोगी होगा. श्री संदीप शर्मा का आलेख **'खुदरा ऋण में अनुपालन'** भी हमारे सहकर्मियों के लिए सतर्कता एवं अनुपालन की दृष्टि से बहुत उपयोगी सिद्ध होगा. सुश्री राजेश्वरी गंगुर्डे का आलेख **'Fastag"** भी हमारे पाठकों को इस उत्पाद की विशेषताओं से अवगत कराएगा. श्री गौतम कुमार का आलेख **'भारतीय बैंकों के राष्ट्रीयकरण के पचास वर्ष की यात्रा – एक मूल्यांकन'** हमारे पाठकों के लिए सूचनाप्रद साबित होगा. इस अंक में **'Brand Hygiene-Everybody's Responsibility'**, **'ऋण आस्तियों की गुणवत्ता का प्रबंधन – समय की आवश्यकता' 'How To Manage Work Stress Effectively' 'जल संसाधन प्रबंधन में बैंकों भूमिका'** और **'हिन्दी एवं भारतीय संस्कृति का वैश्विक स्वरूप'** जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर आधारित अन्य आलेख भी शामिल किए गए हैं. विशेष रूप से हमारे युवा बड़ौदियनो के लाभार्थ हमारे सेवानिवृत्त महाप्रबंधक–सीसी श्री ओ. के. कौल का साक्षात्कार भी प्रकाशित किया गया है.

नियमित कॉलमों के अंतर्गत विभिन्न रिपोर्ट, समाचार, कार्यक्रम, सम्मान एवं पुरस्कार आदि प्रकाशित किए गए हैं. मुझे पूर्ण विश्वास है कि आपको इस अंक को पढ़कर आनंद आएगा जिसे संपूर्ण बनाने हेतु पूरा प्रयास किया गया है. आपके सुझाव एवं अभिमत इस पत्रिका की गुणवत्ता में सुधार लाने में सदैव सहायक होंगे. शाखाओं और विभिन्न कार्यालयों में कार्यरत स्टाफ सदस्यों से अनुरोध है कि पत्रिका की विषय–वस्तु को और रोचक, गुणवत्तापरक और वैविध्यपूर्ण बनाए रखने के लिए नियमित आधार पर अपनी रचनाएं भेजकर अपना योगदान देते रहें.

शुभकामनाओं सहित,

के. आर. कनोजिया

Dear Readers,

I am happy to interact with you as Executive Editor of Bank's House Journal BOBMAITRI for the first time and present you the latest issue of the magazine. This magazine serves as a strong medium for our Top Management to interact with you and to share corporate concerns on business front with our colleagues.

Friends, with the concerted efforts and guidance of our top management, we have successfully closed our books of accounts for financial year 2019-20 and have recorded profit even in the midst of current highly challenging scenario and the global epidemic like COVID-19. In such a global scenario, our road ahead will be even more challenging but we have to move forward with full enthusiasm and positive thought. We need to face this difficult time with the strength of our new initiatives as well as excellent customer service. The needs of the customers are changing with the pace of time. It is, therefore, vital that we realign our products and services based on the relevancy of their needs. We must work as a smart and updated banker by adopting day-to-day changes in the banking industry. Hence, it is the responsibility of all of us to provide full support and commitment to keep our institution to remain on forefront in the banking industry.

This issue of BOBMAITRI focuses on 'International Women's Day'. Glimpses of 'World Hindi Day, 'Republic Day' celebrations and highlights of annual as well as fourth quarter results of the Bank for financial year 2019-20 have also been published prominently. In this issue, we have published an article **'आईबीसी 2016 का एनपीए वसूली में योगदान'** by Shri Vineet Kumar Jain which will provide detailed information to our readers to understand the Act and its impacts on recovery processes so far. Also, Shri Ashutosh Kumar Srivastava's article **'Virtual Currency & International Trade'** published in this issue will be useful for all staff members. An article **'खुदरा ऋण में अनुपालन'** contributed by Shri Sandeep Sharma will also prove very useful to our colleagues in terms of vigilance angle and compliance. Ms. Rajeshwari Gangurde's article **'Fastag'** will also make our readers aware about the features of this product. Shri Gautam Kumar's article **'भारतीय बैंकों के राष्ट्रीयकरण के पचास वर्ष की यात्रा – एक मूल्यांकन'** will prove informative for the readers. This issue also includes other articles on important topics like **'Brand Hygiene- Everybody's Responsibility'**, **'ऋण आस्तियों की गुणवत्ता का प्रबंधन – समय की आवश्यकता'**, **'How to manage work stress effectively'**, **'जल संसाधन प्रबंधन में बैंकों भूमिका'** and **'हिन्दी एवं भारतीय संस्कृति का वैश्विक स्वरूप'**. The interview of our retired General Manager-CC Shri O K Kaul has also been published for the benefit of our young Barodians.

Various reports, news, programmes, awards and accolades etc. have been published under regular columns. I am sure that you will enjoy reading this issue which has been prepared with utmost care. Your feedback and suggestions are always be helpful in improving the quality of this magazine. All Staff members attached to various offices and branches are requested to keep on contributing their creativities so as to make the content of the magazine more interesting, qualitative and diversified.

With best wishes,

K. R. Kanojia

Celebrations of International

✦Baroda Corporate Centre, Mumbai

Every year International Women's Day which falls on 8th March is celebrated with great zeal and fervor in Bank of Baroda. Keeping its tradition intact, Baroda Corporate Centre, Mumbai marked the celebrations of International Women's Day on 7th March 2020 with the presence of Charismatic, Dr. Namita Kohok, Mrs Global United 2017, as the special guest. The event was inaugurated with Ganesh Vandana and lightening of lamp. The Deputy Chairpersons of Baroda Shakti Mrs. Bhuvana Murali Ramaswamy, Mrs Sapna Jain and Mrs. Shailja Khichi, along with the special guests, Dr. Namita Kohak and Chief Vigilance Officer Mrs S Shrimati were welcomed by Executive Directors Mr. Murali Ramaswamy and Mr S L Jain.

As a special recognition, twenty women support staff of Baroda Corporate Centre, Baroda Sun Tower and Dena Corporate Centre were felicitated by Special guests and Dignitaries at the event.

The Sayajirao Gaekwad Auditorium was marked with the presence of 350 women employees along with Baroda Shakti members. Mrs Bhuvana Ramaswami addressed the gathering on the occasion. She enlightened the house while speaking on the theme of International Women's Day for the current year 'I am Generation Equality: Realizing women's rights,' she talked about how far women have come and what still needs to be done in terms of attaining gender equality. "It is a day to celebrate change makers in all walks of life and from all ages", Mrs Bhuvana said, and appealed to the men to continue their support, as gender equality can be achieved as a team. She further emphasized the role every individual can play in this struggle and appealed that each one should stand for equality

The highlight of the event was an inspiring talk "From Cancer to Crown" by Dr Namita Kohok, who is a cancer survivor, a motivational speaker and is the first Indian cancer survivor to be crowned Mrs Global United 2017 in Minneapolis USA. She has bagged more than 50 awards in various fields including pageants, sports & entrepreneurship.

Dr Namita narrated her journey from the time she was made aware that she was suffering from Cancer and how she matured over while fighting it step by step. Audiences could actually visualize her story and they were left in awe and tears. Her story had it all: the tragedies that life threw, the struggles

that came along, the hope and self-confidence which kept her going, the courage that automatically developed in such testing times, the value of rejection, criticism and appreciation alike and finally the most important, the satisfaction of achievement, fulfillment and giving back to the society. It was very touching to know that how she started her company from Hospital bed while undergoing chemotherapy.

The Bank of Baroda Employees Federation has a tradition of presenting Durga Shakti Award to distinguished women on International Women's Day every year. This year, Dr Namita Kohok was chosen as the recipient of the prestigious Durga Shakti Award which was presented by Mrs Rekha Kawle from the Bank of Baroda Employees Federation.

The women staff of Baroda Corporate Centre and members of Baroda Shakti put together a spectacular show of cultural performances. Solo dance performances were given by Roshni Agarwal and Annie Verghese. Group Song performance by Baroda Shakti Members, Mrs. Mridulika Gupta, Mrs. Anita Mohanty and Mrs. Indu Diwakar. A Skit was presented by Marketing deptt. Team of Honey Jose, Seema Maurya and Swati Yadav and a mimicry performance by Honey Jose. A short story on "Unsung Heroines" was presented by Mrs. Hyma Chhyani from Baroda Shakti. Solo song performance were presented by Neelima E and Nikita Raut. The event was a grand success under the able guidance of Mr K. B. Gupta, General Manager FM, COA, DMS and Security. The audience was captivated by professional anchoring by Ghazala Zaidi and Sapna Kale. Vote of Thanks was presented by Shivani Singh from Sparshplus Department. The event was liked and well appreciated by all the participants.

❖❖❖

Shweta Chandel
Chief Manager,
BCC, Mumbai

Women's Day (8th March)

✦ Head Office, Baroda

International Women's Day (March 8th) is a global day celebrating the women. The day also marks a call to action for accelerating gender parity. The Day is all about unity, celebration, reflection, advocacy and action.

In our Head Office, Baroda, the Women's Day celebration was organised on 09th March 2020 that witnessed participation of all women employees and spouses of male staff members from HO, Baroda. The IWD celebration-2020 was one of its kind / unique program and would be remembered for a long time as it marked the presence of Rajmata of Baroda Her Highness Subhanginiraje Gaekwad.

Rajmata remembered the contributions of Maharani Chimnabai who worked towards education and empowerment of women. Rajmata also recollected how the Maharani also fought against social evils of purdah system and child marriage. Her efforts were duly recognised and she became the first president of the All India Women's Conference (AIWC) in 1927. Rajmata also narrated the vision of our founding father, the Maharaja Sayajirao Gaekwad-III who was a profound educationalist and various educational institutions including the renowned 'Maharani Chimnabai High School' stands today as the testimony of the vision of Maharani Chimnabai and affection for education and empowerment of women in the era when such thoughts were distant dreams.

The IWD celebrations were specifically planned to provide special love and respect to the women employees to inspire and motivate them. On that special day, all the women employees were welcomed to Office with a flower and chocolate. Every lady staff member was given a special surprise gift beautifully wrapped with a greeting card imprinting "To Honour You is a privilege, because you are Wonderful, Oustanding, Marvellous, Adorable, Nice", which was kept on their work-desks. All women employees enthusiastically participated in the Women's Day theme based "Mehendi" competition conducted on that day. The Winners and the participants were given prizes at the hands of Rajmata in the Cultural Evening organised exclusively for and by the women employees. The all-women event had women musician and photographer too.

The Cultural Fest received huge participation of all women employees of HO, Baroda and wives of staff members of Head Office. The Evening was inaugurated with lighting of the lamp, offering floral respects to Maharaja Sayajirao Gaekwad and prayer song. The evening was lightened up by stunning cultural performances by our women employees. They entertained their fellow colleagues and guests of honour by their performances including songs, poem, dance and drama. All performances were appreciated and given prizes. The participants enjoyed scrumptious refreshments after the cultural evening.

On the same day, an onsite Creche facility was inaugurated at Baroda Bhavan by Her Highness Subhanginiraje Gaekwad. This facility is expected to help women employees of our Bank in order to augment work-life balance. This employee-friendly initiative shall certainly encourage them to join Bank's services faster after Maternity and enable them to handle their work and parental responsibilities in a much better way. In addition to this facility, Bank is also running two onsite Creche facilities at BCC, Mumbai and ZO, Bangalore.

The International Women's Day was celebrated with fun and enthusiasm which boosted the morale and energy of all women employees.

❖❖❖

Swapna Bandopadhyaya
Dy. General Manager (HRM),
Head Office, Baroda

आईबीसी–2016
का एनपीए वसूली में योगदान

मुझे लगता है कि आईबीसी–2016 ऐसा कानून है, जो किसी को भी व्यवसाय से बाहर निकलने के लिए एक सम्मानजनक मार्ग प्रदान करता है. समयबद्ध प्रक्रिया के तहत समस्या का समाधान, पारदर्शिता और पेशेवर लोगों द्वारा प्रक्रिया को संभाला जाना आदि विशेषताओं को इस कानून मे भलीभांति पिरोया गया है, जिसकी वजह से यह कानून बहुत प्रमुखता से प्रयोग किया जा रहा है.

– श्रीमती निर्मला सीतारमण, वित्त मंत्री, भारत सरकार

देश के विकास के लिये आवश्यक है कि उद्यमी को व्यवसाय प्रारंभ करने का अधिकार मिलने के साथ–साथ प्रतिस्पर्द्धी बने रहने एवं असफल होने पर उससे बाहर निकलने का भी अधिकार मिले. नीति निर्माताओं ने समय–समय पर विभिन्न कानूनों के माध्यम से इन समस्याओं को सुलझाने का प्रयास किया है. बड़े व्यवसाय, नए व्यवसायों को आगे बढ़ाने से ना रोक पाएँ, उत्पादों के विनिर्माण एवं वितरण में एकाधिकार की रोकथाम हो एवं उत्पादों के मूल्य का निर्धारण करने में किसी प्रकार का उत्पादक संघ का हस्तक्षेप न होकर मांग एवं पूर्ति की ताकत ही कार्य करे, जैसे महत्वपूर्ण नियमों ने विकास की गति को पंख प्रदान कर दिये हैं. किंतु यह भी सत्य है की जब व्यवसायों को प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता है, तब कुछ व्यवसाय विफल भी होते हैं. विभिन्न सुधारों ने जहां एक ओर देश में नए व्यवसाय खोलने के लिए समुचित वातावरण उपलब्ध कराया था, वहीं दूसरी ओर विफल व्यवसाय से बाहर निकलने के लिए कोई समुचित मार्ग उपलब्ध ना हो पाने के कारण विभिन्न प्रक्रियाओं जैसे कि कॉर्पोरेट ऋण पुनर्गठन, औद्योगिक और वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड (बीआईएफआर) इत्यादि में लंबित मामलों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही थी.

अर्थव्यवस्था के विकास के लिए जहां यह आवश्यक है कि संसाधनों के प्रयोग का अधिकार उस व्यवसाय को मिले जो उन्हें श्रेष्ठ तरीके से प्रयोग कर सके, वहीं यह भी आवश्यक है कि परिस्थिति में बदलाव आने पर अप्रभावी रूप से प्रयोग हो रहे उन आर्थिक संसाधनों को दोबारा से वितरित किया जा सके. किंतु इस प्रकार की किसी भी निकास प्रक्रिया के अभाव में व्यवसाय से बाहर निकलना संभव नहीं हो पा रहा था. बैंक भी येन केन प्रकारेण इन एनपीए खातों को पुनर्गठित कर इन्हें और ऋण वितरित करते जा रहे थे. भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जब इन आस्तियों की गुणवत्ता की समीक्षा की गई, तब इन खातों को अवक्रमित किया गया, जिसका परिणाम बैंकों की बढ़ती हुई गैर–निष्पादित आस्तियों (एनपीए) के रूप में सामने आने लगा. इन सबके बीच ऋण वितरण की गति पर भी थोड़ा सा अंकुश लग गया. इसका परिणाम अर्थव्यवस्था की विकास दर में कमी के रूप में सामने आने लगा. ऐसे में आवश्यक था कि न केवल इन सभी बैंकों एवं व्यवसायों को सुदृढ़ बनाया जाए अपितु आर्थिक संसाधनों को फिर से वितरित कर निर्माण कार्यों में लगाया जाए.

इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए नीति निर्माताओं ने आईबीसी–2016 कानून का निर्माण किया है. यह कानून न केवल समयबद्ध तरीके से दबावग्रस्त आस्तियों का समाधान निकालता है अपितु बैंक के एनपीए ऋण की वसूली के माध्यम से, पैसे को पुनर्वितरित कर ऋण प्राप्ति को सरल बनाने का सामर्थ्य रखता है. उद्यमिता को बढ़ावा देकर उनके लिए सम्मानजनक निर्गम प्रक्रिया उपलब्ध कराना ही इस कानून का मुख्य ध्येय है. एनपीए ऋण की वसूली तो इसका अतिरिक्त लाभ है. किंतु आईबीसी–2016 अभी भी पूरी तरह से स्थापित नहीं हुआ है. इसमें उपस्थित चुनौतियां जैसे कि विभिन्न न्यायालयों द्वारा की गई अलग– अलग व्याख्या, पेशेवर लोगों में निष्पक्षता का अभाव, हर व्यवसाय को आइबीसी में खींचने की प्रवृत्ति इत्यादि कारक आइबीसी की मूल भावना को निष्प्रभावी भी बना सकते हैं. समय–समय पर संशोधन के माध्यम से इसे न केवल प्रासंगिक बनाया जा रहा है अपितु चुनौतियों का समाधान भी उपलब्ध कराया जा रहा है.

आईबीसी–2016 का योगदान

आईबीसी–2016 के माध्यम से समाधान योजनाओं ने लेनदारों के लिए परिसमापन मूल्य के दोगुने से अधिक मूल्य की वसूली प्राप्त की है. इन संकल्प योजनाओं के माध्यम से कुल मांग की औसतन 43% वसूली, औसतन 300 दिन और 0.5% की औसत लागत पर हुई है. जबकि पिछले 29 वर्षों में लेनदारों के लिए 25% की वसूली हुई थी, जिसमें औसतन पाँच से अधिक वर्ष लगे और 9% की लागत आई थी. यहाँ यह ध्यान रखना भी महत्वपूर्ण है कि कोड का उद्देश्य वसूली नहीं अपितु असफल कंपनियों का पुनरुद्धार है, वसूली तो इस प्रक्रिया का उप–उत्पाद है. व्यवसाय के पुनरुद्धार के अतिरिक्त इस कोड ने व्यवहार परिवर्तनों के माध्यम से कोड के बिना भी (आईबीसी–2016 से बाहर) लेनदारों के लिए पर्याप्त वसूली को संभव किया है.

–डॉ एम.एस. साहू, अध्यक्ष, भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता बोर्ड

आईबीसी–2016 के आने के बाद व्यवसाय के पुनः प्रवर्तन एवं वसूली प्रक्रिया में व्यापक परिवर्तन आया है. जहाँ एक ओर एनसीएलटी में आने वाले मामलों की संख्या में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है, वहीं कई मामले एनसीएलटी में आने के बाद खुद ही समाधान खोजकर वापस ले लिये गये हैं. बड़े एनपीए की वसूली में आईबीसी–2016 की भूमिका को निम्न बिंदुओं में समझा जा सकता है –

- **भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा पहचाने गए 12 बड़े एनपीए खातों में वसूली**

  भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा 12 बड़े खातों को आईबीसी के अंतर्गत समाधान ढूंढने के लिये निर्देशित किया गया था. इन खातों में कुल लेनदारी रु. 3.45 लाख करोड़ थी तथा इनका परिसमापन मूल्य रु. 73,220 करोड़ था. इनमें से आठ खातों में संकल्प योजना को मंजूरी दे दी गई है और दो खातों में परिसमापन के आदेश पारित किए गए हैं. बाकी दो खातों का निस्तारण भी शीघ्र किये जाने की संभावना है.

खाता	स्थिति	वसूली (प्रतिशत में)
इलेक्ट्रोस्टील स्टील्स लिमिटेड	वेदांत लिमिटेड द्वारा खरीदा गया	40.38%
भूषण स्टील लिमिटेड	बामनीपाल स्टील लिमिटेड द्वारा खरीदा गया	63.50%
मोनेट इस्पात एंड एनर्जी लिमिटेड	जेएसडब्ल्यू और एआईओएन इंवेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के कंसोर्टियम द्वारा खरीदा गया	26.26%
एस्सार स्टील इंडिया लिमिटेड	आर्सेलर मित्तल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा खरीदा गया	82.91%
आलोक इंडस्ट्रीज लिमिटेड	रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड एवम जेएम फाइनेंशियल एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड द्वारा खरीदा गया	17.11%
ज्योति स्ट्रक्चर्स लिमिटेड	एचएनआई के समूह द्वारा खरीदा गया	50.12%
भूषण पावर एंड स्टील लिमिटेड	जेएसडब्ल्यू लिमिटेड	41.03%
जे पी इंफ्राटेक लिमिटेड	एनबीसीसी लिमिटेड	100.20%
एमटेक ऑटो लिमिटेड	प्रक्रिया फिर से शुरू	प्रक्रिया में
एरा इंफ्रा इंजीनियरिंग लिमिटेड	प्रक्रिया में	
लैंको इंफ्राटेक लिमिटेड	शोधन प्रक्रिया के तहत कार्यवाही	
एबीजी शिपयार्ड लिमिटेड	शोधन प्रक्रिया के तहत कार्यवाही	

इससे पता चलता है कि उन सभी बडे खातों, जिनमे पुरानी समस्यायें थी, उनका निवारण करने मे यह कानून बहुत सफल सिद्ध हुआ है.

- **वसूली प्रक्रिया की दक्षता में सुधार**

  मार्च 2020 तक, कुल 221 मामलों में समाधान योजनाओं को क्रियांवित किया गया है. परिसमापन मूल्य की तुलना में समाधान योजनाओं के तहत वित्तीय लेनदारों द्वारा 191 % वसूली की गयी है. जबकि दावों की तुलना में वसूली 45% है.

(31 मार्च 2020)

शीर्षक	रूपये लाख करोड़ में
वित्तीय लेनदार की कुल लेनदारी (221 मामलों मे)	4.13
परिसमापन मूल्य	0.96
वित्तीय लेनदार को प्राप्त मूल्य	1.84
प्राप्त मूल्य का प्रतिशत (कुल लेनदारी की तुलना में)	45%
प्राप्त मूल्य का प्रतिशत (परिसमापन मूल्य की तुलना में)	191.67%

यह संख्या नि:संदेह प्रशंसनीय है. यहाँ यह भी बात ध्यान रखने योग्य है कि इस कानून से पहले संस्थापक को उस व्यवसाय से हटाना लगभग नामुमकिन था. लेकिन इन सभी मामलों में स्वामित्व को नये खरीदारों को सौंप दिया गया है. इसके अलावा भी बहुत से मामलों में स्वामित्व खोने का डर ही संस्थापकों को बड़े एनपीए खातों मे सुधार लाने के लिये प्रेरित कर रहा है.

- **विश्वास एवं संदर्भित मामलों की संख्या में निरंतर वृद्धि**

  बड़े एनपीए खातों में वसूली में आईबीसी की भूमिका का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वित्तीय लेनदारों द्वारा वसूली प्रक्रिया में इसका प्रयोग लगातार बढ़ता जा रहा है.

तिमाही	तिमाही के आरंभ मे कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया के कुल मामले	नए मामले	अपील / समझोते के बाद बंद किए गये	धारा 12 ए के तहत वापसी के बाद बंद किये गये	रिजोल्यूशन प्लान स्वीकार किया गया	शोधन (लिक्विडेशन) की प्रक्रिया का आदेश	तिमाही के अंत में कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया के कुल मामले
31 मार्च 2019 तक (शुरूआत से)	–	1891	208	87	101	396	1099
अप्रैल – जून 2019	1099	301	26	26	26	95	1227
जुलाई –सितम्बर 2019	1227	582	28	21	32	153	1575
अक्तूबर–दिसम्बर 2019	1575	613	27	11	35	149	1966
जनवरी – मार्च 2020	1966	387	23	12	27	121	2170
कुल					**221**	**914**	

–221– खातों में समाधान योजना को औसतन 375 दिन में तथा –914– खातों में परिसमापन प्रक्रिया को औसतन 309 दिन में पूरा किया गया है. इस समयबद्ध प्रक्रिया की वजह से बैंक इस कानून को अधिकाधिक खातों में प्रयोग कर रहे हैं. बड़े एनपीए खातों में बढ़ता हुआ प्रयोग यही दर्शाता है कि यह कानून न केवल प्रभावी है, अपितु विश्वसनीय भी है.

इसके अतिरिक्त अर्थव्यवस्था को होने वाले लाभ निम्नलिखित हैं –

- इस कानून की वजह से बैंकों के ऋण वितरण की क्षमता में वृद्धि होगी जिससे बड़े उद्योगों एवं मूलभूत ढांचे के विकास के लिए ऋण वितरण की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकती है. सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों को ऋण की उपलब्धता बढ़ेगी जिससे स्वरोजगार को बढावा मिलेगा.
- इससे बैंकों एवं कॉर्पोरेट के तुलन पत्र की समस्या का समाधान होगा, जिससे निष्क्रिय पड़े आर्थिक संसाधन जैसे कि मशीन, कारखाने इत्यादि उत्पादन के लिये प्रयोग हो पायेंगे.
- सरकार द्वारा अप्रभावी व्यवसायों को बचाने के लिये उनमें निवेश किए जाने वाली पूंजी की जरूरत भी खत्म हो जाएगी. इससे अन्य कार्यों जैसे की शिक्षा, चिकित्सा, सुरक्षा एवं अन्य सामाजिक दायित्व के कार्यों के लिए ज्यादा पूंजी की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकती है.

आईबीसी–2016 एवं एनसीएलटी – सुधार की आवश्यकता

समाधान योजना को कार्यान्वित करते समय यदि ऐसा होता है कि लेनदारों को केवल कुछ प्रतिशत मिल पाता है एवं दिवालिया होने वाला व्यक्ति पुन: उस कंपनी का स्वामित्व हासिल कर लेता है तो हम ऐसा नहीं होने दे सकते हैं. मूल नियम में इस सुधार की आवश्यकता है, जिसे अनुभाग 29 ए को शामिल करके दूर किया जा रहा है. यदि हम ऐसा नहीं करते हैं, तब वह सभी लोग जिन्होंने खुद को दिवालिया घोषित किया है, वह उन संपत्तियों को ऋण के कुछ प्रतिशत के भुगतान के बाद फिर से प्राप्त कर लेंगे. यह न केवल व्यवसायिक रूप से अस्वीकार्य है अपितु नैतिक रूप से भी सही नही है.

(आईबीसी–2016 बिल में संशोधन के समय वित्त मंत्री का संबोधन)

आईबीसी ने जहाँ वसूली को संभव बनाया है, वहीं इसके मार्ग मे अभी कई अड़चने भी हैं. सबसे पहली अड़चन यही है कि अभी भी अधिकांश खाते शोधन (लिक्विडेशन) की प्रक्रिया में जा रहे हैं तथा समाधान योजना को बहुत ही कम खातों में लागू किया जा सका है.

31 मार्च 2020 को कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया की स्थिति	कुल संख्या	प्रतिशत
कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया के लिए दाखिल किए गए	3774	100.00%
अपील / समझौते के बाद बंद किए गए	312	8.27%
धारा 12 ए के तहत वापसी के बाद बंद किये गए	157	4.16%
रिजोल्यूशन प्लान स्वीकार किया गया	**221**	5.86%
शोधन (लिक्विडेशन) की प्रक्रिया का आदेश	914	24.22%
लंबित एवं प्रक्रिया में	2170	57.50%

उपर्युक्त आंकड़ों से स्पष्ट है कि इसमें सुधार की जरूरत है. इसका एक कारण यह भी है कि प्रारम्भ में एनसीएलटी में जो खाते भेजे गये थे, उनमें से अधिकांश खाते पहले से ही मृतप्राय हो चुके थे. किंतु अधिकाधिक मामलों को शोधन में भेजने के स्थान पर समाधान की कोशिश को ज्यादा महत्व देना जरूरी है.

इस कानून का सबसे प्रमुख लाभ समयबद्ध हल देना है. निम्न आंकड़ों से पता चलता है कि 50% से ज्यादा मामलों में 180 दिन से ज्यादा होने पर भी कोई समाधान नही निकल पाया है. अभी इसमें भी सुधार की संभावना है.

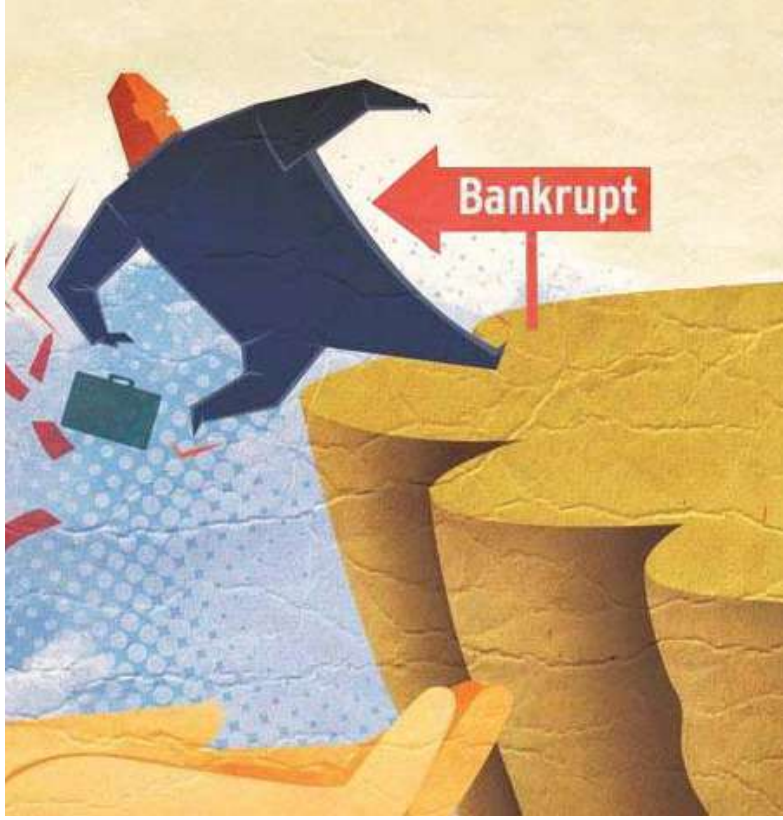

31 मार्च 2020 को कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया में लंबित खाते	कुल संख्या	प्रतिशत
270 दिन से ज्यादा	738	34.01%
180 दिन से ज्यादा एवं 270 दिन तक	494	22.76%
90 दिन से ज्यादा एवं 180 दिन तक	561	25.85%
90 दिन तक	377	17.37%
कुल	**1497**	**100%**

इसके अतिरिक्त इसके दुरूपयोग को रोकना एवं उद्यमियों को कोविड–19 जैसे समय पर अनावश्यक प्रक्रिया में उलझने से बचाना इत्यादि भी बहुत जरूरी हैं.

निष्कर्ष

आईबीसी ने बैंकों के लिये एनपीए वसूली एवं संस्थापक को व्यवसाय से बाहर निकलने के लिए एक सम्मानजनक मार्ग प्रदान कर भारतीय अर्थव्यवस्था को आगे ले जाने के लिए एक सकारात्मक माहौल पैदा कर दिया है. किंतु हर समस्या के समाधान के लिये इसका प्रयोग उचित नहीं है. 'जहाँ काम आवे सुई, कहा करे तरवारि' कहावत के अनुसार भी हर जगह एक ही औजार का प्रयोग लाभदायक नही होता है. अब आवश्यकता है कि आर्थिक संसाधनों का समुचित प्रयोग हो तथा आईबीसी बैंकों के ऋण वसूली का उपकरण बनने के साथ–साथ व्यवसाय को वापस स्थापित करने का मार्ग बने. इसमे कोई संदेह नही है कि प्रतियोगिता और नवाचार को बढ़ावा देने वाला यह कानून समय के साथ और भी मजबूत बनकर उद्यमिता को बढ़ावा देने वाला बनेगा. आवश्यकता है कि इसे संशोधन एवं सभी हितधारकों के साथ परामर्श के माध्यम से प्रासंगिक बनाये रखा जाये.

❖❖❖

विनीत कुमार जैन
मुख्य प्रबंधक एवं संकाय,
एपेक्स अकादमी, गांधीनगर

Employees' Engagement in an Organization

Heart of every organization is its employees. Leaders play a vital role in engaging the employees in an organization. Leaders need to let go and guide their employees to mature for new roles and responsibilities. If you are not engaging your employees to create great teams, you are not fulfilling your commitment to the organization and the people you serve.

Today's leaders must constantly focus on the growth of their teams and strengthening the capabilities of individuals that can make the team more effective. This creates an environment of continuous innovation and initiative. Think of your employees as an innovation lab. As such, employee engagement should always be abundant.

To assure you don't create a reputation as a leader that doesn't engage employees, here are five levels to consider to more effectively engage your employees and if these level implemented properly, will stimulate employee engagement that has been missing.

Level 1: Respecting Employees dignity and competency:-

Employee is the most dynamic asset an organization possesses. The individual treatment of the employee by the supervisory and managerial staff will make a great difference in the level of employee productivity and creativity and fostering greater employee engagement within an organization. A happy and satisfied employee is a highly productive one. Each employee must always be treated with the utmost respect and dignity. Dignity and respect in the workplace follows the "golden rule" of treating others the way you want to be treated.

Level 2: Facilitating employee with suitable equipment, system, and environment:-

Indoor environments in an office have a great influence on employee's attitudes, behavior, satisfaction and performance. As stated by Andrian Laeman (1995) in his research, "people who are unhappy with temperature, water quality, lighting and noise conditions in their offices are more likely to say that this affects their concentration at work". Others research have also shown that productivity bears a close relationship to the indoor environment quality.

Level 4: Proactively capturing the voice of employee:-

We can create a classroom platform that enables employees to share their perceptions, opinions, and feedback. It can provide our organization with key insights for cultivating happier employees and delivering better customer experiences.

The five levels of employee engagement

Level 3: Adopting an inclusive approach towards Employee-trust-based-Relationship:-

Whether you are working with someone who sits next to you or someone who works in the other department, building relationships is crucial to achieving objectives of organization. A successful relationship is built on trust and understanding and requires ongoing investment from both parties. When difficulties arise in the relationship, they should be addressed openly and in a professional manner to ensure the relationship continues to develop.

Level 5: Ensuring that employees are given responsibility & purpose:-

Responsibility is given to each individual, commensurate with that individual's specific job title and responsibilities. Provide them complete and all required training assignments. A responsible employee will ensure that he or she is familiar with policies and procedures, and follows the rules, conduct of code and ethics after completing all required training.

❖❖❖

Sumit Garg
Senior Manager & Faculty
Baroda Academy
Chandigarh

हार्दिक स्वागत

श्री अजय के खुराना, कार्यपालक निदेशक

श्री अजय के खुराना ने दिनांक 01.04.2020 को हमारे बैंक के कार्यपालक निदेशक के रूप में अपना पदभार संभाला. आप सीएआईआईबी की व्यावसायिक योग्यता के साथ बिजनेस मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रेजुएट हैं. बैंक ऑफ़ बड़ौदा के कार्यपालक निदेशक के पद का दायित्व संभालने से पहले आपने 20.09.2018 से 31.03.2020 तक सिंडिकेट बैंक के निदेशक मंडल में कार्यपालक निदेशक के तौर पर सेवाएं प्रदान की है.

आप 15.11.1988 को विजया बैंक में अधिकारी के रूप में सेवा में आए. आपके पास 17 वर्ष तक फील्ड स्तर के विभिन्न पदों तथा 4 वर्ष तक विजया बैंक के क्षेत्रीय प्रमुख के रूप में कार्य करने का व्यापक बैंकिंग परिचालन अनुभव है. बैंक में विभिन्न पदों पर कार्य करते हुए आप महाप्रबंधक के रूप में पदोन्नत हुए. आपको बैंक के महत्वपूर्ण विभागों जैसे ऑडिट, एनपीए वसूली, अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग, परिचालन, सूचना प्रौद्योगिकी एवं कॉर्पोरेट क्रेडिट में कार्य करने का गहन अनुभव है.

आप 20.09.2018 को कार्यपालक निदेशक के रूप में पदोन्नत हुए और आपने विभिन्न विभाग यथा सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, ट्रेजरी एवं अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग, वसूली, एमएसएमई, मिड कॉर्पोरेट एवं केंद्रीय लेखा विभाग के कार्यों को संभाला है.

टीम बॉबमैत्री आपका हार्दिक स्वागत और अभिनंदन करती है.

Virtual Currency & International Trade

Cryptocurrency :

It is a virtual or digital money which takes the form of "tokens" or "coins". While some cryptocurrencies have ventured into the physical world with credit cards or other projects, the large majority remains entirely intangible.

Cryptocurrencies are almost always designed to be free from government management and control. Although they have grown more popular, this foundational aspect of the industry has come under fire. The currencies modelled after bitcoin are collectively called altcoins and have often tried to present themselves as modified or improved versions of bitcoin. Various types of cryptocurrencies are

1) Ethereum (ETH)
2) Ripple(XRP)
3) Litecoin (LTC)
4) Tether (USDT)
5) Bitcoin Cash (BCH)
6) Libra (LIBRA)
7) Monero (XMR)
8) EOS (EOS)
9) Bitcoin SV (BSV)
10) Binance Coin (BNB)

Bitcoin :

Bitcoin is a digital currency created in January 2009. It followed the ideas set out in a white paper by the mysterious and pseudonymous developer Satoshi Nakamoto, whose true identity is yet to be verified. Bitcoin offers the promise of lower transaction fees than traditional online payment mechanism and is operated by a decentralized authority, unlike government-issued currencies.

Bitcoin and Forex Trade :

To understand the full potential of a decentralised medium for digital transactions, it is actually more helpful to look beyond the most

well-known cryptocurrency, Bitcoin and turn to its upcoming cousin – Ripple. Whilst not being the most popular digital coin, the way Ripple works, makes it the best example to demonstrate how revolutionary cryptocurrencies could be for cross-border trade and business.

To truly understand how Ripple works, you need to stop thinking of it as a currency. More accurately, Ripple is a self-contained blockchain system which allows for quick, and most importantly, hands-off financial transactions.

With Ripple, you can send any amount of money, in any currency, to anybody in the world, with negligible charges. The actual Ripple coin is simply the neutral medium against which these other currencies can be measured. This system holds a lot of exciting potential for the future of financial transactions. Where fiat currency must be held in either cash or at bank, Ripple provides a medium for peer-to-peer transactions on any scale. This value has been identified by the markets to the extent that it has even been used by large international banks like Santander and UBS. Where Bitcoin is largely decried by banks, Ripple has been enthusiastically employed by them.

Benefits of Trading Forex with Bitcoin

No Transaction Costs :

All bitcoin transactions are digitally recorded on public networks without any involvement from banks or clearing agencies. Hence, there are usually no transaction cost involved in bitcoin, even for global transfers. Brokers pass these benefits to the clients by not imposing any deposit or withdrawal fee for bitcoin transactions. This improves trade profits.

Low Deposit Amount :

One can start with as little as $25 with some bitcoin forex trading firms. As promotional offers, a few forex trading firms even offer new members a matching deposit amount. Traders should take care to check that all brokers are appropriately regulated.

Low Cost of Trading :

Most forex brokers that accept cryptocurrency are keeping brokerage costs very low to attract the new bitcoin-trading clients.

Security :

With bitcoin transactions, you do not need to reveal your bank account or credit card details to deposit or withdraw money. Especially, when dealing with foreign brokers, this is a huge advantage in terms of cost and financial security.

No Global Boundaries :

Bitcoin transactions have eliminated global boundaries. Using bitcoin, a trader based in Africa can trade forex through a broker based in the United Kingdom. Regulatory challenges may remain a concern, but if both traders and brokers are willing to transact, then all geographical boundaries are eliminated.

Risks of Trading Forex with Bitcoin :

Bitcoins trade on multiple exchanges, and exchange rates vary. Traders must ensure that they understand which bitcoin exchange rates the forex broker will be using.

While receiving bitcoin deposits from clients, almost all brokers instantly sell the bitcoins and hold the amount in US dollars. Even if a trader does not take a forex trade position immediately after the deposit, he or she is still exposed to the bitcoin to U.S. dollar rate risk from deposit to withdrawal.

Historically, bitcoin prices have exhibited high volatility. In the absence of regulations, volatility can be used by the unregulated brokers to their advantage and to a trader's disadvantage. For example, assume the intraday bitcoin rate fluctuates from $500 to $530 US dollars per bitcoin. For an incoming deposit of 2 bitcoins, the unregulated broker may apply the lowest rates to credit the trader $1,000 (2 bitcoins * $500 = $1000). However, once the trader is ready to make a withdrawal, the broker may use the lowest exchange rate and instead of the original 2 bitcoins deposited, the trader only receives 1.88679 bitcoins ($1,000/$530 = 1.88679 bitcoins). In reality, the unregulated broker may be exchanging bitcoins and dollars at say $515, and pocketing the difference at the expense of the client.

Deposited bitcoins are prone to theft by hacking, even from the broker's digital wallet. To cut down on this risk, look for brokers who have insurance protection against theft.

High leverage is risky for newbie traders who may not understand the exposure. Cryptocurrency is a different asset class altogether and has its own valuation mechanism. Trading forex with bitcoins essentially introduces a new intermediate currency which can impact profit and loss in unexpected ways. Any money that is not locked down in a trader's base currency is a risk.

Cryptocurrencies and India :

In April 2018, RBI imposed a ban on financial firms or individuals in India from trading in cryptocurrencies. However, the Supreme Court quashed the order by the Reserve Bank of India (RBI) banning financial services firms from trading in virtual currency or cryptocurrency.

Looking as a better future opportunity:

While Bitcoin and its influence on international trade is still in its infancy, we are certain that it will play an important role in the future of international business. International trade is a multi-trillion dollar industry which requires a financial system that is guaranteed and secure. Bitcoin may not be 100% there yet, but as the technology continues to stabilize, we are sure that Bitcoin will find its way on to the world stage.

❖❖❖

Ashutosh Kumar Srivastava
Senior Manager & Faculty,
Baroda Academy, Lucknow

प्रबंध निदेशक एवं सीईओ श्री संजीव चड्ढा का बड़ौदा दौरा

हमारे प्रबंध निदेशक एवं सीईओ श्री संजीव चड्ढा द्वारा 12 फरवरी, 2020 को बड़ौदा का दौरा किया गया. इस दौरान उन्होंने अंचल कार्यालय, बड़ौदा की व्यावसायिक प्रगति की समीक्षा कर सभी कार्यपालकों को मार्गदर्शन प्रदान करने के साथ-साथ व्यवसाय वृद्धि हेतु महत्वपूर्ण सुझाव दिए. इस समीक्षा बैठक में उप अंचल प्रमुख श्री पी एस नेगी सहित अंचल एवं प्रधान कार्यालय के सभी कार्यपालक उपस्थित रहे.

बड़ौदा अंचल द्वारा मेगा लोन एक्स्पो 2020 का आयोजन

बड़ौदा शहर एवं बड़ौदा जिला क्षेत्र द्वारा खुदरा, कृषि और एमएसएमई क्षेत्र में ऋण की पहुंच बढ़ाने के राष्ट्रीय एजेंडा को लक्ष्य बनाते हुए 17 जनवरी से 19 जनवरी, 2020 तक बड़ौदा में मेगा लोन एक्सपो 2020 का आयोजन किया गया. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री ए कुमार खोसला, बड़ौदा शहर क्षेत्र की क्षेत्रीय प्रमुख सुश्री दक्षा शाह, बड़ौदा जिला क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री संजीव आनंद तथा बड़ी संख्या में ग्राहकगण उपस्थित थे.

आणंद क्षेत्र में एनआरआई बैठक का आयोजन

10 जनवरी, 2020 को आणंद क्षेत्र द्वारा एनआरआई बैठक का आयोजन किया गया. इस अवसर पर अहमदाबाद अंचल के उप अंचल प्रमुख श्री मोतीलाल मीणा, आणंद क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख एवं उप महाप्रबंधक श्री आर के पाटील, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री एस पी शारदा तथा 150 से अधिक एनआरआई ग्राहक उपस्थित रहे.

जमशेदपुर क्षेत्र द्वारा कृषि ओटीएस बैठक का आयोजन

17 फरवरी, 2020 को जमशेदपुर क्षेत्र द्वारा कृषि ओटीएस बैठक का आयोजन किया गया. इस अवसर पर उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री दुर्योधन बेहेरा एवं शाखा के अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे. बैठक के दौरान कृषि ओटीएस पर विशेष चर्चा की गई.

उदयपुर क्षेत्र द्वारा एनआरआई मीट का आयोजन

उदयपुर क्षेत्र की गढ़ी परतापुर शाखा द्वारा 22 जनवरी, 2020 को अनिवासी ग्राहक सम्मेलन (एनआरआई मीट) का आयोजन किया गया. इस अवसर पर कॉर्पोरेट कार्यालय के महाप्रबंधक (एनआरआई व्यवसाय) श्री महोराज सिंह ह्यांकी, उदयपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री आर के मीणा, शाखा प्रमुख तथा बड़ी संख्या में एनआरआई ग्राहक उपस्थित थे.

नासिक क्षेत्र को जीबीपीएल में अखिल भारतीय स्तर पर पुरस्कार

बैंक द्वारा जैसलमेर में 27 जनवरी, 2020 को पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया. इसमें नासिक क्षेत्र को जीबीपीएल में अखिल भारतीय स्तर पर पेंशन और सुकन्या समृद्धि में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर पुरस्कृत किया गया. इस समारोह में कार्यपालक निदेशक श्री शांति लाल जैन द्वारा नासिक क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री राकेश कुमार को ट्रॉफी एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया.

जलंधर एवं लुधियाना क्षेत्र द्वारा एनआरआई मीट का आयोजन

14 जनवरी, 2020 को जलंधर क्षेत्र तथा लुधियाना क्षेत्र द्वारा संयुक्त रूप से जलंधर में एनआरआई बैठक का आयोजन किया गया. इस बैठक में महाप्रबंधक (एनआरआई व्यवसाय) श्री एम एस ह्यांकी, अंचल प्रमुख श्री एम एल रोहिल्ला, जलंधर व लुधियाना के क्षेत्रीय प्रमुख क्रमशः श्री इंदर मोहन सिंह व श्री वाई के गुप्ता तथा बड़ी संख्या में एनआरआई ग्राहक उपस्थित थे.

Ernakulam Region participates in retail expo

On 6th - 9th March, 2020 Ernakulam Region participated in "Matrubhumi My Home" 4 day exhibition at Kaloor, Ernakulam conducted by Mathrubhumi, one of the leading dailies in Kerala. It also participate in "Malayala Manorama Parpidom Exhibition" 3 day exhibition at JLN stadium kaloor, Ernakulam conducted by Malayala Manorama for Promotion of Retail loans and Gold loans. During this campaign Region could generate good retail leads.

पूर्णिया क्षेत्र द्वारा एमएसएमई व स्टैंड अप इंडिया पर कार्यक्रम

22 फरवरी, 2020 को पूर्णिया क्षेत्र द्वारा मिलिया तकनीकी संस्थान, पूर्णिया में विद्यार्थियों के बीच एमएसएमई व स्टैंड अप इंडिया पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर पूर्णिया क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री जगजीव कुमार जायस, अन्य स्टाफ सदस्य एवं विद्यार्थीगण उपस्थित थे.

राजकोट क्षेत्र द्वारा एनआरआई बैठक का आयोजन

राजकोट क्षेत्र द्वारा 10 फरवरी, 2020 को एनआरआई बैठक का आयोजन किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रबंधक श्री संजय गुप्ता, उप क्षेत्रीय प्रबंधक श्री अशोक गोस्वामी और वरिष्ठ नागरिक एवं एनआरआई ग्राहक उपस्थित रहे. बैठक के दौरान बैंक के विभिन्न एनआरआई उत्पादों के विषय में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई.

बड़ौदा अंचल द्वारा अखिल भारतीय अंतर-अंचल टेबल टेनिस टूर्नामेंट का आयोजन

बड़ौदा अंचल कार्यालय द्वारा स्टाफ सदस्यों एवं उनके परिजनों के बीच खेल एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 17 जनवरी से 20 जनवरी, 2020 तक अखिल भारतीय अंतर-अंचल टेबल टेनिस टूर्नामेंट का आयोजन किया गया. इस अवसर पर बैंक के निदेशक श्री भरत भाई डांगर, महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख श्री अजय कुमार खोसला, बैंक के अन्य वरिष्ठ कार्यपालकगण उपस्थिति रहे. इस टूर्नामेंट में देश के विभिन्न हिस्सों का प्रतिनिधित्व करने वाली कुल 20 टीमों ने हिस्सा लिया.

जूनागढ़ क्षेत्र द्वारा केसीसी कैम्प का आयोजन

जूनागढ़ क्षेत्र की वेरावल एवं सुतरापाडा शाखा द्वारा 06 मार्च, 2020 को मत्स्यपालन हेतु केसीसी कैम्प का आयोजन किया गया. इस दौरान 10 करोड़ रुपये के 1000 केसीसी ऋण संवितरित किए गए. इस कार्यक्रम में राजकोट अंचल प्रमुख श्री संजीव डोभाल, जूनागढ़ क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख जे बी रोहड़ा तथा उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री एम निशांत एवं श्री शैलेश कुमार तथा बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया.

हुबली क्षेत्र द्वारा कृषि मेला का आयोजन

19 जनवरी, 2020 को हुबली क्षेत्र द्वारा कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय में कृषि मेला का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में बैंक के स्टॉल का उद्घाटन क्षेत्रीय प्रबंधक श्री श्रीनिवास रविपति द्वारा किया गया. इस अवसर पर स्थानीय शाखाओं से शाखा प्रबंधक तथा विभिन्न ग्राहक उपस्थित थे.

भरतपुर क्षेत्र द्वारा किसान सम्मेलन का आयोजन

10 फरवरी, 2020 को भरतपुर क्षेत्र द्वारा लुधावाई ग्राम में विशाल किसान सम्मेलन का आयोजन किया गया. इस अवसर पर प्रधान कार्यालय, बडौदा से सहायक महाप्रबंधक श्री शिवराम मीणा, भरतपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री बृज मोहन मीणा, सरसो अनुसंधान निदेशालय के श्री राजेश कुमार मीणा उपस्थित रहे.

संबलपुर क्षेत्र द्वारा सम्मान कार्यक्रम का आयोजन

संबलपुर क्षेत्र द्वारा 15 जनवरी, 2020 को 'शिखरों का सम्मान' कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में व्यवसाय विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले शाखा प्रमुखों को सम्मानित किया गया. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री नित्यानंद बेहेरा, क्षेत्रीय प्रमुख श्री विवेक गुप्ता, उप क्षेत्रीय प्रमुख द्वय श्री आर्य प्रकाश दास एवं श्री सुधामय पंडा तथा विभिन्न शाखाओं के शाखा प्रमुख उपस्थित थे.

जमशेदपुर क्षेत्र द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन

24 जनवरी, 2020 को जमशेदपुर क्षेत्र द्वारा व्यवसाय विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यनिष्पादन करने वाली शाखाओं के शाखा प्रमुखों हेतु सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर पटना अंचल के अंचल प्रमुख श्री नित्यानंद बेहेरा, जमशेदपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री जगदीश तुंगारिया तथा पटना अंचल के अन्य क्षेत्रों के क्षेत्रीय प्रमुख एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

Bank sponsored Gokulam Kerala Football team

Our Bank sponsored Gokulam Kerala Football team, which participated in the Hero I league Cup. Shri K V Jayachandram, Regional Head, Calicut Region and Shri Gokulam Gopalan, chairman of Gokulam Group of Companies handed over Man of the Match Award to Shri Marcus Joseph of Gokulam Kerala FC on 26.01.2020 at the post-match event.

भरतपुर क्षेत्र द्वारा क्रेडिट कैम्प का आयोजन

26 फरवरी, 2020 को भरतपुर क्षेत्र द्वारा क्रेडिट कैम्प का आयोजन किया गया. इस अवसर पर अंचल प्रमुख एवं महाप्रबंधक श्री महेंद्र एस. महनोत, क्षेत्रीय प्रमुख श्री बृजमोहन मीणा, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री घनश्याम दास, श्री वीरेंद्र बोहरा, स्टाफ सदस्य एवं ग्राहकगण उपस्थित रहे.

खेड़ा क्षेत्र में कार्यपालक निदेशक द्वारा किसान कार्ड का वितरण

09 जनवरी, 2020 को खेडा क्षेत्र द्वारा किसानों के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें किसानों को किसान कार्ड प्रदान किए गए. इस अवसर पर हमारे कार्यपालक निदेशक श्री शांतिलाल जैन, अंचल प्रमुख श्रीमती अर्चना पाण्डेय, उप अंचल प्रमुख श्री मोतीलाल मीणा तथा खेडा क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री महेन्द्र बी. वाला उपस्थित थे.

भोपाल उत्तर क्षेत्र द्वारा पुलिस लाईन में बैंक उत्पाद जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन

02 फरवरी, 2020 को भोपाल उत्तर क्षेत्र की कोटरा शाखा द्वारा पुलिस लाईन थाना नेहरू नगर भोपाल में विभिन्न बैंक उत्पादों जैसे बड़ौदा सेहत सुरक्षा, बड़ौदा क्रेडिट कार्ड, एसआईपी (SIP) आदि से संबन्धित जानकारी पुलिस कर्मचारियों को प्रदान की गई. इस कार्यक्रम में श्री राम नेमा, मुख्य प्रबंधक, कोटरा शाखा तथा सुश्री सोनम कटियार, विपणन अधिकारी, भोपाल उत्तर क्षेत्र ने जानकारी प्रदान की.

बेंगलूरु ग्रामीण क्षेत्र द्वारा कृषि मेले में बैंक के उत्पादों की प्रर्दशनी

05.02.2020 से 09.02.2020 तक आयोजित आईसीएआर कृषि मेला में बेंगलूरु ग्रामीण क्षेत्र ने बैंक का स्टॉल लगाया. इस मेले में विभिन्न कृषि निविष्टियों, मशीनरी, कृषि उपकरणों और कृषि के नवीनतम विकासों का प्रदर्शन किया गया. इस मेले का उद्घाटन कर्नाटक के मुख्यमंत्री श्री बी एस येदुरप्पा और कर्नाटक सरकार के अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने किया. हमारा बैंक इस आयोजन के लिए प्लैटिनम प्रायोजकों में से एक रहा. स्टॉल का उद्घाटन महाप्रबंधक (मुख्य समन्वयन) श्री बीरेंद्र कुमार एवं अन्य वरिष्ठ कार्यपालकों ने किया.

बीकानेर क्षेत्र द्वारा रिटेल ऋण संवितरण शिविर का आयोजन

बीकानेर क्षेत्र द्वारा हनुमानगढ़ में 18 फरवरी 2020 को रिटेल ऋण संवितरण शिविर का आयोजन किया गया. इस अवसर कॉर्पोरेट कार्यालय के महाप्रबंधक पर श्री वी के सेठी, उप महाप्रबंधक एवं क्षेत्रीय प्रमुख सुश्री सविता डी केणी, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री योगेश यादव तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

Trivandrum Region conducts NRI Business meet

Trivandrum Region conducted NRI Business meet on 26th February 2020. Function was inaugurated by Shri Mahiraj Singh Hyanki, General Manager, NRI Business and Shri K Venkatesan, General Manager, Ernakulam Zone. Shri. D Prajith Kumar, Regional Head, Trivandrum Region, Shri A K Jha, DRM, Trivandrum Region were also present on this occasion.

Ernakulam Region organises Financial Literacy Week

Ernakulam Region organised a financial literacy camp in Palakkad and Thrissur District for the benefit of the MSME borrowers of these districts. The programme was attended by the executives of Ernakulam Region and Branch Managers of the Palakkad district & Thrissur Dist. More than 50 MSME borrowers attended the programme.

भरूच क्षेत्र द्वारा मेगा प्रोपर्टी एक्सपो का आयोजन

भरूच क्षेत्र द्वारा 15–17 फरवरी, 2020 को उप महाप्रबंधक, श्री आर के गोयल के नेतृत्व में मेगा प्रोपर्टी, कार, कृषि एवं एमएसएमई एक्सपो का आयोजन किया गया. इस एक्सपो में डीडीओ, भरूच श्री अरविंद विजयन, उप क्षेत्रीय प्रबंधकद्वय श्री तरूण कुमार रावल एवं श्री आर पी विजय उपस्थित रहे.

भीलवाड़ा क्षेत्र द्वारा ऋण वितरण शिविर का आयोजन

04 मार्च, 2020 को "बैंक के पीएसएल–2020 (प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र में ऋण)" अभियान के अंतर्गत आसीन्द, भीलवाड़ा में अंचल प्रमुख श्री महेंद्र एस महनोत की अध्यक्षता में जिला स्तरीय क्रेडिट कैंप का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में भीलवाड़ा क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री राजेश कुमार सिंह, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री एस के बिरानी व अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

वलसाड क्षेत्र द्वारा मेगा क्रेडिट कैम्प का आयोजन

17 जनवरी, 2020 को वलसाड क्षेत्र द्वारा सिलवासा में मेगा क्रेडिट कैम्प का आयोजन किया गया. इस अवसर पर उप महाप्रबंधक एसएमई (बीसीसी) श्री सुनील झा, क्षेत्रीय प्रमुख, (वलसाड) श्रीमती वृषाली कांबली, सहायक महाप्रबंधक एवं शाखा प्रमुख, एसएसआई वापी शाखा श्री शब्बीर महसानियाँ, वरिष्ठ कार्यपालकगण एवं अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

गोधरा क्षेत्र द्वारा मेगा लोन एक्सपो 2020 का आयोजन

03 जनवरी, 2020 को गोधरा क्षेत्र द्वारा दो दिवसीय मेगा लोन एक्सपो 2020 का आयोजन किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रबंधक श्री राजेश डी शर्मा, उप क्षेत्रीय प्रबंधक श्री नरेंद्र पांडेय और अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

जोधपुर क्षेत्र द्वारा क्रेडिट कैम्प का आयोजन

जोधपुर क्षेत्र द्वारा 03 मार्च, 2020 को क्रेडिट कैम्प का आयोजन किया गया. इस अवसर पर जयपुर अंचल के अंचल प्रमुख श्री महेंद्र सिंह महनोत, जोधपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री सुरेश बुंटोलिया, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री मनीष मेहरोत्रा तथा उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री रामेश्वर लाल चौहान उपस्थित रहे.

कोटा क्षेत्र द्वारा क्रेडिट कैंप का आयोजन

कोटा क्षेत्र द्वारा प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रों को ऋण वितरण करने के लिए बूंदी में क्रेडिट कैंप का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में उप अंचल प्रमुख श्री योगेश अग्रवाल, कोटा क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री आलोक सिंघल, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री एम ए मेहरा एवं श्री मोअज़्ज़म मसूद, बूंदी शाखा के सहायक महाप्रबंधक श्री विष्णु मोहन बोरदिय एवं कोटा क्षेत्र की शाखाओं के मुख्य प्रबंधक उपस्थित रहे.

A Term Insurance is Not Just Practical, It's practically a Lifeline!

Some time ago (in pre-coronavirus times), my IT Developer Karan Mitra, came to meet me looking very worried. Let me tell you a little about Karan. He's a smart 30-year old software professional, with four dependants – his parents, wife and a young son. His annual salary of 10 lakh is good enough to support his family. But Karan is still a worried man. Being the only breadwinner, he worries about what will happen to his family's future if he's not around.

Too Much Choice Can Be Confusing

There are over 24 life insurance companies trying to sell him a variety of products. So, which one is the right choice? Keeping in mind his family and monetary background, a Term Insurance would be Karan's best bet – because it would offer him the most cost-effective risk management cover, at low premiums.

Money Saving + Tax Saving + Protection = Term Insurance

Many of us, like Karan, don't really understand the benefits of a Term Insurance Policy. So, let's begin with the basics. Simply put, a Term Insurance Plan is a Life Insurance Plan, which promises to pay a benefit only if the insured dies, during the term of the policy. Given the nature of its plan, the premiums you pay are much lower than what you would for a traditional Insurance Plan, that offers both death and maturity benefit. In fact, among all Life Insurance Plans, Term Plans have the lowest premium. And as far as tax benefits go, Term Plans give tax benefits under Section 80C of the Income Tax Act on the premiums paid. Double *faayda* with less *kharcha!*

Hassles *Nahi,* Flexibility *Sahi*

For young professionals like Karan, a Term Insurance also gives the flexibility to pay premiums on a monthly, half yearly or annual basis. What's more, the product is easy to understand and therefore, easy to buy. All it takes is sharing the basic age and gender data and voila, we have a premium quote.

Adjust Ho Jayega

A Term Life Insurance is a great tool because unlike the traditional insurance plan, it can be adjusted according to the different stages of your life. Just scale up your insurance cover as your liabilities and responsibilities get bigger over time! You can also add riders to it like accidental death rider, disability rider, critical illness rider, income benefit rider, waiver of premium rider and more. Like we Indians love to say "Adjust *kijiye na.*"

Your Pay-Outs Are Your Choice

Do take the time to consider how your family will need the money, while planning your term insurance claim pay-outs. The good part is that you can modify the pay-outs to suit your family's needs – be it lumpsum or staggered.

Get Term Insurance, *Ghar Baithe*

Karan decided to go in for a 30-year Term Insurance, one that he can buy very easily, from the comfort of his home. In a lockdown world, *'ghar baithe'* is a superb advantage. Given that we're facing times that are both unprecedented and risky, a Term Life Insurance is a small price to secure the happiness and future of those who matter the most to us. After all, peace of mind *se badhkar kuchh nahin!*

IndiaFirst Life, one of the youngest and fastest growing life insurance companies in India, is promoted by Bank of Baroda. Together they are committed to provide customers best-in-class products and seamless services. This also includes the IndiaFirst Life e-Term plan, which offers compelling benefits to customers at extremely competitive rates. I urge you to call the IndiaFirst Life Business Development Manager mapped to your branch immediately, because the right time to buy a term plan is NOW; the cost of postponement can be crippling.

❖❖❖

Rushabh Gandhi
Deputy CEO,
IndiaFirst Life Insurance Company Ltd.

भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की भूमिका

बैंक ऑफ़ बड़ौदा में राजभाषा कार्यान्वयन की एक समृद्ध परंपरा रही है. बैंक अपने नवोन्मेषी कार्यों की शृंखला में वर्ष 2013 से अखिल भारतीय सेमिनारों का लगातार आयोजन करता आ रहा है जिसका अनुसरण अन्य बैंकों ने किया है. 'आस्ति प्रबंधन', 'खुदरा ऋण', 'ग्रामीण विपणन के विविध आयाम', 'विमुद्रीकरण और डिजिटल भारत', 'बैंकिंग में डिजिटल परिवर्तन–दशा और दिशा', 'कृषि क्षेत्र में ऋण प्रवाह की संभावनाएं' जैसे विषयों पर वार्षिक आयोजनों की कड़ी में कुछ नया करने के उद्देश्य से बैंक द्वारा इस वर्ष भी दिनांक 07 फरवरी, 2020 को जयपुर में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और वित्तीय संस्थानों के लिए सेमिनार का आयोजन किया गया. यह सेमिनार 'भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की भूमिका' विषय पर आयोजित हुआ जिसे विभिन्न बैंकों से बहुत अच्छा प्रतिसाद मिला तथा इस नई पहल की सराहना पूरे बैंकिंग जगत में हुई. हमारे पाठकों के लिए प्रस्तुत है इस सेमिनार की संक्षिप्त रिपोर्ट – संपादक

बैंक के प्रधान कार्यालय (राजभाषा विभाग) के संयोजन एवं जयपुर अंचल के सहयोग से जयपुर में 07 फरवरी, 2020 को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और वित्तीय संस्थानों के लिए 'भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की भूमिका' विषय पर अखिल भारतीय सेमिनार का आयोजन किया गया जिसका शुभारंभ कार्यपालक निदेशक श्री शांति लाल जैन ने किया. इस अवसर पर राजस्थान विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. एस एस सोमरा के साथ बैंक ऑफ़ बड़ौदा, जयपुर अंचल के महाप्रबंधक एवं राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के संयोजक श्री एम एस महनोत भी विशेष रूप से उपस्थित रहे. सेमिनार का संचालन तीन सत्रों में किया गया जिसमें भारतीय रिजर्व बैंक सहित देश के 12 प्रमुख बैंकों के 80 से अधिक सदस्यों की भागीदारी रही. सेमिनार में भारतीय रिजर्व बैंक सहित सार्वजनिक क्षेत्र के विभिन्न बैंकों के कार्यपालकों एवं अधिकारियों द्वारा कृषि, एमएसएमई, खुदरा ऋण, निर्यात एवं संस्थागत लार्ज कार्पोरेट क्षेत्र, वित्तीय समावेशन जैसे उप विषयों पर विस्तृत प्रस्तुतियां दी गयी. प्रत्येक सत्र के समापन पर चर्चा सत्र का आयोजन किया गया.

उद्घाटन सत्र में सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा एवं संसदीय समिति) श्री पुनीत कुमार मिश्र ने अतिथियों का स्वागत करते हुए सेमिनार की प्रस्तावना पर प्रकाश डाला. कार्यक्रम के संयोजक, प्रमुख (राजभाषा एवं संसदीय समिति) श्री रोशन शर्मा ने बैंक द्वारा पिछले छह वर्षों में आयोजित सेमिनारों की रूपरेखा और पृष्ठभूमि से अवगत कराया. साथ ही, पिछले वर्ष के सेमिनार के लिए प्राप्त

और चयनित आलेखों के संकलन की पुस्तक 'कृषि क्षेत्र में ऋण प्रवाह की संभावनाएं' का भी विमोचन किया गया. इस अवसर पर महाप्रबंधक (जयपुर अंचल) श्री एम एस महनोत ने भी उपस्थित प्रतिभागियों का स्वागत किया और संबोधित करते हुए बताया कि बैंकर्स ने हमेशा हर चुनौती का सामना करते हुए राष्ट्र की उन्नति में अहम भूमिका निभाई है और सरकार के दूरगामी निर्णयों की पूर्ति में भी देश के सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक अग्रणी रहे हैं.

कार्यपालक निदेशक श्री शांति लाल जैन ने अपने उद्बोधन में बताया कि भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना सरकार की महत्वकांक्षी सोच है एवं इस लक्ष्य की प्राप्ति में बैंकों की भूमिका सबसे अधिक महत्वपूर्ण है. देश की उन्नति में सक्रिय भागीदारी निभाने हेतु बैंकों को कृषि, उद्योग, निर्माण, सेवा, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे प्रमुख क्षेत्रों के साथ मिल कर काम करना होगा. बैंक की शाखाएं महानगरों से लेकर सुदूर ग्रामीण इलाकों तक फैली हैं. इस प्रकार देश के सुदूर ग्रामीण इलाकों को विकास कार्य से लाभान्वित करने में बैंक निर्णायक भूमिका निभाते हैं. उन्होंने यह बताया कि अर्थव्यवस्था के विकास के लिए समावेशी विकास जरूरी है जो बैंकों के सक्रिय योगदान के बिना संभव नहीं है.

सेमिनार के विशिष्ट अतिथि डॉ. एस एस सोमरा ने 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सरकार के साथ–साथ जनभागीदारी की आवश्यकता को रेखांकित किया और कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को सकारात्मक लक्ष्य की ओर बढ़ाने के लिए थिंक टैंक को स्थायित्व मिलना जरुरी है और सबका लक्ष्य राष्ट्र की उन्नति का होना चाहिए. उन्होंने यह विचार व्यक्त किया कि अर्थव्यवस्था की मौजूदा विकास दर हम सभी के लिए अपने लक्ष्य तक पहुंचने में चुनौती हो सकती है लेकिन सभी क्षेत्रों के समन्वित प्रयास से इस आंकड़े को प्राप्त किया जा सकता है.

सेमिनार के प्रथम चर्चा सत्र में बैंक ऑफ़ बड़ौदा के श्री विनीत जैन, मुख्य प्रबंधक, एपेक्स अकादमी, गांधीनगर, श्रीमती रचना मिश्रा, सहायक महाप्रबंधक, बड़ौदा अकादमी, नई दिल्ली, श्री सतीश गुप्ता, मुख्य प्रबंधक,

बीसीसी, मुंबई, श्री श्रीनिवास कृष्णन, प्रबंधक, पोरबंदर शाखा तथा श्री हेमंत कुमार सोनी, महाप्रबंधक, भारतीय रिज़र्व बैंक, जम्मू ने अपनी प्रस्तुति दी. सत्र की अध्यक्षता राजस्थान विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. एस एस सोमरा ने की तथा संचालन सुश्री पारुल मशर, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) ने किया.

द्वितीय चर्चा सत्र की अध्यक्षता सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया के उप महाप्रबंधक श्री कुशल पाल ने किया. इस सत्र में डॉ. नवीन कुमार, सहायक महाप्रबंधक, बैंक ऑफ़ बड़ौदा, श्रीमती आभा शर्मा, वरिष्ठ प्रबंधक, केनरा बैंक तथा श्री संजय कुमार, प्रबंधक, भारतीय रिजर्व बैंक ने प्रस्तुति दी. इस सत्र का संचालन श्री पुनीत कुमार मिश्र, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा एवं संसदीय समिति) ने किया.

सेमिनार के अंतिम और तृतीय चर्चा सत्र की अध्यक्षता जयपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री प्रदीप कुमार बाफना ने की और संचालन वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) श्रीमती प्रीति राउत ने किया. तीसरे सत्र की प्रस्तुतिकर्ताओं में डॉ. प्रशांत रामटेके, प्रबंधक, भारतीय रिज़र्व बैंक, सुश्री विधि जटनिया, अधिकारी, केनरा बैंक, श्री ऋषि प्रकाश, प्रबंधक, यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया और श्री राजीव कुमार, वरिष्ठ प्रबंधक, बैंक ऑफ़ इंडिया शामिल थे. इस अवसर पर श्री सतीश चन्द्र जिंदल, शिक्षण प्रमुख, बड़ौदा अकादमी, जयपुर ने सेमिनार के विभिन्न सत्रों के सार की प्रस्तुति दी. समापन सत्र में सेमिनार के प्रस्तुतिकर्ताओं के साथ चर्चा सत्र के प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र तथा डिजिटल स्मृति चिह्न प्रदान किए गए. अंत में श्री योगेश अग्रवाल, उप अंचल प्रमुख (जयपुर अंचल) के आभार ज्ञापन के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ.

❖❖❖

प्रस्तुति :
बिक्रम सिंह
प्रबंधक (राजभाषा)
प्रधान कार्यालय, बड़ौदा

राजभाषा अधिकारियों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं अर्धवार्षिक समीक्षा बैठक

दिनांक 6 से 7 जनवरी, 2020 को एसपीबीटीसी, मुंबई में राजभाषा अधिकारियों के लिए सामान्य बैंकिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा 08 जनवरी, 2020 को अंचल के राजभाषा अधिकारियों की अर्धवार्षिक राजभाषा समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया. समीक्षा बैठक में कार्यपालक निदेशक श्री शांति लाल जैन ने प्रतिभागियों को संबोधित किया तथा राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में नित–नए और नवोन्मेषी कार्य हेतु प्रेरित किया. इस अवसर पर प्रमुख (राजभाषा एवं संसदीय समिति) श्री रोशन शर्मा, शिक्षण प्रमुख श्री वी सी जैन, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) द्वय सुश्री पारुल मशर और श्री पुनीत कुमार मिश्र भी उपस्थित रहे.

Don't Work For Just Promotions, Give Your Best With Passion

Shri O.K. Kaul,
General Manager (CC),
Head-Marketing, Corp Comm.
& WMS (Retired)

Shri O. K. Kaul, GM (CC) retired from the services of the Bank on his superannuation on 31.03.2020. He worked in many offices/branches and at the time of his retirement he was heading the Mktg., Corp. Communication and WMS vertical of the Bank. Team Bobmaitri talked to him about the experiences of his personal and professional life. Excerpts are presented for fellow readers – Editor.

1. Sir Please tell us about your family and educational background.

I am from an ordinary family from Srinagar, Kashmir with two brothers. My father and mother both were very humble and God fearing and had always attitude to help somebody both materially and emotionally, which is what I have adopted from my childhood days to carry their legacy forward.

I have now two sons, both married and well settled.

2. What made you to choose banking as your career?

My father was in state government service, which I could not find much challenging and with a defined career path. Hence I had made early plans to have a job with challenges, facilitating larger geographical movements and a better career progression. That was the background of starting a job in a private company (Ranbaxy) immediately after my graduation in agriculture before finding better opportunities, as such joined Bank in 1983. This professional experience of two years in a private company acted as a catalyst during rest of my career.

3. You have worked at various offices/ branches including our UK (London) Group Control Office. Which has been the best branch/ office where you have worked at and what was the most interesting and challenging experience of your banking career?

I moved to various geographies handling branch operation and varied other assignments including tenure in Regional / Zonal Offices, Inspections, as group leaders for CBS rollout of the Bank in 2005, an exciting tenure in UK, Digital banking and of late very exciting assignments as Head - Flagship Business Transformation programme of the Bank - Project Navoday and Head - Marketing, Corp. Communications, Social Media & Wealth Management.

Best part of my career was the very first posting at Jhabua (One of the most backward areas of country), where I had offered my resignation on the first day of joining, because of the extreme primitiveness of the area and being far distant/ contrast in all perspectives from my home town - Kashmir. A small persuasion by the then Branch Head made me to continue for few days. Realizing the backwardness of tribal and exploitations by the then ecosystem, it triggered me to continue at Jhabua and today I feel proud of shaping things there within my means, which enabled me to make little changes in the lives of the tribal there.

4. Apart from many other operational responsibilities you have handled, the portfolio of Digital Banking (earlier E-business/ Transaction Banking), Project Navoday, IT Functions and Marketing, Corp. Communications & WMS functions for business growth of the Bank. Any specific incident/ accomplishment would you like to share with us?

During this journey I had opportunities to travel across the country and the globe on account of my various assignments like inspections, investigations, business compulsions, overseas posting etc. I can proudly say that I have made innumerable friends/ well- wishers, which is the best takeaway from the Bank on my retirement. Icing on the cake was amalgamation, which enabled me an additional bonus of a lot of new friends.

I was lucky to have some extreme incidents, both good and bad, during my career in the Bank. Good ones added to my experience and bad ones made me a human being. I had a fatal accident during my initial days of joining at Jhabua with very little chance of survival, severe depression during my middle of career and cancer about 8 years back, with repeat one since last one and half years. I don't label these as bad ones because they made me to change my perspective of life, to live as if tomorrow never comes, and enabled an attitude of "give my best today" - which I continued to do so.

5. How did you manage your professional and personal/ family life with the busy and extended banking occupation?

I have a wonderful family which has stood by me throughout my time with the Bank, understanding the requirements and trying to adjust at all times. Nevertheless, I am a family oriented person and love to spend all my available spare time in the company of my family. This has helped me to maintain a fairly well work/ life balance.

In this journey full of roses and thorns, I have been lucky to have company of excellent human beings, both superiors, peers and younger ones - who blessed me/ supported me/ wished me and made my journey an excited one. Apart from all my gurus and well-wishers, I have always believed in team work in the true spirit and enjoyed excellent teams, wherever I have been. I was lucky enough to work closely with three great industry icons for a fairly longer time, Dr. A K Khandelwal, Shri S S Mundra and Shri P S Jayakumar from whom I have derived a lot of inspiration and learning, both as a leader and as a human being.

6. How do you see the present scenario of banking sector?

In the current scenario of Covid era, all of us have seen a difficult and stressful time and by the time I am writing these thoughts, we are getting used to it and refining the ways we deal as "NEW NORMAL". Entire economy has been affected and banking is no exception. However, it is my strong belief that entire world especially our motherland India and Indian economy will fight back and achieve its glory again. Bank of Baroda has always stood like a rock in the face of adversities, be it economic crisis or natural calamities. Barodian spirit is an exception in the Banking Industry as such I am sure as history of our Bank reveals, we together will make a difference in the Industry with better than average qualitative growth and surge ahead of competitors as always.

7. What do you think about the future of our bank and what are your message to the Barodians especially to Gen Next employees?

Somehow I feel that this institution has always got the right top team, at the right time it needed. With that background I am sure that under the current leadership of Mr. Sanjiv Chadha along with Executive Directors and entire leadership, the Bank will grow leaps and bounds.

My massege to the Barodians especially to Gen Next employees is - Don't work for just promotions, give your best with passion - God had given you opportunity to serve customers with sincerity. Help them in needs. Do your karma and God will take your care. Try to be out in the crowd, do something which gives you recognition - your career is automatically ensured.

8. What are your hobbies?

Reading, music, gardening to name a few. I have a big collection of books, yet to go through and the other agenda is to join "Tabla" classes. Wherever I have been, a small kitchen garden always moves with us, maintained inhouse.

9. What are your post retirement plans?

Nothing specific as yet. With my experience and knowing DNA of colleagues/ systems of the Bank and the industry exposure, I am satisfied with my current role of advisor to the Bank on amalgamation matters. Post that I shall be looking for some avenues through NGO or other medium to help down trodden/ give back as much as I can to society.

❖❖❖

Overseas News

Our UAE territory organizes mega NRI Home & Property Expo

Bank of Baroda, UAE had organized mega NRI HOME & PROPERTY EXPO in association with Khaleej Times. The Expo was inaugurated by H.E Consul General Shri Vipil in presence of Shri D Ananda Kumar, Chief Executive, GCC Operations. A Musical event was also organized by the Bank in association with CG, India and received an appreciation memento from H.E Consul General.

Bank's Seychelles Office donates different items to Praslin Island, Seychelles

Bank of Baroda (Seychelles) Office donated radio and food stuff under CSR activity to elderly people at Praslin Island, Seychelles. High Commissioner, General Dalbir Singh Suhag (Ex Army Chief of India) and Chief Executive Officer (Seychelles) Shri Ashok Kumar were present on the occasion.

खुदरा ऋण में अनुपालन

बैंकिंग व्यवसाय में खुदरा ऋण की उपस्थिति आवश्यक है क्योंकि अब खुदरा ऋण बैंकिंग का एक अभिन्न अंग बन चुका है. इसे बैंकिंग व्यवसाय में समस्याओं का सामना भी करना पड़ता है. परंतु बैंकिंग व्यवसाय में इसकी अभिवृद्धि के भी विभिन्न अवसर उपलब्ध हैं, जो खुदरा ऋण को प्रशस्त मार्ग उपलब्ध कराते हैं. यह कथन स्वयं सिद्ध है कि जहां चुनौतियां व समस्याएं होंगी वहां उन्नति के अनेक अवसर भी उपलब्ध होंगे. हमें आवश्यकता इस बात की है कि उनकी पहचान कर उन्हें उपयोग में लाया जाए. बड़े ऋणों में चूककर्ताओं की संख्या अत्यधिक बढ़ने के कारण बैंकों के लाभ वर्तमान समय में पूरी तरह से प्रभावित हो रहे हैं. लगभग सभी बैंकों ने आगामी कुछ वर्षों के लिए अपना समग्र ध्यान खुदरा ऋण व्यवसाय पर केंद्रित किया है. इससे बैंको में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, जो खुदरा ऋण में नीति नियमों को ताक पर रख सकती है, जिससे निकट भविष्य में खुदरा ऋण में भी अनर्जक आस्तियों में वृद्धि होगी. ऐसी स्थिति में ऋण देने में सतर्कता आवश्यक है.

खुदरा ऋण व्यवसाय के निवारक सतर्कता के प्रमुख बिंदु इस प्रकार हैं :

अपने ग्राहक को जानिए : कभी–कभी यह पाया गया है कि ऋण देने के बाद न तो ऋणकर्ता का पता होता है और न ही दिए गए ऋण से आस्तियों के सृजन का पता लगता है. अतः ऋण देने से पहले उसके खाते को खोलते समय उसकी सही पहचान जरूरी है.

गारंटर की सही पहचान : गारंटर की पहचान का उचित सत्यापन करना जरूरी है एवं उसको मूल दस्तावेजों से सत्यापित कर बैंक के दस्तावेजों के साथ अभिलेख में रखना चाहिए. गारंटर के पूर्व सत्यापन करने के बाद ही गारंटी बॉन्ड का निष्पादन किया जाना चाहिए.

मूल्यांकन करना : बैंक के परिपत्रों के अनुसार मूल्यांकन करने के लिए आवश्यक है कि भावी ऋणी की वास्तविक ऋण अदायगी की क्षमता का सही आकलन किया जाना चाहिए. इसमें किसी भी प्रकार की काल्पनिक भावी आय शामिल नहीं की जानी चाहिए.

ऋण से पूर्व सिबिल निकालना : बैंक के निर्देशानुसार ऋण से पूर्व ग्राहक की सिबिल देखना आवश्यक है, जो निम्नलिखित घटकों को प्रतिबिंबित करता है:

(क) विलंब से किए गए भुगतान एवं भुगतान में चूक की जानकारी.

(ख) किसी व्यक्ति द्वारा कभी लिए गए ऋण अथवा क्रेडिट कार्ड की जानकारी.

(ग) बैंक ऋण एवं क्रेडिट कार्ड बिल के प्रति ऋणी की सचेतना.

(घ) विभिन्न बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों को ऋण एवं क्रेडिट कार्ड के लिए प्रस्तुत किए गए आवेदनों की संख्या अथवा उनसे हासिल किए गए ऋण एवं क्रेडिट कार्ड.

इस जानकारी से हम ऋणकर्ताओं के वित्तीय स्थिति के बारे में जान पाते हैं व इसको आधार बनाकर सही निर्णय ले सकते हैं.

पैन सत्यापन एवं आइटीआर की स्थिति का सत्यापन :

पैन सत्यापन एवं आइटीआर की स्थिति का सत्यापन https://incometaxindiaefiling.gov.in/e–Filing/Services?ITRVStatusLink.html वेबसाइट पर लॉग–इन करके किया जा सकता है. इस वेबसाइट के सर्विस कॉलम पर क्लिक करने के पश्चात Know Your PAN वेबसाइट पर जाकर यह किया जा सकता है. इसी प्रकार उसी वेबसाइट पर सर्विस कॉलम में जाकर क्लिक कर ITR V की स्थिति जान सकते हैं.

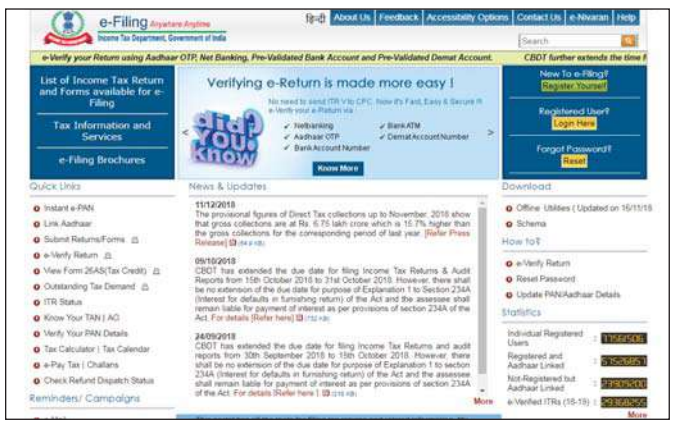

MCA 21 का सत्यापन: www.mca.gov.in वेबसाइट पर रु. 50 शुल्क का ऑन–लाइन भुगतान कर किसी कंपनी का बैलेंस शिट, प्रभारों का पंजीकरण, दस्तावेजों की प्रमाणित प्रतियां, निदेशकों के नाम तथा कंपनी से संबंधित अन्य विवरण भी प्राप्त किए जा सकते हैं.

जीएसटी टीआईएन (GST TIN) का सत्यापन : आपूर्तिकर्ता के बारे में जानने का एक अत्यंत महत्वपूर्ण जरिया टिन अर्थात टैक्स इंडेक्स नंबर का सत्यापन करना है. टैक्स इंडेक्स नंबर का सत्यापन राज्य की व्यापारिक टैक्स साइट पर अथवा अखिल भारतीय वेबसाइट http://www.tinxsys.com/TinxsysInternetWeb/dealerSearchCriteriaInter.jsp के माध्यम से किया जा सकता है. देश के विभिन्न राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में फैले सभी अंतर्राज्यीय डीलरों के लिए यह एक केंद्रीकृत विनिमय है. प्रारंभ में इसे विभिन्न राज्यों के व्यापारिक कर विभागों की सहायता हेतु बनाया गया था ताकि अंतर्राज्यीय व्यापार पर प्रभावी निगरानी रखी जा सके. तथापि, बैंकर के लिए यह इस मायने में मददगार है कि इससे डीलर के नाम, उनके द्वारा किए जा रहे व्यापार, फर्म के पैन नंबर, पते इत्यादि की प्रामाणिकता विदित होती है. उपर्युक्त वेबसाइट में लॉग-इन कर विभिन्न राज्य की साइटों के लिंक पर जाने के बाद डीलर सर्च स्क्रीन पर टैक्स इंडेक्स नंबर प्रविष्ट कर यह सत्यापन किया जा सकता है.

चल व अचल संपत्तियों की जांच के लिए CERSAI पोर्टल : चल संपत्तियों का दृष्टिबंधक व अचल संपत्तियों को बंधक करने के बाद बैंकों द्वारा उसे CERSAI पोर्टल पर प्रविष्ट किया जाना अनिवार्य है. इससे यह लाभ होता है कि भविष्य में जाली दस्तावेजों द्वारा व्यक्ति बैंक से ऋण नहीं ले सकता, क्योंकि बैंक उस संपत्ति की जांच CERSAI पोर्टल पर करता है. साथ ही, यदि उस संपत्ति पर पहले से ऋण लिया गया है तो वह वहां दिखाई देता है जिससे बहुविध हक विलेखों (multiple title deeds) के उपयोग से बचा जा सकता है.

संपत्ति का मूल्यांकन : यह पाया गया है कि ऋण देते समय संपत्ति का मूल्यांकन अत्यधिक मूल्य में किया जाता है और संपत्ति के विक्रय के समय यह राशि काफी कम मिलती है. अतः मूल्यांकक द्वारा की गई संपत्ति के मूल्यांकन को अपने स्तर पर भी स्वतंत्र रूप से निरीक्षण कर सत्यापन किया जाना चाहिए.

स्वीकृति पूर्व अवस्था : उधारकर्ता, ऋण आवेदन फार्म के साथ वित्तीय दस्तावेजों के अलावा विभिन्न केवाईसी दस्तावेज प्रस्तुत करता है. इन दस्तावेजों की प्रामाणिकता निम्न प्रकार से सत्यापित की जा सकती है:

(क) यद्यपि आईटीआर सत्यापित नहीं की जा सकती लेकिन वेबसाइट https://incometaxindiaefiling.gov.in/services/ITRVstatusLink.html पर ऑनलाइन रिटर्न फाइलिंग का सत्यापन किया जा सकता है.

(ख) यदि किसी ऑनलाइन फाइल की हुई आइटीआर में टैक्स वापसी है, तो उसका सत्यापन https:// tin.nsdl.com/oltas/refundstatuslogin.html वेबसाइट से किया जा सकता है.

(ग) प्राइवेट लिमिटेड कंपनियों के लिए बैलेंस शीट MCA 21 साइट से सत्यापित किए जा सकते हैं.

(घ) सीए प्रमाणित दस्तावेजों के मामले में, सदस्यता संख्या का सत्यापन http://220.225.242.179/lom.asp वेबसाइट के माध्यम से किया जा सकता है, जो कि निम्नलिखित साईट में 6 अंक का सीए मेम्बरशिप नंबर प्रविष्ट किया जा सकता है.

(ड़) मतदाता पहचान पत्र का सत्यापन करने के लिए वेबसाइट http://electroralsearch.in/ या www.voteridcard.net.in का उपयोग किया जा सकता है.

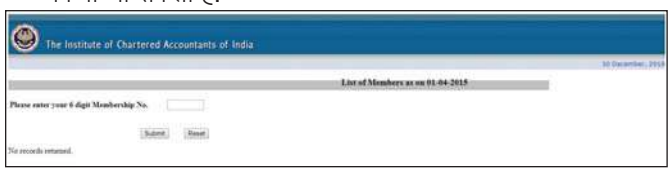

(च) आयातक-निर्यातक विवरण का सत्यापन वेबसाइट http://dgft.delhi.nic.in.8100/dgft/IecPrint से किया जा सकता है.

(छ) नए जारी पैन कार्ड में तारीख मुद्रित/ उभरी हुई होती है. आइटीआर की जांच सावधानीपूर्वक की जाए क्योंकि कई बार यह देखा जाता है कि नए जारी पैन कार्ड संबंधी आइटीआर उससे जारी होने से काफी पहले की तारीख में फाइल की हुई होती है जो वास्तविक फाइलिंग के बारे में शंका उत्पन्न करती है.

ऋण उपयोग का सत्यापन (ऋण स्वीकृति के उपरांत की अवस्था) : निवारक सतर्कता में सामान के आपूर्तिकर्ता (सप्लायर) को सीधे भुगतान किया जाना एवं किए गए भुगतान की रसीद देना शामिल है. यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि व्यवसाय से संबंधित सभी लेन देन, खाते में से ही चेक/ आरटीजीएस/ एनईएफटी द्वारा किए जाएं और जहां तक संभव हो नकदी भुगतान न किया जाए. हर हाल में, ऋण स्वीकृति के उपरांत आस्तियों का निरीक्षण अवश्य किया जाना चाहिए और यह सुनिश्चित होना चाहिए कि बैंक ऋण का उपयोग उसी कार्य के लिए किया गया है, जिसके लिए ऋण प्रदान किया गया है. ऋण-पूर्व एवं ऋण उपरांत किए गए निरीक्षणों की रिपोर्टें अभिलेख में रखी जानी चाहिए.

आज खुदरा ऋण के बल पर बैंकिंग टिकी है, जो कि अपेक्षाकृत अधिक आय का स्रोत भी है, अन्य उत्पादों की अपेक्षा एनपीए भी कम है. साथ ही यह बैंकों के विकास का एक स्थाई स्रोत भी है. अतः खुदरा ऋणों को बढ़ावा देने के साथ-साथ निवारक सतर्कता पर भी उचित ध्यान देंगे तो भविष्य की बैंकिंग खुदरा बैंकिंग ही होगी.

❖❖❖

संदीप शर्मा,
वरिष्ठ प्रबंधक व संकाय,
बड़ौदा अकादमी, लखनऊ

Bank sings MoU with CARE Ratings for SME ratings

On 30th January, 2020 our Bank signed an MoU with CARE Ratings for credit quality on existing and prospective customers in the small and medium enterprises (SME) segment. CARE Ratings will assess the SMEs by processing and analyzing structured, unstructured and new data streams. Our Executive Director Shri Vikramaditya Singh Khichi exchanged the MoU with Shri Mehul Pandya, Executive Director, CARE Ratings Limited in presence of other senior officials.

बनासकांठा क्षेत्र को एनपीए वसूली में उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन हेतु सम्मान

13 जनवरी, 2020 को बनासकांठा क्षेत्र को दिसंबर 2019 को समाप्त तिमाही के दौरान एनपीए वसूली में उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन हेतु सम्मानित किया गया. इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री शांति लाल जैन ने बनासकांठा क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबन्धक श्री महेंद्र सिंह रोहड़िया को प्रशस्ति–पत्र प्रदान कर सम्मानित किया.

Udupi Region sponsors Manipal Marathon 2020

Udupi Region has taken initiative for being the associate sponsor for Manipal Marathon 2020 held on 9th February, 2020. Regional Manager Sri Ravindra Rai and Banks Staff along with their family members and kids also participated in different category.

वाराणसी क्षेत्र के शाखा प्रबंधकों की समीक्षा बैठक एवं सम्मान समारोह का आयोजन

16 जनवरी, 2020 को वाराणसी क्षेत्र में क्षेत्र के समस्त शाखा प्रमुखों की व्यवसायिक समीक्षा बैठक एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर उप महाप्रबंधक श्री प्रतीक अग्निहोत्री, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री रंजीत कुमार झा एवं श्री स्वपन कुमार डे एवं क्षेत्र के सभी शाखाओं के शाखा प्रबंधक उपस्थित रहे.

Our Bank selected under best 50 PCI companies for the year 2019

Our Bank has been chosen as one of the Best 50 PCI Companies for the year 2019, for the third consecutive year. The People Capital Index (PCI) Award by Jombay and the BSI, which indicates employee and market perception on how well the organization is developing their people capital, through an anonymous PCI survey. Ms. Swapna Bandopadhaya, DGM (Strategic HR & OD) received the award on behalf of our Bank in the "Leading from behind Summit" organized by Jombay at Pune.

लखनऊ अंचल द्वारा मुख्यमंत्री राहत कोष में सहायता राशि का दान

लखनऊ अंचल द्वारा 30 मार्च, 2020 को कोरोना महामारी से बचाव के लिए लखनऊ अंचल के सभी स्टाफ सदस्यों ने एक दिन का वेतन 21 लाख रुपये का चेक मुख्यमंत्री राहत कोष में दान किया. इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ को अंचल प्रमुख डॉ. रामजस यादव एवं क्षेत्रीय प्रमुख, लखनऊ क्षेत्र श्री ए के सिंह द्वारा सहायता राशि का चेक भेंट किया गया.

चेन्नै अंचल द्वारा प्रोपर्टी फेयर का आयोजन

चेन्नै अंचल द्वारा 7–8 मार्च, 2020 को बैंक ऑफ़ बड़ौदा प्रोपर्टी फेयर का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का उदघाटन महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख श्री आर मोहन ने किया. इस अवसर पर महाप्रबंधक (सेवानिवृत्त) श्री आर रामकृष्णन, क्षेत्रीय प्रमुख सीएमआर–1 श्री के. वी. चलपति नायडू, क्षेत्रीय प्रमुख सीएमआर–2 श्री रामानुज शर्मा, अन्य स्टाफ सदस्य एवं प्रतिष्ठित ग्राहकगण उपस्थित रहे.

जूनागढ़ क्षेत्र द्वारा कृषि विषयक साक्षरता अभियान का आयोजन

जूनागढ़ क्षेत्र की मानावदर शाखा द्वारा 06 फरवरी, 2020 को कृषि विषयक साक्षरता अभियान का आयोजन किया गया. इस अभियान में जूनागढ़ क्षेत्रीय प्रमुख श्री जे बी रोहड़ा, मानावदर शाखा व जूनागढ़ क्षेत्रीय कार्यालय के स्टाफ सदस्य के साथ ग्राहक उपस्थित रहे. इस अभियान के तहत किसानों को बैंक की विभिन्न कृषि योजनाओं के बारे में अवगत कराया गया.

जामनगर क्षेत्र द्वारा टेक फ़ेस्ट 2020 में प्रतिभागिता

3–6 जनवरी, 2020 को जीआईडीसी एसोसिएशन, जामनगर द्वारा आयोजित टेक फेस्ट में जामनगर क्षेत्र द्वारा बैंक के उत्पादों के प्रचार हेतु स्टॉल लगाई गई. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री एस के राठोड, उप क्षेत्रीय प्रबंधक श्री विकास चावला सहित अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

नासिक क्षेत्र द्वारा महिला सशक्तिकरण के लिए निर्भया मैराथन का सह प्रायोजन

नासिक पुलिस द्वारा 08 मार्च, 2020 को महिला सशक्तिकरण के लिए निर्भया मैराथन का आयोजन किया गया. नासिक क्षेत्र ने इस मैराथन को सह प्रायोजित किया. इस अवसर पर उप महाप्रबंधक एवं क्षेत्रीय प्रमुख श्री राकेश कुमार, पुलिस आयुक्त श्री विश्वास नागरे पाटील तथा उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री अनिल बड़जात्या उपस्थित रहे.

पुणे जिला क्षेत्र की मान शाखा द्वारा संगीत संध्या का आयोजन

26 जनवरी, 2020 को पुणे जिला की मान शाखा द्वारा संगीत संध्या का आयोजन किया गया. इस अवसर पर उपस्थित ग्राहकों को शाखा के कारोबार, लॉकर तथा अन्य उत्पादों की जानकारी दी गई. इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय प्रमुख श्री निखिल मोहन, वरिष्ठ कार्यपालकगण, स्टाफ सदस्य तथा ग्राहक उपस्थित रहे.

कोल्हापुर क्षेत्र द्वारा विभिन्न सामग्री का वितरण

26 जनवरी, 2020 को कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व के अंतर्गत कोल्हापुर क्षेत्र द्वारा जिला परिवीक्षा व अनुरक्षण संस्थान, कोल्हापुर को अलमारी, पंखे तथा अन्य सामग्री का वितरण किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री विवेक कुमार चौधरी तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

अलीगढ़ क्षेत्र द्वारा शाखा प्रमुखों की समीक्षा बैठक

अलीगढ़ क्षेत्र द्वारा 14 जनवरी, 2020 को शाखा प्रमुखों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री शमशाद अहमद तथा शाखाओं के शाखा प्रमुख उपस्थित रहे.

हल्द्वानी क्षेत्र द्वारा समीक्षा बैठक का आयोजन

27 जनवरी, 2020 को हल्द्वानी क्षेत्र में स्टाफ सदस्यों के लिए समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया. इस अवसर पर महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख श्री अमरनाथ गुप्ता, उप अंचल प्रमुख श्री हरदीप सिंह तथा उप महाप्रबंधक एवं क्षेत्रीय प्रमुख श्री सर्वेश भसीन तथा विभिन्न शाखाओं के शाखा प्रमुख सहित स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

जामनगर क्षेत्र द्वारा एमएसएमई पर विशेष ग्राहक बैठक का आयोजन

दिनांक 10 जनवरी, 2020 को जामनगर क्षेत्र द्वारा जामनगर फैक्ट्री एसोसिएशन कार्यालय में जामनगर के ग्राहकों के साथ एमएसएमई ब्रास यूनिट विशिष्ट योजना पर बैठक की गई. इस अवसर पर कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई, एमएसएमई से उप महाप्रबंधक श्री सुनील झा, क्षेत्रीय प्रमुख श्री एस के राठौड़, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री विकास चावला, शहरी क्षेत्र के शाखा प्रमुख तथा बड़ी संख्या में ग्राहक उपस्थित रहे.

Urban Women's SHG meet organized by Manglore Region

Women's SHG Credit Camp for Women SHG was organised at Kalladka on 04th March, 2020. DRM Shri Chidananda Hegde and Branch Heads of nearby branches were present at the Camp.

तेलंगाना क्षेत्र द्वारा शाखा प्रबंधकों की बैठक का आयोजन

07 फरवरी, 2020 को हैदराबाद में तेलंगाना क्षेत्र द्वारा शाखा प्रबंधकों की बैठक के दौरान शाखाओं के व्यवसाय की समीक्षा की गई. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री के विजय राजू तथा विभिन्न शाखाओं के स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

मुंबई मेट्रो मध्य क्षेत्र के संयोजन में कलीना शाखा द्वारा विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

21 जनवरी, 2020 को मुंबई मेट्रो मध्य क्षेत्र के संयोजन में कलीना शाखा द्वारा मेरी इमाक्यूलेट हाइस्कूल में आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया. इस अवसर पर शाखा प्रबंधक श्री चंद्रहास शेट्टी के साथ अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे. विज्ञान प्रदर्शनी के दौरान शिक्षा ऋण तथा बैंक द्वारा प्रदत्त सभी ऋण उत्पादों के संबंध में उपस्थितों को सूचित किया गया.

सुल्तानपुर क्षेत्र द्वारा व्यवसाय प्रतिनिधियों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन

सुल्तानपुर क्षेत्र द्वारा 05 मार्च, 2020 को क्षेत्रीय कार्यालय के सभागार में व्यवसाय प्रतिनिधियों के लिए के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रबंधक श्री सुबोध जैन, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री डीएस मिश्रा तथा व्यवसाय प्रतिनिधि उपस्थित थे.

Chennai -Tirupati Express Train Branding by Chennai Zone

Chennai Zonal Head Shri R Mohan flagged off Bank of Baroda OOH Branded Chennai -Tirupati Express Train at Chennai Central railway Station. Mrs. Vijayamala (Southern Railway), Shri Ramanju Sharma (Regional Head, Chennai Metro Region-II), Shri B Priya Kumar (AGM-HRM & Co-ordination), Shri Kuppuswamy C R (AGM) were present on this occasion.

Story

INAYAT

"Would you care for a coffee, Ms. Lakshya qualifier?" She looked away from her computer screen to see a friendly face with a toothy smile asking her this question. Inayat had just received the list of winners who had qualified Lakshya contest, a nationwide competition sponsored by their company for those who collect the maximum Insurance premium and offer minimum TAT for settling Insurance claims. With her index finger, Inayat pushed her spectacles back on her nose and made a mental note that she needs to get a new pair of spectacles for herself as this pair needs to be repaired. "No, thank you for asking Jeevan but I am running late and this excel sheet needs to be updated before 4:00 PM." She took a deep breath as Jeevan moved back to his cubicle and she resumed her work paying no heed to the thoughts coming in her mind.

Back home, while taking a walk in the local park, Inayat wondered if tomorrow will be any different. For a few months now, she had been trying to push away the thoughts that were making her feel uneasy about her current situation. Even when she tried talking about it with her sister, her ideas were dismissed with very cruel words, "Do you even know what you really want? You always say 'This is not what I want'. But if this is not what you want, then what else do you desire?"

What did she desire? On paper, her life was perfect. She was working for a great company with amazing team leaders and a team of subordinates that respected her. But whenever there were occasional pangs of doubts, she was unable to point a finger at a particular cause. For past few months, she had been feeling like a zombie as if someone is constantly feeding off her soul. The constant pressure on her chest was getting heavier with every breath that she took. She felt at a crossroad, not able to decide her path. Inayat kept the envelope closer to her chest and took out her phone and called Meera. "Are you still going on that solo trip? Mind if I join?"

Meera had planned the vacation and had been insisting Inayat join her for a month now. The beach, Ocean and sound of the waves felt refreshing and suddenly without the constant buzzing phone which sometimes felt like a talking demon that is wrapped around Inayat's neck, she realized that maybe there is no real pressure on her chest and she had been imagining it the whole time.

The kids on the beach were building sand castles near the ocean water and were trying to protect it from the emerging waves by placing little hands around the castle. Inayat found it very amusing. Their simplicity and the sense of purpose that these kids radiated was contagious. At a distance, both the girls could hear music playing and crowd cheering. Inayat looked towards Meera and found her grinning from ear to ear. "I am sure you would like to go and sing just like the old days," Meera said and both reached towards the crowd, joining the singing group.

They spent the next day roaming around the city taking pictures and tasting delicious sea food. The castles that both visited were the remnants of the great structures built by rulers with great intricacies. "You know Inayat, art and sculpture have made these rulers immortal," Meera said. "They have given up their mortal bodies, but these structures still reminds us of these rulers makes them immortal," she continued. "Talking all philosophical Meera; I think the salty air is getting to your head" Inayat Joked. "I am sure you teach your students in this philosophical manner only", Inayat winked at her making Meera chuckle. Inayat could never understand how Meera could have decided to join Teacher for India fellowship after giving up the lucrative job offer from a reputed MNC. She taught young children in tribal and Naxalite hit area. The pay might not match what she might be earning had she joined the MNC whereas, on the other hand, Inayat attended all the gala festivities sponsored by the company; Attending conferences and meeting company bigheads made her feel important. But still, Meera's life was awe- inspiring as she lived like a falcon making her own way in the world whereas Inayat on the other hand always felt as if her wings are always constricted by the electronic device which kept buzzing and reminded her of the reality.

Brushing these thoughts asides, Inayat asked Meera if she remembered the old days when they used to participate in inter-university drama competitions and those behavioral finance lectures when they waited eagerly for the presentation week applying the behavioral finance concepts to case studies.

Inayat missed that creative intellectual stimulation every second but was afraid to leave her comfort zone.

The ocean breeze was inviting and both girls decided to enjoy the bumper ride. The guy managing the water sport on the beach explained that they were going to close soon as during sunset the high tide makes it dangerous to go inside the ocean. Both of them were excited as they put on their life jacket and got into round tube boat attached to a speeding watercraft.

Excited, both the girls jumped into the tube boat. As the engine of the watercraft started, Inayat felt her heartbeat racing. The tube boat left the shore behind and trod into the unknown. As the watercraft speeded further, they felt as if they were flying in the air. The adrenaline rush filled Inayat's body and she could hear her heart beating inside her ears. All her worries, thoughts were left behind on the shore and she was screaming with pure joy. The cold breeze felt amazing against her skin and she could almost feel the taste of salt on her tongue as the salty air reached her lungs. She was free like a bird. But suddenly she stopped laughing as she could sense as if something is not right. Unable to comprehend this strange feeling, she grabbed Meera's hand saying,"Meera, I want to go back. I am feeling sick." "We are in the middle of the ocean Inayat," said Meera. All of a sudden to their horror, the boat tilted throwing Inayat in the ocean.

After the first few seconds, the panic set in. Inayat could only see the water all around her, filling her lungs and she could not breathe at all. "Is this the way I am going to die?" She wondered. She struggled and her hands kept searching desperately trying to find some support but all her hands could find was the ocean water. Immediately, she was reminded of her family and felt guilty for not calling them this morning, one last time maybe; As she remembered her dead mother, she wondered if she is going to meet her soon. Her eyes were not able to see anything now and her limbs were tired of struggling.The darkness grew and she felt as if she was falling asleep and in the moment of confusion she wondered whether it was possible to fall asleep while drowning. Her thoughts were not making sense anymore, only the darkness was engulfing her.

Suddenly, she felt as if someone had grabbed her hand and pulled her out of the water. Meera was sitting in the boat and Inayat realized that she was pulled out of the ocean and the boat was taking them towards the shore. There was a distant voice that sounded like Meera's asking her if she was okay but Inayat was too numb to react and her whole body was shaking uncontrollably.

As they reached the shore, Inayat sat on the sand and looked at her shaking hands. The Sun had not set yet. Birds were chirping and kids were playing peacefully at some distance. Inayat was unable to wrap her head around the experience that might haunt her for the rest of her life. The air that she could breathe felt heavenly.

She stared into Meera's eyes and realized that Meera looked pale as a ghost. Inayat said in trembling voice "Meera, before coming here, I had settled an Insurance claim for a family who lost its son who drowned in a pool. Meera, do you know people can drown in a swimming pool and die." Meera was too scared to say anything but she wrapped her arms around Inayat and whispered what seemed like a prayer to Inayat.

The train journey back home made both of them nostalgic. The memories of university included taking endless train journeys back and forth and these journeys usually meant leaving a part of their memories and soul behind. But today Inayat felt as if she had found a missing piece of her soul from under water.

"And what are you smiling about, Ms. Dreamer," Meera asked while nudging Inayat slightly with an elbow. "Ah, nothing. I am just happy to be alive." she winked at Meera and both laughed loudly. "You are one hell of a crazy woman. When you do not know how to swim, why did you agree to take that bumper ride?" said Meera. "See Meera, I realized that I cannot swim and the life jacket I was wearing is useless when I was underwater, so already it was a little late." said Inayat to which Meera frowned.

"I am sure before coming here again, you will take some swimming lessons", said Meera. Inayat looked deep into her eyes and said "Meera, life is an exam where the syllabus is unknown and question papers are not set. I have been working so hard, saving money and turning myself into a Robot with the belief that one day I will pursue my dream. But suddenly my whole existence was shaken and now I am realizing if I was not rescued yesterday before the darkness took over, all those big dreams could never be materialized. I am sure I would have continued dragging myself into a meaningless life, too afraid to change the status quo only to realize that I am thrown into the ocean for good and no one there to save me again."

"You are talking all crazy Inayat." Joked Meera "Are you going to Himalyas or what?" "Well, I don't know about Himalyas Meera, but London, maybe." Inayat searched her bag and handed over an envelope to Meera. Meera's eyes lit up as she read the words and she said out loud "You have a scholarship letter from Royal Academy of Dramatic art and you did not tell me." Inayat sighed as she looked out of the window. This idea of a secure job, comfort zone can crumble so easily, she wondered. All this while, she kept praying for answers to help her take this decision. Well, she did find her answers underwater after all.

❖❖❖

Vatsala Paul
Officer,
Regional Office,
Jalandhar

भारतीय बैंकों के राष्ट्रीयकरण के पचास वर्षों की यात्रा

एक मूल्यांकन

हमारी प्रगति की कसौटी इसमें नहीं है कि हम उन लोगों को समृद्ध बनाएं जो कि पहले से ही समृद्ध हैं, बल्कि इसमें है कि जिनके पास अत्यल्प साधन हैं क्या उन्हें हम पर्याप्त मात्रा में साधन उपलब्ध करा पाते हैं.

–फ्रैंकलिन डी. रुज़वेल्ट

बैंकों के राष्ट्रीयकरण की स्वर्ण जयंती वर्ष हमें यह स्मरण दिलाती है कि पचास वर्ष पूर्व एक ऐतिहासिक क्षण आया था जिसने भारतीय बैंकों को नवपंख दिए, नव दिशाएं प्रदान की, नव ऊर्जा का संचार किया. साथ ही, उन्हें राष्ट्रीय उद्देश्यों से बैंकों को सूत्रबद्ध किया. सोचिये अगर राष्ट्रीयकरण नहीं हुआ होता तो क्या भारतीय बैंक सच में हर भारतीय का बैंक बन पाता? क्या ऋण प्रवाह कृषि और छोटे उद्योगों की तरफ जा पाता? क्या सुदूर गाँव का एक निर्धन किसान भी एक चमकते शीशे वाले वातानुकूलित भवन की बैंक शाखा में बेधड़क किसान क्रेडिट कार्ड के लिए प्रवेश कर पाता? सर्वाधिक बैंक खाते का विश्व रिकॉर्ड (गिनीज बुक के अनुसार वित्तीय समावेशी अभियान के तहत किसी एक सप्ताह में 23 अगस्त से 29 अगस्त 2014 के बीच 18,096,130 करोड़ खाते खोले गये) संभव हो पाता?

बैंको के राष्ट्रीयकरण ने भारत की आर्थिक मेरुदंड को शक्तिशाली बनाया. आर्थिक सुधारों के नए द्वार खोल दिए जो कि पूंजीवादी और सामंतवादी व्यवस्था पर एक जोरदार तमाचा था. तत्कालीन अर्थशास्त्री एवं राजनैतिक विश्लेषकों को यह निर्णय भले ही राजनैतिक उद्देश्य से प्रेरित दिखा हो किन्तु समय के साथ जब इस निर्णय रूपी वृक्ष पर समानता, समृद्धि के पल्लव आने शुरू हुए तो यह एक महान, समयापेक्षित निर्णय माना गया.

बैंकों के राष्ट्रीयकरण की पूर्व भूमिका

- चर्चित लेखक बख्तियार के दादाभाई अपनी किताब 'बैरंस ऑफ़ बैंकिंग' में लिखते हैं – *'दूसरे विश्व युद्ध के बाद यूरोप में केंद्रीय बैंक को सरकारों के अधीन करने के विचार ने जन्म लिया. उधर, बैंक ऑफ़ इंग्लैंड का राष्ट्रीयकरण हुआ, इधर, भारतीय रिज़र्व बैंक के राष्ट्रीयकरण की बात उठी जो 1949 में पूरी हो गयी. फिर 1955 में इम्पीरियल बैंक, जो बाद में 'स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया' कहलाया, सरकारी बैंक बन गया'.*
- आजादी के पश्चात देश उत्साह से लबरेज था. गुलामी की जंजीरें तो टूटी लेकिन गरीबी की जंजीरें अभी तक बहुसंख्य भारतीय जनता के भाग्य पर पड़ी थी. अकाल ने पश्चिमोत्तर भारत का हाल खस्ता कर रखा था, महामारी और स्वास्थ्य–सेवा की कमी राष्ट्र कर्णधारों के लिए चिंता के विषय थे.
- नागरिकों खासकर ग्रामीण लोगों की अशिक्षा का लाभ साहूकार, महाजन उठा रहे थे. ऋण के दुष्चक्र में फंसा किसान प्रेमचंद के बेबस कथा किरदारों की तरह प्रतीत होते थे. उद्योगपतियों की चांदी थी, धनकुबेर और अधिक धनवान होते जा रहे थे. सामाजिक विषमता की खाई दिन–ब–दिन और चौड़ी होती जा रही थी.

नए भारत की आर्थिक सशक्तीकरण में लगी सरकार को लग रहा था कि कमर्शियल (व्यावसायिक) बैंक सामाजिक उत्थान की प्रक्रिया में रूचि नहीं दिखा रहे हैं. तत्कालिन दशक में देश के 14 बड़े बैंकों के पास देश की लगभग 70 फीसदी पूंजी थी. इनमें जमा पैसा उन्हीं सेक्टरों या क्षेत्रों में निवेश किया जा रहा था, जहां लाभ के ज़्यादा अवसर थे. वहीं सरकार की मंशा कृषि, सामाजिक कल्याण योजनाओं, लघु उद्योग और निर्यात में निवेश करने की थी.

दूसरी तरफ एक रिपोर्ट के मुताबिक़ **1947 से लेकर 1955 तक 360 छोटे–मोटे बैंक डूब गए थे** जिनमें लोगों का जमा करोड़ों रुपया डूब गया था. उधर, कुछ बैंक काला बाज़ारी और जमाखोरी के धंधों में पैसा लगा रहे थे. इसलिए सरकार ने इनकी कमान अपने हाथ में लेने का फैसला किया ताकि वह इन्हें सामाजिक विकास के काम में भी लगा सके. बैंकों के राष्ट्रीयकरण का फैसला एक संकटपूर्ण समय में आया था. भारत इससे पहले दो युद्ध झेल चुका था, एक 1962 में चीन के साथ और दूसरा 1965 में पाकिस्तान के साथ. इसके अलावा देश सूखे की भी मार झेल रहा था.

बैंक राष्ट्रीयकरण : नव विकास पर्व का श्रीगणेश

19 जुलाई 1969 को देश के 50 करोड़ रुपये से अधिक जमा राशि वाले प्रमुख 14 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के राष्ट्रीयकरण के साथ ही इस नए विकास पर्व का श्रीगणेश हुआ. इसके साथ ही भारतीय बैंकिंग प्रणाली मात्र लेनदेन, जमा या ऋण के माध्यम से केवल लाभ अर्जित करने वाला उद्योग न रहकर भारतीय समाज के गरीब, दलित तबकों के सामाजिक एवं आर्थिक पुनरुत्थान और आर्थिक रूप में उन्हें ऊंचा उठाने का एक सशक्त माध्यम बन गया.

बैंक राष्ट्रीयकरण की सूत्रधार श्रीमती इंदिरा गांधी को पूरा यकीन था कि यह बैंकिंग उद्योग राष्ट्र के सर्वांगीण विकास एवं पुनरुत्थान की दिशा में तेजी लाएगा. बैंकों के राष्ट्रीयकरण के ऐतिहासिक पर्व की शुरूआत करते समय श्रीमती इंदिरा गांधी ने कहा था कि **"बैंकिंग प्रणाली जैसी संस्था, जो हजारों –लाखों लोगों तक पहुंचती है और जिसे लाखों लोगों तक पहुंचाना चाहिए, के पीछे आवश्यक रूप से कोई बड़ा सामाजिक उद्देश्य होना चाहिए, जिससे वह प्रेरित हो और इन क्षेत्रों को चाहिए कि वह राष्ट्रीय प्राथमिकताओं तथा उद्देश्यों को पूरा करने में अपना योगदान दें."** इस विश्वास को सार्थक करने की प्रक्रिया में ही 200 करोड़ रुपये से अधिक जमा राशि वाले और छ: बैंकों का राष्ट्रीयकरण 15 अप्रैल 1980 को कर दिया गया. उस वक्त इन बैंकों के पास देश की 70 प्रतिशत जमापूंजी थी. राष्ट्रीयकरण के बाद बैंकों की 40 प्रतिशत पूंजी को कृषि और मध्यम एवं छोटे उद्योगों में निवेश के लिए रखा गया था. देश भर के ग्रामीण क्षेत्रों में बैंक की शाखाएं खुल गईं. 1969 में 8261 शाखाएं थीं. 2000 तक 65521 शाखाएं हो गई.

आंकड़ों के आईने में :

- दिसंबर 1969 में, भारत में 8826 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक शाखाएं थीं.
- यह संख्या मार्च 1990 में 59,762 थी और मार्च 2013 के अंत में 1,02,343 है. अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) की 102,343 शाखाओं में से 37,953 (37%) बैंक शाखाएं ग्रामीण इलाकों में हैं.
- देश के अर्ध शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में शाखाओं की कुल संख्या का 63 प्रतिशत है.

राष्ट्रीयकरण के पश्चात **क्लास बैंकिंग मास बैंकिंग** में रूपांतरित हो गयी. ग्रामीण क्षेत्रों में शाखाओं का अभूतपूर्व विस्तार हुआ.

प्रमुख वाणिज्यिक बैंकों के राष्ट्रीयकरण का उद्देश्य

1. समाज के कमजोर वर्गों तथा आर्थिक रूप से विपन्न लोगों का बैंकिंग सेवाओं एवं सुविधाओं के माध्यम से उत्थान करना.
2. ग्रामीण क्षेत्रों की स्थिति में सुधार तथा कृषि एवं लघु उद्योगों के क्षेत्रों की समुचित प्रगति किया जाना.
3. छोटे तथा मंझोले किसान, भूमिहीन मजदूर, शिक्षित बेरोजगार, छोटे कारीगर आदि की आर्थिक उन्नति में सहभागी बनाना.
4. कुटीर उद्योग, ग्रामीण हस्तशिल्प जैसे कार्यों के लिए आर्थिक सहयोग मुहैया कराना.
5. सामाजिक और आर्थिक असंतुलन को दूर करना.
6. बीमार उद्योगों को पुर्नजीवित करके नए लघु-स्तरीय उद्योगों के नव निर्माण को बढ़ावा देना.
7. निर्यात उद्योग को प्रोत्साहन देना.
8. पडोसी देशों से (1962, 1965) की जंग और देश के विभिन्न भागों में 1960 के दशक में पड़ा अकाल.

भारत की बैंकिंग-भागीरथी का नया रास्ता

◆ कृषि ऋण प्रवाह में भूमिका

बैंक से कृषि के लिए ऋण लेना इतना सरल नहीं था. हिंदी चलचित्र 'मदर इंडिया' में भारतीय कृषकों की दुर्दशा और महाजनों द्वारा कृषकों एवं उनके परिवारों का बड़ा ही हृदय विदारक चित्रण किया गया है. साहूकार थोड़े से ऋण के बदले में नायिका के सोने के कंगन और उसकी जमीन तक हड़प लेने की ताक में रहता है. बैंकों ने 1969 के बाद और 1980 में नाबार्ड के गठन के बाद कृषकों की हर जरुरत के लिए ऋण सुविधा सरल शर्तों और न्यूनतम ब्याज पर उपलब्ध कराये. बीज, मशीन, ट्रैक्टर, फार्म हॉउस, भूमि विकास आदि के लिए साथ में साहूकारों से लिए ऋण की चुकौती के लिए भी ऋण दिए. किसान क्रेडिट कार्ड इस पूरे बदलाव में संकट मोचक की तरह उभरा जिसने कृषक के लिए कृषि ऋण को और आसान बना दिया.

किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) किसानों के लिए शुरू की गई एक कल्याणकारी योजना है. इसे भारत सरकार ने साल 1998 में शुरू किया था. केसीसी के माध्यम से किसानों को पर्याप्त मात्रा में और आसानी से ऋण उपलब्ध हो जाता है. इससे वह कृषि से संबंधित चीजों जैसे-खाद, बीज, कीटनाशक इत्यादि की खरीद कर सकते हैं.

सूक्ष्म और लघु उद्योग को मदद :

बैंक के राष्ट्रीयकरण के बाद इन छोटे-छोटे उद्योगों को भी बदलते बाजार के अनुरूप विभिन्न रूपो में ऋण दिया जाने लगा. लेकिन सन 2006 जब एमएसएमई अधिनियम अस्तित्व में आया, उत्पादन के साथ ही सेवा को भी इसमें सम्मिलित किया गया. सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने इसमें उल्लेखनीय योगदान दिया.

उद्योगों के विकास में बैंकों के योगदान को नकारा नहीं जा सकता. आज देशभर में अनेक लघु और सूक्ष्म उद्योग ऐसे हैं, जो बैंकों के सहयोग के चलते ही उन्नति की राह पर अग्रसर हैं. लघु, मध्यम एवं सूक्ष्य उद्योगों के ढांचागत विकास में बैंकों की वित्तीय सहायता आक्सीजन का कार्य करती है. सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग को अर्थव्यवस्था का "विकास इंजिन" कहा जाता है. बैंकों ने चाहे वह मुद्रा हो या स्टैंड अप ऋण योजना, सभी को अंगीकार कर पात्र आवेदकों तक पहुँचाया. आज किसी भी शहर का कोई बड़ा व्यापार या बड़ी फैक्टरी बिना बैंक ऋण के नहीं चलती हैं. साथ-साथ आयात-निर्यात में भी बैंकों ने उद्यमियों को चाहे वह साख पात्र निर्गत करना हो, या प्री-शिपमेंट/ पोस्ट शिपमेंट ऋण देकर देश के आयात निर्यात को बढ़ावा दिया है. एमएसएमई क्षेत्र में गैर-वित्तीय हस्तक्षेप के एक भाग के रूप में, सिडबी ने अतीत में भी विभिन्न उपाय किए हैं. हाल ही में, क्रेडिट रेटिंग एजेंसी क्रिसिल और क्रेडिट सूचना कंपनी ट्रांसयूनियन सिबिल के सहयोग से सिडबी ने "क्रिसिडेक्स" और "एमएसएमई पल्स" का प्रारम्भ किया है.

सिडबी ने एमएसएमई को क्रेडिट और हैंडहोल्डिंग सेवाओं की पहुंच में सुधार के लिए 'उद्यमी मित्र' पोर्टल लॉन्च किया है. उद्यमी इस पोर्टल के माध्यम से पसंदीदा बैंकों का चयन कर आवेदन कर सकते हैं. व्यक्तिगत रूप से किसी भी बैंक शाखा में जाए बिना उद्यमी, पोर्टल के माध्यम से ऋण के लिए आवेदन कर सकते हैं. वे 1 लाख से अधिक बैंक शाखाओं में से किसी को चुन सकते हैं, अपनी आवेदन स्थिति को ट्रैक कर सकते हैं और अनेक ऋण सुविधाएं प्राप्त कर सकते हैं. इस पोर्टल में सभी आवश्यक दस्तावेज अपलोड करने की सुविधा भी है.

देश के डिजिटलीकरण स्वप्न में सहयोग :

बैंकों ने भारत सरकार के डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के महायज्ञ में भरपूर योगदान दिया है. **वित्तीय समावेशन** से आगे डिजिटल समावेशन के कार्य को बैंको ने डिजिटल क्रांति की तरह आगे बढ़ाया. इसका प्रतिफल है कि डेबिट क्रेडिट कार्ड, गिफ्ट कार्ड, मोबाइल बैंकिंग, इंटरनेट बैंकिंग, धन अंतरण की अन्य तीव्र सुविधाएँ जो कभी राकेट साइंस सदृश समझी जाती थी, बैंकों ने एक गांव के कृषक को भी डिजिटल ऐप का प्रयोग करना सिखा दिया.

मोबाइल बैंकिंग से बैंक और ग्राहक दोनों को फायदा हुआ क्योंकि इसमें ब्रांच बैंकिंग का 2 प्रतिशत, एटीएम का 50 प्रतिशत और इंटरनेट बैंकिंग का सिर्फ 50 प्रतिशत खर्च आता है. डिजिटलीकरण को आगे बढ़ने के लिए बैंकों ने अपनी तकनीक को उन्नत किया एवं डिजिटल साक्षरता के लिए कैंप आदि के माध्यम से दूर -दराज के क्षेत्रो तक अपनी पहुँच बनाई.

वित्तीय समावेशन में भागीदारी: जन-जन का बैंक

विभिन्न क्षेत्रों में वाणिज्यिक बैंकों द्वारा 100 प्रतिशत वित्तीय समावेशन अभियान शुरू किया गया था. इसके परिणामस्वरूप पुडुचेरी, केरल और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों या केंद्र शासित प्रदेशों ने अपने जिलों में 100 प्रतिशत वित्तीय समावेशन को घोषित किया. प्रधानमंत्री जन धन योजना के तहत कुल 33.61 करोड़ बैंक खाते खुले. प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, प्रधान मंत्री जीवन सुरक्षा योजना, प्रत्यक्ष खाता अंतरण आदि योजनाओं ने वित्तीय समावेशन के रथ का मार्ग प्रशस्त किया और निःसंदेह इन योजनाओं के कार्यान्वन में सार्वजनिक बैंकों का कार्य सराहनीय रहा.

मध्यम वर्ग का उदय और खुदरा ऋण की शुरूआत :

अस्सी के दशक में राष्ट्र-पटल पर विशाल मध्यवर्ग का उदय हुआ. यह मध्यवर्ग कृषि से इतर वेतनभोगी, छोटे-मोटे व्यापारी, शिक्षा, परिवहन, सरकारी संस्थानों में कार्यरत थे. ग्रामीण भारत की जीवन शैली से इतर ये एक सुविधाजनक जीवन जीना चाहते थे. यह वर्ग अपने मध्य यौवन में ही खुद के स्वामित्व वाला गृह, वाहन आदि संसाधन जुटा लेना चाहता था. इनको ही ध्यान में रखकर सरकारी बैंकों ने खुदरा ऋण आरंभ किया जिससे घर, वाहन, उपभोक्ता सामानों आदि के लिए निर्बाध ऋण प्रदान किया जा सके. भले ही

प्राइवेट बैंकों ने बाद में आक्रामक रूप से अभियान चलाए लेकिन राष्ट्रीयकृत बैंकों ने भी कोई कसर नहीं छोड़ी.

खरीद क्षमता शक्ति (पीपीपी) विधि के आधार पर 1985 और 2014 के बीच भारत का सकल घरेलू उत्पाद प्रति व्यक्ति 844 डॉलर से बढ़कर 5,417.6 डॉलर हो गया है. तेजी से हुई इस वृद्धि के साथ ही उपभोक्ता वस्तुओं और विलासिता संबंधी वस्तुओं की मांग में भी तेजी से वृद्धि हुई है. मांग की अधिकांश वृद्धि मध्यम वर्ग के बीच रहने वाले लोगों के मानकों में वृद्धि से हुई है.

आधार भूत संरचाओं के विकास में सहायता :

1969 के बाद बैंकों ने देश के बड़े उद्योग तथा आधारभूत संरचना के लिए भी ऋण प्रदान कर देश के विकास में भरपूर सहायता की है. मुंबई एयरपोर्ट को विकसित करने वाली जी एम आर कंपनी को एक प्रमुख बैंक ने ऋण दिया था. इसी तरह बिजली कंपनियों जैसे रिलायंस पावर, अदानी पावर, आदि को विकसित करने में बैंकों का सहयोग रहा. पोर्ट, सड़क आदि के निर्माण करने वाली कंपनियों को प्रोजेक्ट फाइनेंस में बैंकों ने खूब योगदान दिया है.

चुनौतियाँ और अवसर

बैंकिंग सेवा के विस्तार और अर्थव्यवस्था को गति देने के उद्देश्य के अलावा इस राष्ट्रीयकरण का एक उद्देश्य बेरोज़गारी की समस्या से निपटना, समाज के कमजोर वर्गों तथा प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रों के लोगों का बैंकिंग सेवाओं एवं सुविधाओं के माध्यम से उत्थान कर देश की आर्थिक उन्नति को एक नई दिशा प्रदान करना था.

आज देश भर के समस्त बैंकों ने लगभग पचास लाख करोड़ रुपये का कर्ज दिया हुआ है. यदि एनपीए दस फीसदी माना जाए तो भंवर में फंसा पैसा पांच लाख करोड़ अथवा पचास खरब रुपये बैठता है. इतना पैसा तो एक साल में भारत सरकार अपनी समस्त जन कल्याणकारी योजनाओं पर भी नहीं खर्च करती है. सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में आमजन का धन जमा है. कृषि ऋणों की ऋण माफी, मंदी, भारतीय ऋणी की मानसिकता यूरोपीय देशों जैसा वित्तीय चूक की स्थिति में कठोर क़ानून का न होना यह सब भी बढ़ते हुई अनर्जक संपत्ति के कारण हैं. अत: इससे निपटने के लिए कड़े क़ानून, ऋणमज़ूरी में पारदर्शिता, वसूली प्रक्रिया में प्रशासन के सहयोग आदि की ज़रूरत है.

उपसंहार :

राष्ट्रीयकरण के इन पचास वर्षों में बैंकों की यात्रा निसंदेह सराहनीय रही है किंतु अभी भी कई महत्वपूर्ण कार्य करने शेष है. भारत की जनसांख्यिकीय विविधता भारतीय बैंकों के लिए बीमा, म्यूचुयल फंड, माइक्रो फाइनान्स आदि व्यवसाय के नये आयाम हो सकते हैं. साथ ही, विभिन्न सरकारों को भी बैंकों के कार्य–कलाप को और अधिक तकनीकी रूप से उन्नत बनाने हेतु प्रयासरत रहना चाहिए एवं बैंकिंग के विश्व मानकों को देश में क्रियान्वित करने पर ज़ोर दिया जाना चाहिए.

❖❖❖

गौतम कुमार
वरिष्ठ प्रबंधक एवं संकाय
बड़ौदा अकादमी, बड़ौदा

Overseas News

Bank's UAE territory awarded with "Best BFSI Brand 2019"

Our Bank's UAE territory was selected as 'One of the Best BFSI Brand 2019' at the "3rd edition of Economic Times Best BFSI Brands 2019" held in Dubai. Shri D Ananda Kumar, Chief Executive, GCC Operations received this prestigious award on behalf of our Bank from Hon'le Minister of State for Food Processing Industries Shri Rameshwar Teli. Other senior officials of the territory were also present on the occasion.

Our Executive Director meets Governor, Bank of Uganda

During his visit of subsidiary, our Executive Director Shri Shanti Lal Jain met with Governor, Bank of Uganda Mr. Emmanuel Tumisiime - Mutebile. Shri Ashwini Kumar, Managing Director and Mrs. Rukimirana Nsanze, Chairperson, Bank of Baroda (Uganda) Ltd. were also present on the occasion. Various issue related to economy and International Banking were discussed. The role of Bank of Baroda (U) Ltd in the banking fraternity of Uganda was also discussed.

Town Hall Meeting at Nairobi, Kenya

Bank of Baroda (Kenya) Ltd. organized its first Town Hall Meeting at Nairobi, Kenya on 17th Jan, 2020. All staff members of Bank's Nairobi Branches attended the meeting. Mr. Saravanakumar A (Managing Director), Dr. M K Chary (Head International Banking, Africa) and Dr. Winifred N Karugu (Non-Executive Director of BOBKL) addressed the gathering during the meeting. A monthly newsletter "Baroda Jamii" was also launched on the occasion. During the event the Bank also felicitated its Branches with trophies and certificates based on their performance during the FY 2019.

विदेशी शाखाओं/ कार्यालयों में विश्व हिन्दी दिवस का आयोजन

दिनांक 10 जनवरी, 2020 को बैंक की विदेशी शाखाओं/ कार्यालयों में विश्व हिन्दी दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए. इनमें से कुछ प्रमुख कार्यक्रमों की झलकियां हमारे पाठकों की जानकारी के लिए प्रस्तुत हैं – संपादक

दुबई

फ़ीजी

हाँगकाँग

केन्या

पोर्ट लुईस

सिंगापुर

तंजानिया

युगांडा

विश्व हिन्दी दिवस पर विशेष

हिन्दी एवं भारतीय संस्कृति का वैश्विक स्वरूप

यह सर्वथा स्वीकार्य तथ्य है कि भाषा उन महत्वपूर्ण अवयवों में से है जो मानव सभ्यता और संस्कृति को एक सूत्र में बांधकर रखने का कार्य करती है. इसीलिए रूस के प्रसिद्ध विद्वान मिखाइल बाख्तिन का कहना था कि ***भाषा ही समाज है,*** अतः भाषा मानव समाज के विविध पक्षों के परिवर्तन में अहम् भूमिका निभाती है. हम यह भी मानते हैं कि भाषा विचारों एवं संस्कृतियों की संवाहिका होती है. हिन्दी भाषा के साथ भी यही तथ्य दृष्टिगोचर होता है. भारतीय मूल के लोग विश्व के अनेक देशों में विभिन्न प्रयोजनों से गए और वे अपने साथ भाषा और संस्कृति दोनों को लेकर गए जिसके कारण हिन्दी और भारतीय संस्कृति के इस वैश्विक स्वरूप को स्थापित करने में काफी मदद मिली.

हिन्दी का वैश्विक विस्तार:

हमने यह देखा है कि पिछले कुछ वर्षों में विश्व पटल पर हिन्दी एवं भारतीय संस्कृति का व्यापक विस्तार हुआ है और इसमें करोड़ों आप्रवासी भारतीयों का योगदान रहा है. अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी की वर्तमान स्थिति काफी सुदृढ है. इस विस्तार में भारत की राजनीतिक एवं कूटनीतिक इच्छा शक्ति की भी उल्लेखनीय भूमिका रही है. इन सब के बीच हिन्दी के इतिहास पर दृष्टिपात करते हुए हम पाते हैं कि हिन्दी ने कई उतार-चढ़ाव भी देखे हैं परंतु हिन्दी देश एवं दुनिया में सतत आगे बढ़ते हुए वैश्विक पटल पर अपना एक विशिष्ट स्थान बनाने में सफल रही है. आज हिन्दी केवल भारत तक सीमित नहीं है, इसका विस्तार विश्व के लगभग 170 से भी ज्यादा देशों में हो चुका है. विश्व के प्रत्येक महाद्वीप और सभी बड़े राष्ट्रों में हिन्दी बोलने-जानने वालों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है.

हिन्दी भारत की राजभाषा होने के साथ-साथ फ़िजी की भी राष्ट्रभाषा है. मॉरीशस, त्रिनिदाद, गयाना, साउथ अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, जर्मनी, सिंगापुर, कनाडा, यू.ए.ई. जैसे देशों में भी हिंदी भाषी बड़ी संख्या में मौजूद हैं. यह विश्व में सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषाओं में से एक है. विभिन्न संस्थानों, स्त्रोतों, शोधों ने ये आँकड़े अलग-अलग दिये हैं. विश्व की भाषाओं की पंक्ति में कुछ लोग हिंदी को प्रथम, तो कुछ द्वितीय या तृतीय स्थान देते हैं. परंतु एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि जहां मंदारिन भाषा-समूह की सभी भाषाओं को एकत्रित रूप में गणना की जाती है, वहीं हिंदी के साथ ऐसा ना कर, हिंदी को राजस्थानी, मारवाड़ी, मैथिली, अवधी, ब्रजभाषा, भोजपुरी आदि जैसे टुकड़ों में बांटकर प्रस्तुत किया जाता है.

मौजूदा समय में दुनिया के लगभग 170 देशों में किसी न किसी रूप में हिंदी पढ़ाई जाती है. मॉस्को को दुनिया में हिंदी भाषा के अध्ययन-अध्यापन के प्रमुख केंद्रों में से एक माना जाता है. मॉस्को में हिंदी भाषा का अध्ययन और अध्यापन केवल मॉस्को राजकीय विश्वविद्यालय में ही नहीं, बल्कि दो अन्य विश्वविद्यालयों में भी किया जाता है. मॉस्को विश्वविद्यालय में हिंदी में बी.ए., एम.ए. और पीएच.डी. की जा सकती है. रूसी भाषा वैज्ञानिकों द्वारा हिंदी भाषा के अनेक शब्दकोशों और पाठ्य-पुस्तकों की रचना की जा चुकी है. सोवियत सत्ता काल से लेकर आज तक रूस में हिंदी साहित्य के अनुवाद बड़े पैमाने पर किये जाते रहे है.

संयुक्त राज्य अमेरिका में हावर्ड, येल, शिकागो, वाशिंगटन, मोंटाना, टेक्सास एवं कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय समेत कई अन्य विश्वविद्यालयों में भी हिंदी भाषा के पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं. अमेरिका के अनेक राज्यों में पब्लिक (सरकारी) विद्यालयों में भी हिंदी भाषा का विकल्प दिया जा रहा है. इसी प्रकार ऑस्ट्रेलियन नेशनल विश्वविद्यालय, टोक्यो विश्वविद्यालय, जॉन हॉपकिंस विश्वविद्यालय में भी हिंदी के पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं.

इसके अलावा ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया तथा सिंगापुर के विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में भी हिंदी पढ़ाई जाती है. ऑस्ट्रेलिया के विद्यालयों में वैकल्पिक विषय के रूप में हिंदी पढ़ाई जा रही है. सुदूर पूर्व के देश फिजी में हिंदी को विद्यालयों में अनिवार्य रूप से पढ़ाया जाता है. केंद्रीय हिंदी संस्थान - आगरा, महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में भी अनेक विदेशी छात्र, जिनमें जापानी, कोरियाई छात्रों की संख्या अधिक है, भारत में स्थित विदेशी कंपनियों में आकर्षक नौकरी हेतु हिंदी भाषा के पाठ्यक्रम में दाखिला ले रहे हैं.

वैश्विक स्तर पर भारत के बढ़ते आर्थिक, सामरिक, राजनैतिक प्रभाव को देखते हुए, भारत की राजभाषा हिंदी को सीखने, जानने की ललक विदेशों में बढ़ती जा रही है . इसी क्रम में मॉरीशस स्थित विश्व हिंदी सचिवालय का उल्लेख यहां तर्कसंगत है. मॉरीशस व भारत सरकार द्वारा विश्व हिंदी सचिवालय की स्थापना मॉरीशस में की गई. हिंदी को अंतर्राष्ट्रीय भाषा बनाने के प्रयासों में इस सचिवालय की स्थापना एक महत्वपूर्ण कदम है. इस सचिवालय के नए भवन का उद्घाटन 18 मार्च 2018 को भारत के राष्ट्रपति महामहिम श्री रामनाथ कोविंद ने संपन्न किया. इस प्रकार हिंदी को एक अंतर्राष्ट्रीय भाषा के रूप में संवर्द्धन करने और विश्व हिंदी सम्मेलन के आयोजन को संस्थागत स्वरूप एवं व्यवस्था प्रदान करने के उद्देश्य से विश्व हिंदी सचिवालय सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है. यह सचिवालय अंतरराष्ट्रीय हिंदी पत्रिका एवं अंतरराष्ट्रीय हिंदी समाचार का प्रकाशन तथा हिंदी सम्मेलनों एवं अन्य कार्यशालाओं का आयोजन कर विश्व में हिंदी भाषा को प्रचारित और प्रसारित करने का कार्य भी समर्पित भाव से कर रहा है.

वैश्विक स्तर पर हिन्दी के विकास एवं प्रचार - प्रसार में अनेक सरकारी, गैर - सरकारी और स्वैच्छिक संस्थाओं की भूमिका रही है. यदि हम मॉरीशस की बात करें तो यहां आर्य समाज, हिन्दी लेखक संघ, आर्य परोपकारिणी सभा, तिलक विद्यालय और हिन्दी प्रचारिणी सभा आदि प्रमुख हैं. इसी प्रकार सूरीनाम में सूरीनामी हिन्दी परिषद, संयुक्त राज्य अमरीका में अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी परिषद, कनाडा में हिन्दी परिषद और हिन्दी संघ, गयाना में हिन्दी प्रचार सभा और इंगलैंड में हिन्दी समिति

और हिन्दी परिषद आदि जैसी संस्थाएं हिन्दी के विकास के लिए कार्यरत हैं.

भारतीय संस्कृति का वैश्विक विस्तार :

एक ओर जहां सभ्यता से मानव समाज के भौतिक क्षेत्र का बोध होता है वहीं संस्कृति से उसके मानसिक क्षेत्र की प्रगति का आभास होता है. भारतीय संस्कृति संसार की सर्वाधिक प्राचीन संस्कृतियों में से एक मानी जाती है बल्कि यूं कहें कि कि भारत विश्व का पहला सभ्य देश है तो इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी. यह किसी एक व्यक्ति के पुरूषार्थ का परिणाम नहीं है बल्कि इसमें असंख्य ज्ञात और अज्ञात मनीषियों के अथक परिश्रम शामिल हैं. भारत की महिमा का वर्णन करते हुए श्री रघुत्तम शुक्ल ने **विश्वव्यापी भारतीय संस्कृति** नामक अपने लेख में विष्णु पुराण का उल्लेख करते हुए लिखा है कि –

उत्तरम् यत् समुद्रस्य, हिमाद्रेश्चैव दक्षिणम्,
वर्ष तत् भारतम् नामं, भारती यत्र संततिः।

अर्थात् भारत देश समुद्र तट के उत्तर तथा बर्फीले पर्वतों के दक्षिण में स्थित है. यहां भारत के वंशज निवास करते हैं. उन्होंने ने यह भी लिखा है कि भारतीय श्रेष्ठ ज्ञान और संस्कार युक्त होते हैं. वे जाति, धर्म और भौगोलिक सीमाओं से परे हैं. यही कारण है कि बुल्लाशाह और दारा शिकोह जैसे इस्लाम धर्मावलंबियों ने वेद–वेदांत की दीक्षा ली और उनका अवलंबन किया. मानव सभ्यता का आदि ग्रंथ – वेदों की रचना भारत में हुई. भारत को जगद्गुरू होने का गौरव प्राप्त है. तक्षशिला और नालंदा जैसे ज्ञानकेंद्रों ने संपूर्ण विश्व में ज्ञान का प्रसार किया. यह हम सभी प्रवासी एवं आप्रवासी भारतीयों के लिए गौरव का विषय है कि ऋग्वेद को हेरिटेज ग्रंथ के रूप में विश्व ने स्वीकार किया है.

संस्कृत के महाकवि **श्रीवनमालिदासजी शास्त्री** जी ने भारतीय संस्कृति के बारे मे कहा है कि:

यामास्थाय समस्त मस्तकमणि:जायेत जीवोधमो
यस्या रक्षणरक्षितो विमलधी: स्वर्गेपि संपूज्यते।
पारे व्योम्नि विराजते च सततम यस्या: समालोचनात
सैषा भारत संस्कृति: विजयतामित्यंतराशास्महे॥

अर्थात **हम सभी भारतीय जन अपने अंतर्हृदय से इस बात की सदैव अभिलाषा करते रहते हैं कि हमारी यह लोकोत्तर भारतीय संस्कृति अर्थात सदाचार की परिपाटी सदैव विजय को प्राप्त करती रहे। जिसको भलीभाँति अंगीकार करके अधम जीव भी समस्त जनों का शिरोमणि बन सकता है एवं जिसकी सुरक्षा से सुरक्षित होकर निर्मल बुद्धिवाला स्वर्ग में भी पूजित होता रहता है तथा जिसके निरीक्षण–ध्यान रखने एवं प्रचार के कारण वैकुंठ में भी निरंतर विराजमान रहता है, ऐसी सदाचारमयी भारतीय संस्कृति की सदैव**

जय–जयकार हो।

उपरोक्त विचार इस बात को प्रमाणित करते हैं कि भारतीय संस्कृति विश्व की ऐसी संस्कृति है जिसका महत्व न केवल लौकिक जीवन तक सीमित है बल्कि मनुष्य जीवन की समाप्ति के बाद भी उसके मूल में जन कल्याण का भाव विद्यमान रहता है।

भारतीय संस्कृति की समृद्धि में वेदों, पुराणों, उपनिषदों, शास्त्रों और प्राचीन एवं आधुनिक साहित्यिक रचनाओं का विशेष अवदान रहा है. इनमें भक्तिकालीन कवियों की कृतियों ने प्रमुख भूमिका निभायी है, जैसे रामायण. विभिन्न प्रयोजनों से भारत से विदेशों में प्रवास के लिए गए भारतीय मूल के लोगों ने अपने साथ इन संस्कारों एवं संस्कृतियों को भी ले जाने का महत्वपूर्ण कार्य किया. इस क्षेत्र में गिरमिटिया मजदूरों का विशेष योगदान रहा. उनके पास भारतीय संस्कृति को संजोए रखने के लिए इन ग्रंथों से बड़ा कोई और माध्यम नहीं हो सकता था.

हम मॉरीशस और फीजी की ही यदि बात करें तो यहां रामायण और गीता को सर्वोच्च और सर्वाधिक महत्वपूर्ण ग्रंथ होने का दर्जा प्राप्त है. फीजी में 2000 से अधिक रामायण मंडलियां हैं. आज भी भारतीय मूल के लोग रामायण और गीता के माध्यम से पुरातन भारतीय संस्कृति को अक्षुण्ण रखने में सफल हैं. मारीशस में महाशिवरात्रि का पर्व राष्ट्रीय स्तर पर मनाया जाता है. इस दिन मॉरीशस में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है. प्रवासी भारतीयों द्वारा निर्मित तेरहवां ज्योतिर्लिंग मॉरीशेश्वर एवं गंगा घाट पर इस दिन एक लाख से अधिक शिव भक्त कावडिए लेकर यहां पहुंचते हैं. इस प्रकार जिन–जिन देशों में भारतीय मूल के लोगों ने प्रवास किया वहां भारतीय संस्कृति के विभिन्न आयामों को स्थापित करने का सफल प्रयास भी किया. फीजी, मॉरीशस, त्रिनिदाद एवं टोबैगो, सूरीनाम जैसे देशों में तो हिन्दी की उप–भाषा भोजपुरी का काफी बर्चस्व है. इन देशों में मुख्यतः गिरिमिटिया मजदूरों के रूप में भारतीयों का आगमन हुआ. उन्होंने स्वयं के विकास के साथ–साथ भारतीय संस्कृति को भी जीवंत रखने का काम किया. आज भी इन देशों में भारतीय पर्व जैसे होली, दीवाली, छठ, दशहरा, लोहड़ी, रामनवमी, कृष्ण जन्माष्टमी आदि प्रमुख हिन्दू त्यौहारों को मनाया जाता है. इन समारोहों के माध्यम से प्रवासी भारतीय अपनी मूल संस्कृति को न केवल बचाए रखने में बल्कि उनके विकास में योगदान दे रहे हैं. वस्तुतः भारतीय संस्कृति को वैश्विक स्वरूप देने में संस्कृत के साथ–साथ हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा है.

भारतीय संस्कृति को समुद्र पार विस्तारित करने में धार्मिक साहित्य और ग्रंथों के अलावा हिन्दी पत्र–पत्रिकाओं की भी भूमिका रही है. विदेशों में हिन्दी पत्रिकारिता और हिन्दी मीडिया की बढ़ती लोकप्रियता ने भी भारतीय संस्कृति को प्रचारित व प्रसारित करने का कार्य किया है. हिन्दी सिनेमा और टी.वी धारावाहिकों ने भी विश्वभर में अपना प्रभुत्व कायम किया है. इससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से भारतीय संस्कृति और हिन्दी भाषा का समुद्रपारीय संवहन हुआ है.

मारीशस में आयोजित 11वें विश्व हिन्दी सम्मेलन मे मुझे सहभागिता करने का अवसर प्राप्त हुआ था। उस प्रवास के दौरान मैंने हिन्दी और इसकी उप–भाषा भोजपुरी के वैश्विक स्वरूप को देखा। पोर्ट लुईस के रेडियो द्वारा समय–समय पर क्रीओल, हिन्दी और अँग्रेजी के साथ–साथ भोजपुरी में समाचार प्रसारित किया जाना और सुनना मेरे लिए बेहद सुखद अवसर रहा। सम्मेलन के दौरान अनौपचारिक रूप से स्थानीय प्रतिनिधियों द्वारा भोजपुरी गीतों की प्रस्तुति भी मंत्र मुग्ध करने वाली थीं।

पूर्व भारतीय राजनयिक एवं हिन्दी के प्रबल समर्थक डॉ. लक्ष्मीमल्ल सिंघवी ने कहा था कि ***हिन्दी विश्व के कोटि–कोटि जनगण का कंठ स्वर है, उनकी पहचान है, सांस्कृतिक अस्मिता का मुखर स्वरूप है, अंतर्राष्ट्रीय संबंधों का सेतु है.*** इस प्रकार हिन्दी विश्व पटल पर अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में स्थापित हो चुकी है किन्तु आधिकारिक रूप में इसे वह दर्जा तब प्राप्त होगा जब यह संयुक्त राष्ट्र संघ की भाषा बन जाएगी. हिन्दी के विकास के लिए सरकारी और गैर–सरकारी संस्थानों द्वारा और व्यक्तिगत रूप से काफी प्रयास किए गए हैं किन्तु कुछ और प्रयास करने की आवश्यकता है. इनमें सबसे महत्वपूर्ण कदम हिंदी भाषा को तकनीक और ज्ञान–विज्ञान की भाषा के रूप में स्थापित करना है जिससे वर्तमान तकनीकी युग में हिंदी भाषा को नई पीढ़ी के प्रयोग के लिए सुगम बनाया जा सके. इसके अलावा हिंदी में युवा पीढ़ी पर केंद्रित मौलिक लेखन को बढ़ावा देना, विदेश में स्थित भारतीय एवं अन्य विदेशी नागरिकों को हिंदी सिखाने की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करना जैसे कदमों का समावेश होना चाहिए. हिन्दी से जुड़े कर्मियों, हिन्दी सेवियों और साहित्य सृजन से जुड़े रचनाधर्मियों को भी सम्यक संरक्षण दिए जाने की आवश्यता है. इसमें कोई दो–राय नहीं कि हिन्दी विश्व भाषा बनने में सक्षम है और इसका भविष्य अत्यंत उज्ज्वल है.

❖❖❖

पुनीत कुमार मिश्र
सहायक महाप्रबंधक
(राजभाषा एवं संसदीय समिति)
प्रधान कार्यालय, बड़ौदा

BRAND HYGIENE
EVERYBODY'S RESPONSIBILITY

Brand Hygiene factors are the basic sets of values that the customer expects to be in place for any brand/service that they consider worth investing in it.

In banking industries there is no clear differentiation in product offerings. The only differentiators are the service delivery and quality of services. Apart from these, soft communication and customer delights are something that provide us edge on our competitors. It establishes our brand as most cherished and appealing in the eyes and minds of customers.

If brand wishes to rise above competitors and stand for something that sets it apart, it needs to demonstrate the hygiene factors with proper communication with clear cut positioning and differentiation.

Brand are not build in single day but years of hard work, marketing and communication strategy, value based offerings and customer engagements create a powerful brands.

Bank of Baroda has evolved as a powerful brand over the years since its inception in 1908. In all these 112 years we have seen Bank of Baroda as a brand growing significantly with all seven Ps of service mix- product/price/place/promotion/people/process and physical evidence contributing significantly in evolving Bank of Baroda as a robust, credible, trustworthy brand in Global Banking Industry. Post amalgamation of Vijaya and Dena Bank, Bank of Baroda is India's third largest bank in terms of total business and also in terms of major lenders.

In order to further strengthening the brand it is imperative that continuous and consistent strategy and executions are exhibited in all 7Ps on regular basis. It is here where the Hygiene factor comes in to play and we the employees of this great institution need to play the pivotal role to keep our brand healthy and growing.

Some of the key hygiene factors that we should address are as under:-

Serve with Smile

As staff members we should practice the key attributes of "SMART BARODIAN" i.e. proper attire, serving with smile and listening actively to customers as these are the key elements that contribute to the quality service delivery process and perception that customers draw about your organization.

Smiling face with soft skills creates positive aura and makes customer comfortable and associated

Association of customer with brand is very important as it is a major force for brand growth.

Surveying your Customers

Good organizations always listen to their customers. At Bank of Baroda we need to survey and engage our customers at all levels both in branches and also at social media platforms.

At branches customer meets should be regular exercise in order to get valuable inputs from our customers so as to further improve our offerings and delivery. Customer suggestion box must be placed at all branches and suggestions received should be properly evaluated and implemented as far as possible as this will create delightfull moments for customers and they will feel more associated with us.

With significant presence on social media platform like Facebook, Twitter, Instagram, YouTube we as Barodian need to actively use the same as well as promote the same amongst our customers.

Social media platform is convenient, cost effective and has wider reach. With proper education of the same to our customer we can provide them real time news and updates on various initiatives and campaigns that bank launches and make them associated with brand Baroda which will further enhance our brand value.

Similarly customers should also be actively involved in online survey that bank carries out every year in order to get significant suggestions to have value addition to our offerings and delivery process.

Listening to your Employees

Employees are the most important asset for any organization and its proper nurturing and care is required for sustainable growth of any organization.

Also employees are the first line of interaction between customers and organization and the perception that customer draws about the organization is through the employees only.

It is a key brand hygiene element and needs to be carefully taken care of.

At Bank of Baroda we have seen several HR initiatives in order to nurture, develop, train and appreciate the employees at all levels to make them feel as "Proud Barodian".

With "Voice of Barodian" – online employee survey to transparent employee performance management system-GEMS, BANK OF BARODA is taking care of its most important asset i.e. human capital.

For career oriented employees Bank's SPEED scheme- for self-assessment and development is also in place.

With "We Lead" a comprehensive leadership training program at four level bank keenly helps on building on the individual's capabilities as a leader.

Bank also provides external training at best of the institutions in India and abroad to adequately equip employees for future ready.

"Employee of the month", WOW moment, ZERO hour, Job families and Carrier Path schemes, BRITE, are some of the novice initiatives of our bank in order to engage, motivate and reward the best of the human resources. Bank is also having a well-defined talent identification and grooming policy in place. We can say that our bank is taking a very serious note of this key brand hygiene element in order to strengthen the brand at all levels.

Celebrate Your Success

A strong brand is always visible, audible and communicating. We need to address thes key hygiene elements.

Let the world know your success as this will only add to trust to your brand from your stakeholders.

We should actively use the social media platform to communicate, publicize our success.

Posting the key milestones achieved by our bank and various successful moments on social platforms makes the world know about you and it makes both the organization as well as various stakeholders proud of the same.

Pay it back to Society

It is our rightful duty to address this hygiene element to acknowledge and give it back to society from which we earn.

With great CSR activities that our institution carries out on regular basis, Bank of Baroda over the years has contributed significantly for the development of the society.

Under the "Project Navoday" compulsory social and community services are a routine activity at bank with employees actively participating for betterment of community and society.

With R-SETI's and FLCC centers bank is helping in socio-economic development through various activities like skill development of youth, women empowerment, health care and sanitation, drinking water facility through donations of water filters, RO's to various institutions and schools, education and literacy camps.

Brand Hygiene adds to customer loyalty, brand valuation and brand equity.

Hence it's everybody's responsibility.

❖❖❖

Saurav Kumar
Senior Manager & Faculty
Baroda Academy,
Jamshedpur

जिंदगी

थोड़ा सा गम, थोड़ी सी खुशी है जिंदगी
थोड़ा सा दर्द, थोड़ी सी मरहम है जिंदगी
थोड़ी सी नफरत, थोड़ी सी मोहब्बत है जिंदगी
कभी एक आस, कभी एक एहसास है जिंदगी
कभी मज़ा, तो कभी सज़ा है जिंदगी
बनते बिगड़ते हालातों का, हिसाब है जिंदगी
कुछ समझने का, कुछ समझाने का ख्वाब है जिंदगी
गुजरते हुए राहों पर, एक सफर सी है जिंदगी
उलझनें हैं बहुत पर, खूबसूरती से खूबसूरत है जिंदगी

वंदना गुप्ता
वरिष्ठ प्रबन्धक
क्षेत्रीय कार्यालय, बड़ौदा शहर क्षेत्र

खगड़िया शाखा के नए परिसर का उद्घाटन

22 जनवरी, 2020 को खगड़िया क्षेत्र के लोकसभा सांसद चौधरी महबूब अली क़ैसर द्वारा खगड़िया शाखा, पूर्णिया क्षेत्र के नए परिसर का उद्घाटन किया गया. उक्त अवसर पर पूर्णिया क्षेत्र के उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री मृत्युंजय प्रसाद सिंह एवं अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

दिल्ली महानगर क्षेत्र–2 द्वारा गोल्ड लोन शॉपी का उद्घाटन

07 जनवरी, 2020 को दिल्ली महानगर क्षेत्र–2 की मालवीय नगर शाखा में महाप्रबंधक (मुख्य समन्वयन) श्री आर. के. मिगलानी, अंचल प्रमुख श्री दविन्दर पाल ग्रोवर, क्षेत्रीय प्रमुख श्री मधुर कुमार, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री बी. के. सबलोक के कर कमलों से गोल्ड लोन शॉपी का उद्घाटन किया गया. यह शॉपी विशेष रूप से ग्राहकों को स्वर्ण ऋण सेवाओं को सरलता से उपलब्ध कराने के लिए स्थापित की गई.

नासिक क्षेत्र की पूर्ववर्ती देना की देवलाली शाखा का समामेलन

पूर्ववर्ती देना की देवलाली शाखा को बैंक ऑफ बड़ौदा देवलाली शाखा के साथ दिनांक 30 दिसंबर, 2019 को समामेलित किया गया तथा इसका उद्घाटन दिनांक 07 जनवरी, 2020 को किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री राकेश कुमार, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री अनिल बड़जात्या, शाखा प्रमुख श्री जितेंद्र जयकारे, पूर्ववर्ती देना शाखा प्रमुख श्री सत्यानंद राऊत एवं ग्राहकगण उपस्थित थे.

दुर्ग क्षेत्र द्वारा मोबाइल वैन का उद्घाटन

ग्राहकों तक बैंकिंग संबंधी जानकारी और बैंक द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं/उत्पादों आदि की जानकारी उपलब्ध कराने हेतु 05 मार्च, 2020 को क्षेत्रीय प्रबंधक डॉ. आर के मोहंती ने मोबाइल वैन का उद्घाटन किया. इस अवसर पर उप क्षेत्रीय प्रबन्धक श्री अरविंद काटकर, श्री प्रदीप कुमार यादव एवं क्षेत्रीय कार्यालय के समस्त स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

मदुरै क्षेत्र की कमयगौंडेंपट्टी शाखा का नवीनीकरण

मदुरै क्षेत्र की कमयगौंडेंपट्टी शाखा के नवीनीकृत परिसर का उद्घाटन दिनांक 23 जनवरी, 2020 को क्षेत्रीय प्रबंधक श्री एम पी सुधाकरन, उप क्षेत्रीय प्रबंधक श्री ए एस प्रसाद और श्री के बालाजी द्वारा किया गया. इस अवसर पर शाखा प्रबंधक श्री एम विनोद, शाखा के स्टाफ सदस्य और ग्राहक उपस्थित रहे.

बड़ौदा जिला क्षेत्र की पारुल यूनिवर्सिटी कैम्पस, शाखा का समामेलन

03 मार्च, 2020 को पारुल यूनिवर्सिटी कैम्पस, बड़ौदा स्थित शाखा को लिमड़ा ग्रामीण शाखा के साथ समामेलित किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री संजीव आनंद, लिमड़ा शाखा के शाखा प्रमुख एवं अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

बीजीएसएस के लिए गिफ्ट सिटी के नवीन परिसर का उद्घाटन

28 जनवरी, 2020 को गांधीनगर में बैंक के अध्यक्ष डॉ. हसमुख अढ़िया द्वारा गिफ्ट वन टावर, गिफ्ट सिटी, गाँधीनगर के 27वें तल पर बड़ौदा ग्लोबल शेयर्ड सर्विसेस लिमिटेड के नवीन परिसर का उद्घाटन किया गया. उक्त कार्यक्रम में बैंक के निदेशक प्रो बीजू वर्की, बीजीएसएस के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ श्री जोगिंदर सिंह राणा, अहमदाबाद अंचल प्रमुख श्रीमती अर्चना पांडेय, महाप्रबंधक (नीतिपरक मानव संसाधन एवं मानव संसाधन एकीकरण) श्री जयदीप दत्ता राय, प्रमुख (मानव संसाधन परिचालन) श्री सी मालोलन, प्रमुख (परियोजना नवोदय एवं शाखा रूपान्तरण) श्री अरविंद लोही तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहें.

भोपाल उत्तर क्षेत्र की सेवा शाखा का उद्घाटन

ग्राहकों को बेहतर सुविधा प्रदान करने हेतु दिनांक 12 मार्च, 2020 को भोपाल उत्तर क्षेत्र की सिटी बैंक ऑफिस तथा क्षेत्रीय बैंक ऑफिस को साकेत नगर, पंचवटी में स्थित सेवा शाखा में स्थानांतरित किया गया. इसका उद्घाटन अंचल प्रमुख श्री सुरेन्द्र शर्मा द्वारा किया गया. इस अवसर पर श्री आर. सी. यादव, उप महाप्रबंधक व क्षेत्रीय प्रमुख भोपाल उत्तर क्षेत्र, श्री एस. एन. पालीवाल, सीबीओ प्रमुख, श्री राहुल भार्गव, आरबीओ प्रमुख तथा सभी सम्मानित ग्राहक उपस्थित थे.

खेड़ा क्षेत्रीय कार्यालय के नए परिसर का उद्घाटन

09 जनवरी, 2020 को खेड़ा क्षेत्र के नवीन परिसर का उद्घाटन कार्यपालक निदेशक श्री शांतिलाल जैन और जिलाधिकारी श्री आई के पटेल की उपस्थिति में किया गया. इस अवसर पर अहमदाबाद की अंचल प्रमुख श्रीमती अर्चना पाण्डेय, उप अंचल प्रमुख श्री मोतीलाल मीणा, क्षेत्रीय प्रमुख श्री महेन्द्र बी वाला एवं उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री मयूर पी ईदनानी तथा क्षेत्रीय कार्यालय के स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

रायपुर क्षेत्र द्वारा बैंक के उत्पादों से संबंधित मोबाइल वैन का उद्घाटन

रायपुर क्षेत्र द्वारा बीटीएल गतिविधि के अंतर्गत रायपुर शहर में विभिन्न बैंकिंग उत्पादों का प्रचार–प्रसार करने हेतु मोबाइल वैन का शुभारंभ किया गया. इसका उद्घाटन रायपुर के क्षेत्रीय प्रमुख श्री रंजीत कुमार मंडल, द्वारा दिनांक 14 फरवरी, 2020 को किया गया.

डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल शाखा के नवीनीकृत परिसर का उद्घाटन

20 फरवरी, 2020 को दिल्ली महानगर क्षेत्र–1 की डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल शाखा के नवीनीकृत परिसर का उद्घाटन श्रीमती मीनाक्षी भारद्वाज, चिकित्सा अधीक्षक (डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल) द्वारा किया गया. इस अवसर पर महाप्रबंधक (मुख्य समन्वयन) श्री आर.के. मिगलानी, प्रमुख (सरकारी कारोबार) श्री जी बी पांडा, अंचल प्रमुख श्री दविन्दर पाल ग्रोवर, क्षेत्रीय प्रमुख श्री घनश्याम सिंह, उप क्षेत्रीय प्रमुख द्वय श्री पी के सिंह तथा श्री बलजीत सिंह तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

जयपुर क्षेत्र की फ़तेहपुर शाखा के नवीकृत शाखा परिसर का उद्घाटन

02 मार्च, 2020 को जयपुर क्षेत्र की फ़तेहपुर शाखा के नए परिसर का उद्घाटन क्षेत्रीय प्रमुख एवं उप महाप्रबंधक श्री प्रदीप कुमार बाफना द्वारा किया गया. इस अवसर पर उन्होंने एक ग्राहक गोष्ठी को भी संबोधित किया. कार्यक्रम में विभिन्न ग्राहक एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

भारतीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखा

बैंकिंग उद्योग

की मौजूदा चुनौतियां

ग्रामीण पुनर्संरचना, स्वास्थ्य, उद्योग तथा शिक्षा में सुधार के द्वारा गरीबी उन्मूलन तथा आर्थिक पुनरुथान जैसे समाज कल्याणकारी कार्यों के निर्वहन में बैंकिंग उद्योग की महत्वपूर्ण भूमिका है. आज के नीति निर्माता, बैंकिंग क्षेत्र के सहयोग से आज भी इस उद्देश्य को पूरा करने में लगे हुए हैं.

बैंक किसी भी अर्थव्यवस्था की जीवन रेखा है तथा आर्थिक विकास को सक्रिय बनाने और उसे कायम रखने में उत्प्रेरक की भूमिका निभाते है, विशेष रूप से विकासशील देशों में, और भारत भी इसका अपवाद नहीं है. हालांकि हमारी बैंकिंग प्रणाली इस समय कई तरह की चुनौतियों का सामना कर रही है लेकिन इन चुनौतियों पर यदि तत्काल पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया तो आर्थिक विकास की गति धीमी पड़ जाएगी. इसका बैंकों तथा अर्थव्यवस्था दोनों पर ही प्रभाव पड़ेगा क्योंकि विकास के लिए सशक्त बैंकिंग प्रणाली एक अत्यावश्यक घटक है. आज मौजूदा आर्थिक परिदृश्य तथा परिस्थितियों में बैंकिंग प्रणाली की उभरती चुनौतियों से परिचित होना प्रत्येक बैंकर की आवश्यकता है.

माइक्रो इकॉनॉमिक परिदृश्य

अभी भी बहुत से क्षेत्र वित्तीय कमजोरियों तथा माइक्रो इकॉनॉमिक असंतुलनों का सामना कर रहे हैं. तेल की कीमतों से जुड़े भौगोलिक–राजनैतिक जोखिम तथा मुद्रा और पण्यों की कीमतों में उठा–पटक से आर्थिक स्थिरता को खतरा बना हुआ है. विकसित अर्थव्यवस्थाओं में उच्च सामंजस्यकारी मौद्रिक नीति का बना रहना भारत जैसे उभरते बाज़ारों में मौद्रिक नीति की चुनौतियाँ पैदा कर रहा है.

बैंकिंग प्रणाली के लिए चुनौतियाँ

भारत की बैंकिंग प्रणाली ऐसी चुनौती भरी पृष्ठभूमि में अपेक्षाकृत लंबे समय से कार्य कर रही है जिसके कारण हमारे बैंकों की आस्ति गुणवत्ता, पूंजी पर्याप्तता तथा लाभ पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है. किन्तु यदि इन चुनौतियों को समझकर और आगे की रणनीति पर योजना बनाकर उसे क्रियान्वित किया जाए तो बैंकिंग उद्योग एक सुदृढ़ राह की ओर अग्रसर हो सकता है.

i) आस्ति गुणवत्ता

यद्यपि देखा जाए तो समग्र रूप से बैंकिंग प्रणाली ने अपना दम–खम बनाए रखा है, लेकिन सतत मंदी के कारण आस्ति गुणवत्ता हमेशा दबावग्रस्त रही है. बैंकिंग प्रणाली में सकल अनर्जक अग्रिमों तथा निवल अनर्जक आस्तियों में बढ़ोतरी हुई है. यदि इसे अलग से देखा जाए तो अनर्जक आस्तियों का अनुपात अधिक दबावग्रस्त प्रतीत नहीं होता, लेकिन यदि हम सकल अनर्जक अग्रिमों में पुनर्संरचित आस्तियों की संख्या मिला दें तो यह भयावह रूप ले लेता है. बैंक समूहों में दबाव का स्तर एक समान नहीं है, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में यह अधिक पाया गया है.

हाल ही में आईएमएफ़ द्वारा प्रकाशित वैश्विक वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट में की गई टिप्पणियों पर भी यहाँ गौर किया जाना चाहिए. यदि हम कॉर्पोरेट लिवरेज के उच्च स्तरों को देखें तो रिपोर्ट दर्शाती है कि भारत के कुल ऋण का 36.9 प्रतिशत जोखिम में है, जो कि उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक है जबकि भारतीय बैंकों के पास जोख़िम झेलने का ही बफर सबसे कम मात्र 7.9 प्रतिशत है. इन संख्याओं की वैधता को शायद अलग से प्रमाणित करने की जरूरत पड़े, इसके बावजूद यह भारतीय बैंकों के आस्ति पोर्टफोलियो के सापेक्ष जोखिम को प्रकट करती हैं.

विदित है कि केंद्रीय बैंक ने कॉर्पोरेट तथा वित्तीय संस्थाओं की परेशानी से निपटने के लिए प्रणालीगत क्षमता को सुधारने हेतु कई कदम उठाए हैं. इसमें वित्तीय दबाव की शुरू में ही पहचान करना; ऋणदाताओं के लिए समाधान तथा उचित वसूली हेतु तुरंत उपाय; अर्थव्यवस्था में दबावग्रस्त आस्तियों को फिर से दुरुस्त करने की रूपरेखा; संयुक्त ऋणदाता फोरम (जेएलएफ़) के गठन पर विस्तृत दिशानिर्देश; सुधारात्मक कार्य योजना (सीएपी); प्रोजेक्ट ऋणों का पुनर्वित्तीयन; बैंकों द्वारा एनपीए की बिक्री तथा अन्य विनियामक उपायों'' पर दिशानिर्देश जारी करना शामिल है, जो वित्तीय दबाव की शुरू में ही पहचान करने की आवश्यकता तथा इन्हें सुधारने, पुनर्संरचित करने या वसूली हेतु तुरंत उपाय करने पर बल देता है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ऋणदाताओं तथा निवेशकों के हितों की रक्षा की जाती है.

बैंक ने केंद्रीय बैंक के दिशा– निर्देशों के अनुरूप पुनर्संरचित खातों के आस्ति वर्गीकरण पर प्रबंधन द्वारा बरती गई नरमी को समाप्त करने के लिए एक रोडमैप तैयार किया था. यह पुनर्संरचना एक न्यायसंगत वित्तीय गतिविधि है जो उधारकर्ताओं को अल्प अवधि की समस्याओं से उबारने तथा प्रणालीगत आर्थिक मूल्यों को बचाए रखने में सहायक है. ऐसे ऋण की पुनर्संरचना जारी रहनी चाहिए जो अल्पावधि दबाव में हैं. नकारने की अवस्था में बना रहना किसी के लिए भी लाभकारी नहीं होगा, विशेष रूप से परस्पर जुड़े माहौल में जहां विनियम बनाना आवश्यकता हो गया है तथा उसी तरह से सार्वजनिक जांच भी जरूरी हो गई है, क्योंकि विनियामक द्वारा बैंक की वित्तीय जांच करते समय बरती गई किसी भी तरह की नरमी को निवेशक/विश्लेषक समुदाय खारिज कर देगा.

ii) बैंकों की पूंजी पर्याप्तता

अपने कारोबार को मजबूती प्रदान करने के लिए अतिरिक्त पूंजी की उगाही करने में हमें अपनी क्षमता में वृद्धि करनी होगी. और मेरा यह मानना है कि इसे पूरी तरह से गलत भी नहीं ठहराया जा सकता, विशेष रूप से सरकारी बैंकों के मामले में. आस्ति गुणवत्ता में गिरावट, बासेल III पूंजी मानकों के

लागू होने, आने वाले दिनों में ऋण मांग के बढ़ने तथा जोखिम आधारित पर्यवेक्षण ढांचे के अंतर्गत अतिरिक्त जोखिम क्षेत्रों को कवर करने के लिए अपेक्षित पूंजी के फलस्वरूप अधिक प्रावधान की आवश्यकता होगी और उसके लिए उच्च स्तर की पूंजी पर्याप्तता जरूरी है.

बैंकिंग प्रणाली में सीआरएआर में धीरे-धीरे गिरावट आ रही है, बैंक स्टॉक के खराब मूल्यांकन से, विशेष रूप से सरकारी बैंकों के मामले में स्थिति और भी बिगड़ गई है क्योंकि इक्विटी की उगाही करना कठिन हो गया है. ऐसी स्थिति में जबकि सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले सरकारी बैंक भी अपने पूंजी स्तरों को बढ़ाने के लिए बाज़ार का फायदा उठाने में झिझक रहे हैं, कमजोर सरकारी बैंकों के लिए बाज़ार से संसाधनों की उगाही करना कठिन होगा. सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने में उनका स्वामित्व रखनेवालों को बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है, अत: अच्छा प्रदर्शन न करने वाले बैंकों के समक्ष अपनी पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नए माध्यमों को तलाशने की चुनौती है. एकमात्र लाभप्रदता अनुपात (आरओए तथा आरओई) पर ही बल देने से शायद बैंकों के प्रदर्शन के अन्य पक्षों को नज़रअंदाज़ कर दिया जाता है तथा शायद इससे बैंक प्रबंधन अल्पावधि लाभप्रदता-उन्मुख दृष्टिकोण की ओर मुड़ जाता है. तथापि, इस दृष्टिकोण के नफा-नुकसान को नजरंदाज करते हुए एक विनियामक नजरिए से हम महसूस करते हैं कि यदि खराब प्रबंधन वाले बैंक जल्द से जल्द अपनी कार्यक्षमता में सुधार नहीं लाते हैं तो इनमें से कुछ विनियामक द्वारा तय किए गए थ्रेशहोल्ड से नीचे जा सकते हैं. तथापि आगे चलकर यदि उच्च वृद्धि के कारण आस्ति गुणवत्ता में सुधार आता है और इसके कारण बैंकों का प्रतिधारित अर्जन बढ़ जाता है तो दबाव कुछ कम हो सकता है, समय की मांग है कि सभी बैंक विशेष रूप से सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक अपनी पूंजी को जहां तक संभव हो संरक्षित रखें और उसका उपयोग अत्यधिक दक्षता पूर्वक करें.

(iii) एलसीआर फ्रेमवर्क

बैंकों की अल्पावधि तरलता जोखिम से निपटने के लिए एलसीआर कुल निवल नकदी प्रवाह के प्रति उच्च गुणवत्ता तरल आस्ति (एचक्यूएलए) का अनुपात है तथा बैंकों से अपेक्षित है कि वे कुल निवल नकदी प्रवाह के बराबर एचक्यूएलए का स्टॉक सतत आधार पर बनाए रखें.

बैंक एलसीआर ढांचे को लागू किए जाने का उल्लेख करते हुए एसएलआर घटाने की मांग करते रहे हैं. काफी हद तक उनकी मांग जायज है. निश्चित रूप से एसएलआर उन्हीं उद्देश्यों की पूर्ति करता जो एलसीआर के द्वारा भी साध्य किए जा सकते है है. तथापि, एसएलआर देयताओं के लिए कतिपय आउटफ्लो दर का अनुमान नहीं लगाता, जबकि एलसीआर ढांचे के अंतर्गत आउटफ्लो तथा इनफ्लो दरें दबाव के कतिपय अनुमानों पर आधारित हैं. वर्तमान में, 100% पर एलसीआर बनाए रखने के अलावा, बैंकों को एनडीटीएल का 19% एसएलआर के रूप में बनाए रखना है.

ज्ञातव्य है कि जैसे- जैसे एलसीआर अपेक्षाएं क्रमिक रूप से बढ़ती जा रही है यह वांछनीय होता जा रहा है कि एसएलआर को धीरे-धीरे घटाया जाए. वर्तमान में, एक विशेष दिशानिर्देश के तहत रिज़र्व बैंक ने बैंकों को यह अनुमति दी हुई है कि वे एसएलआर का 16.50% एलसीआर के लिए रखें (1 दिसंबर 2019 से प्रभाव तिथि अनुसार एमएसएफ़ का 2% तथा एफ़एएलएलसीआर के तहत 14.50%) यह हमारे लिए शुभ संकेत है कि हमारे विनियामकों के ध्यान में यह समस्या आ चुकी है तथा आगे चलकर वह इस पर ध्यान देने के लिए उचित उपाय करेंगे.

(iv) अनहेज्ड फॉरेक्स जोखिम

विदेशी मुद्रा बाज़ार में जबरदस्त उथलपुथल, विदेशों से भारी मात्रा में ऋण लेनेवाली भारतीय कंपनियों की बहियों पर बड़ा दबाव डालने की क्षमता रखती है. इस दबाव से उनकी विदेशी मुद्रा देयताओं की चुकौती तो प्रभावित होती ही है साथ ही घरेलू ऋणदाताओं की ऋण चुकाने की क्षमता भी बाधित होती है. यही वह वजह है जिसके कारण रिज़र्व बैंक कॉरपोरेटों को पर्याप्त जोखिम बचाव के बिना डॉलर में ऋणों को बढ़ाने की बढ़ती प्रवृत्ति पर रोक लगाने का समर्थन करता रहा है.

बैंकों के लिए यह आवश्यक है कि वे अपने कॉर्पोरेट उधारकर्ताओं के अनहेज्ड फॉरेक्स एक्सपोजर से संभावित जोखिम को कम करने हेतु अधिक सशक्त नीतियां बनाएं. अपर्याप्त डाटा से समस्त बैंकिंग प्रणाली में ऐसे एक्सपोजरों के प्रभाव का मूल्यांकन और भी जटिल हो जाता है. हमें अपनी नीतियों/कीमत निर्धारण निर्णय में इस जोखिम पर ध्यान देना होगा तथा ऐसे एक्सपोजरों पर सूचना शेयर करने हेतु नए माध्यमों को भी प्रारम्भ करना होगा.

(v) मानव संसाधन मुद्दे

संसाधन की कमी को दूर करना तथा कर्मचारी टर्नओवर का प्रबंधन ऐसी बड़ी चुनौतियां है जिनसे हमें निपटना होगा. हमें नियमित रूप से अपने कर्मचारियों के कौशल स्तरों को समृद्ध करने की जरूरत है ताकि वे अर्थक्षम और प्रतिस्पर्धा में बने रहे और नए अवसरों का लाभ उठा सकें. सभी वर्गों के बैंकिंग कर्मचारियों को उनके अपने कार्यों को और अधिक निपुणता से करने में दक्ष बनाने के लिए उचित रूप से प्रशिक्षित किए जाने की आवश्यकता है. सबसे बड़ी चुनौती है उसी तेजी से दक्षता निर्माण करना जो सेवानिवृत्ति तथा सेवा-त्याग की वजह से घट रही मौजूदा योग्यता और कौशल की भरपाई कर सके. प्रशिक्षण पहल में यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि बैंकों में उपलब्ध सुयोग्य कर्मचारियों का समूह हमेशा तेजी से बदलती बैंकिंग के तौर-तरीकों के साथ कदमताल कर सके. वास्तव में, इन चुनौतियों में बैंकों के लिए संभावनाएं भी मौजूद हैं जिससे वे अपने संगठनात्मक प्रोफाइल को नया स्वरूप प्रदान कर सकते हैं और भविष्य की आवश्यकताओं के लिए सर्वाधिक उपयुक्त एचआर प्रणालियाँ तथा पद्धतियां तैयार कर सकते है.

कुल मिलाकर यदि हमारे समक्ष चुनौतियां हैं तो उनसे निपटने का समाधान भी और कुछ हद तक संसाधन भी. बस हमें अपनी सेवाओं को गुणवत्तापरक एवं बेहतर बनाए रखने हेतु नवोन्मेषिता को ध्यान में रखना होगा एवं जन हितार्थ एवं व्यवसाय वृद्धि के प्रयास करते हुए यह ध्यान रखना होगा कि बैंकिंग क्षेत्र हमारी अर्थव्यवस्था की जीवन रेखा है.

❖❖❖

मोअज़्ज़म मसूद,
उप क्षेत्रीय प्रबन्धक,
कोटा क्षेत्र

How To Manage Work Stress Effectively?

Stress and its effects :

In psychological terms, stress is defined by Professor Richard Lazarus as "a condition or feeling experienced when a person perceives that demands exceed the personal and social resources the individual is able to mobilize." This means that if you believe that you don't have the time, resources, or knowledge to handle a situation, you experience stress. In short, you experience stress when you feel "out of control."

The stress response is the body's way of protecting you. When working properly, it helps you stay focused, energetic, and alert. In emergency situations, stress can save your life—giving you extra strength to defend yourself. Stress can also help you rise to meet challenges and sharpen your concentration. But beyond a certain point, stress stops being helpful and starts causing major damage to your health creating cardiovascular disease, stroke, depression, high blood pressure, and a weakened immune system. It also badly affects your mood, your productivity, your relationships and quality of your life.

Stress at workplace :

Stress at workplace is expected and normal. But, in today's world, the workplace seems like an emotional roller coaster. Global urbanization, competition and the spread of technology have created a world in which access to information has become an obligation and necessity. People are now held accountable for their actions. Long hours, tight deadlines, and ever-increasing demands can leave you feeling worried, drained, and overwhelmed. And when stress exceeds your ability to cope, it stops being helpful and starts causing damage to your mind and body as well as to your job satisfaction.

You can't control everything in your work environment, but that doesn't mean you're powerless, even when you're stuck in a difficult situation. If stress on the job is interfering with your work performance, health, or personal life, it's time to take action. Whatever may be your work demands, there are steps you can take to protect yourself from the damaging effects of stress, improve your job satisfaction, and bolster your well-being in and out of the workplace.

Ways to manage work stress :

"Everyone feels overwhelmed and overly busy in modern world" says Sharon Melnick Ph.D., a business psychologist and author of the book "Success Under Stress". Citing 10 years of Harvard research and field-tested by more than 6,000 clients and trainees, Sharon Melnick offers the following four strategies to take your work stress down a peg, before it takes over your life.

Act rather than react :

"We experience stress when we feel that situations are out of our control," says Melnick. It activates the stress hormone and, if chronic, wears down confidence, concentration and well-being. She advises that you identify the aspects of the situation you can control and aspects you can't. Typically, you're in control of your actions and responses, but not in control of macro forces or someone else's tone, for example. "Be impeccable for your 50%," she advises. And try to let go of the rest.

Take a deep breath :

If you're feeling overwhelmed or are coming out of a tense meeting and need to clear your head, a few minutes of deep breathing will restore balance, says Melnick. Simply inhale for five seconds, hold and exhale in equal counts through the nose. "It's like getting the calm and focus of a 90-minute yoga class in three minutes or less at your desk," she says.

Eliminate Interruptions :

"Most of us are bombarded during the day," says Melnick. Emails, phone calls, pop-ins, instant messages and sudden, urgent deadlines conspire to make today's workers more distracted than ever. While you may not have control over the interrupters, you can decide what you should meet, what you should delegate and what you should avoid and act accordingly.

Prioritize your priorities :

With competing deadlines and fast-changing priorities, it's critical to define what's truly important and why. That requires clarity, says Melnick. It's important to understand your role in the organization, its strategic priorities, and your personal goals and strengths. Prepare and follow your to-do list by focusing on those projects that will have the most impact and are best aligned with your goals.

Other useful tips :

The following tips are taken from articles and books of other stress experts and they can help you to reduce and manage the work stress.

- Create a balanced schedule. All work and no play is a recipe for burnout. Try to find a balance between work and family life, social activities and solitary pursuits, daily responsibilities and downtime.
- Break projects into small steps. If a large project seems overwhelming, focus on one manageable step at a time, rather than taking on everything at once.
- Delegate responsibility. You don't have to do it all yourself. Let go of the desire to control every little step. You'll be letting go of unnecessary stress in the process.
- Turn to co-workers for support. Having a solid support system at work can help buffer you from the negative effects of job stress. Just remember to listen to them and offer support when they are in need as well.
- Develop healthy responses. Instead of attempting to fight stress with fast food or alcohol, do your best to make healthy choices when you feel the tension rise. Exercise is a great stress-buster. Yoga can be an excellent choice, but any form of physical activity is beneficial. Also make time for hobbies and favourite activities.
- Don't make mountains out of molehills. One of the best ways to make your day and life easier, lighter and less stressful is to not build mountains out of molehills. Do not create extra drama, over-think or create a problem out of something that doesn't matter much.
- Above all, remember that there nothing exists like work pressure until you are doing the things you love. We have been heard the phrase "Do what you love, and love what you do", but rarely we believe in it. If you understand your work as your job, as your money source, you would get tired soon in your life. So discover positive things in your work and learn to love your work for them. You will never feel work pressure.

Conclusion :

Certain things we can't take back. We can't flick a switch and slow down the world – the pace of innovation, market competition and limited availability of time are just too fast for that. To some extent, all that extra stress and pressure will be here to stay. But if we follow the above suggestions and make small changes to our work styles, we can hugely reduce our stress levels and cope up with our work better.

❖❖❖

N Ganeshan
Business Associate
Dr. Nanjappa Road Branch, Coimbatore

ग़ज़ल

जीवन एक सफर

सपने सजाकर चला गांव से था,
खुले मेरे ख्वाबों के पर धीरे–धीरे।
मुश्किलों की चुनौती सामने थी मगर,
उठाता गया यों ही सर धीरे–धीरे।
किसी को गिराया न खुद को उछाला,
बढ़ा जिंदगी का सफर धीरे–धीरे।
जहां लोग पहुंचे छलांगे लगाकर
वहां मैं भी पहुंचा मगर धीरे–धीरे।

न हंसकर न रोकर किसी में उड़ेला,
पिया खुद ही अपना जहर धीरे–धीरे।
बैंकिंग की दुनिया बड़ी है निराली,
अब आनंद आने लगा धीरे–धीरे।
संस्कृति की नगरी रास आने लगी है,
कर्ज लेकर बसेरा बना धीरे–धीरे।
चाहता हूं यह जीवन नेकी में लगे,
बनके पतवार जीऊं धीरे–धीरे॥

अनिल राणा
व्यवसाय सहयोगी
मुख्य शाखा, मांडवी, बड़ौदा

ऋण आस्तियों की गुणवत्ता का प्रबंधन

समय की आवश्यकता

ऋण देना बैंक का एक मूलभूत कार्य है. बैंकों का कार्य जनता से जमा राशियां लेना और उनको उत्पादक प्रयोजनों के लिए ऋण के रुप में निवेश करके या सरकारी या अन्य प्रतिभूतियों में निवेश करके लाभ अर्जित करना है. बैंक की आय का प्रमुख स्रोत ऋणों से प्राप्त ब्याज है, इसलिए ऋणों को बैंक की तकनीकी भाषा में आस्तियों के रुप में भी जाना जाता है, क्योंकि यह बैंक के लिए आस्तियां हैं, जिन पर बैंक आय अर्जित करता है और उससे अपने विभिन्न व्यय करता है. इन आस्तियों का स्वास्थ्य खराब होने या ऋण खातों के परिचालन में बाधा आने पर बैंक की ब्याज से प्राप्त होने वाली आय में बाधा आ जाती है. आज सभी बैंक आस्तियों की गुणवत्ता की समस्या से जूझ रहे हैं, इसलिए हमें ऋणों को बढ़ाने के साथ – साथ उनकी गुणवत्ता पर भी ध्यान केंद्रित करना होगा, ताकि भविष्य में वे आस्तियां बैंक के लिए समस्या न बन जाएं.

ऋणों की गुणवत्ता बनाये रखने का कार्य ऋणों की स्वीकृति के समय से ही आरंभ हो जाता है. यदि इस स्तर से ही ऋण खातों की स्थिति की ओर ध्यान दिया जाए तो ऋण खातों में मानक परिचालन की स्थिति बनी रहेगी. इस लेख में इन्हीं पक्षों पर विचार किया गया है. ऋण खाते को सुपरिचालन की स्थिति में बनाये रखने के लिए कुछ सुझाव निम्नलिखित हैं–

1. ऋण स्वीकृति से पहले ग्राहक से विचार–विमर्श

जब ग्राहक ऋण के लिए किसी शाखा में जाता है तो वह शाखा में शाखा प्रबंधक या ऋण विभाग के अधिकारी से संपर्क करता है. शाखा प्रबंधक अथवा बड़ी शाखाओं में ऋण विभाग के अधिकारी भावी ग्राहक के साथ बात करते हैं. कई बार ग्राहक की ओर से उसके प्रतिनिधि, जो सामान्य व्यक्ति भी हो सकते हैं या चार्टर्ड अकाउंटेंट भी हो सकते हैं, संपर्क करते हैं और ग्राहक के कारोबार की जानकारी और उसकी ऋण की आवश्यकता के बारे में जानकारी देते हैं. यदि इस बातचीत के दौरान ग्राहक से उसके कारोबार और उसकी वित्तीय स्थिति के बारे में पूर्ण जानकारी ली जाए, तो आगे के लिए कार्य आसान हो जाएगा. कुछ व्यक्ति कुछ जानकारी जानबूझकर छिपाकर बैंक से अनावश्यक ऋण प्राप्त करके उसका दुरुपयोग करते हैं, जिससे ऋण का उपयुक्त उपयोग नहीं हो पाता और ऋण की चुकौती कठिन हो जाती है और ऋण की एनपीए होने की संभावना भी बढ़ जाती है. इसलिए बातचीत में ही संभावित ग्राहक के बारे में पूरी जानकारी न मिले तो उसके बारे में अन्य स्रोतों से जानकारी प्राप्त करने के प्रयास किए जाने चाहिए. यह अन्य स्रोत हैं – जैसे स्टाफ सदस्य, हमारे वर्तमान ग्राहक, अन्य बैंकों की स्थानीय शाखाओं के अधिकारी, सिबिल में उपलब्ध सूचनाएं, प्रधान कार्यालय से सतर्कता के बारे में समय – समय पर जारी परिपत्र. इनके अतिरिक्त ग्राहक से सहज रुप में बात करने पर भी उसके पूर्व वृत्त के बारे में जानकारी मिल सकती है.

2. ऋण स्वीकृति से पूर्व ग्राहक एवं संभावित प्रतिभूतियों का जांच

ऋण स्वीकृति पूर्व दौरे के समय अगर दिए गए पते पर स्वतंत्र रुप में जाएं तो ग्राहक के बारे में वास्तविक जानकारी मिल सकती है. अधिकांशतः यह देखा गया है कि ग्राहक के साथ ही शाखा के अधिकारी उसकी संपत्ति या प्रतिभूतियों को देखने के लिए जाते हैं. कई बार, धोखेबाज व्यक्ति, अधिकारियों की अनभिज्ञता का लाभ लेकर कोई अन्य संपत्तियां भी दिखा देते हैं, जिससे धोखाधड़ी की संभावनाएं बढ़ जाती हैं.

3. प्रतिभूति के दस्तावेजों की जांच या सत्यापन

ऋण पर विचार करने से पहले बैंक अधिकारी प्रतिभूतियों की जांच करते हैं, उसके मूल दस्तावेज देखते हैं, जमा रसीदों पर ऋणों के मामलों में या आवास ऋण के मामलों में कई बार मूल दस्तावेज की रंगीन जेरोक्स भी धोखेबाज लोगों द्वारा प्रस्तुत की गई, जिनके बारे में बाद में पता लगता है और तब तक बहुत देर हो चुकी होती है. इसलिए आवास ऋणों या मॉर्टगेज ऋणों या अन्य ऐसे बड़े ऋणों के बारे में जिनमें बड़ी संपत्तियों का प्रतिभूतियों के रुप में प्रस्ताव दिया गया हो, उनके स्वामित्व के बारे में उप पंजीयक के कार्यालय से अपने बैंक की सूची में शामिल एडवोकेट के माध्यम से जांच करवायी जानी चाहिए और प्रधान कार्यालय द्वारा निर्धारित फार्मेट में एडवोकेट से प्रमाणपत्र प्राप्त किया जाना चाहिए.

4. सेक्टर विश्लेषण– संबंधित ऋण के लिए संबंधित सेक्टर का मूल्यांकन

ऋण मूल्यांकन के लिए बैंक द्वारा निर्धारित विभिन्न अनुपातों के विश्लेषण की प्रक्रिया पूर्ण की जानी चाहिए और बैंक की विभिन्न साख नीतियों का पूर्ण अनुपालन किया जाना चाहिए. बडे ऋणों के मामलों में ऋण प्रस्तावों का तकनीकी दृष्टि से भी मूल्यांकन किया जाना चाहिए, जिससे यह जानकारी प्राप्त होगी कि किसी सेक्टर विशेष में ऋण दिये जाने से उस उद्योग की भविष्य में क्या स्थिति होगी.

5. ग्राहक के कारोबार एवं बाजार प्रवृत्तियों पर नजर

अर्थव्यवस्था के जिस क्षेत्र के उधारकर्ताओं को बैंक द्वारा ऋण दिया गया

है, उस क्षेत्र से संबंधित बाजार प्रवृत्तियों पर बैंक अधिकारियों तथा शाखा प्रबंधकों द्वारा निगरानी रखी जानी चाहिए. यदि किसी कारोबार क्षेत्र विशेष में बैंक ने अधिक ऋण दिया है तो उसमें बैंक का जोखिम अधिक बढ़ जाता है. इसलिए यदि बाजार की प्रवृत्तियों के अनुसार ऋण जोखिम को नियंत्रित किया जाए तो बैंक की आस्तियों को अच्छी स्थिति में रखा जा सकेगा.

6. ऋण स्वीकृति की शर्तें

ऋण स्वीकृति की शर्तों में कोई ढ़ील नहीं दी जाए. शर्तें पूर्ण करने के बाद ही ऋण वितरण किया जाना चाहिए. यदि कोई शर्त पूर्ण न हो तो ऋण वितरण के बाद उसके बारे में कार्रवाई करने में शाखा अधिकारियों को कठिनाई होगी.

7. ऋण वितरण पश्चात उपयोग की जांच

बैंक द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार ऋण वितरण के बाद, इस बात का सत्यापन करने के लिए कि ऋण की राशि का उसी प्रयोजन के लिए उपयोग हुआ है, जिसके लिए वह स्वीकृत की गई है, इसके सत्यापन के लिए बैंक के अधिकारियों को उधारकर्ता द्वारा दिए गए पते पर सत्यापन करना होता है. यह सत्यापन भी स्वतंत्र रुप में किया जाना चाहिए और आवास ऋण जैसे ऋणों के मामलों में पूर्व सूचना के बिना ग्राहक द्वारा दिए गए पत्ते पर संपर्क किए जाने से वास्तविक स्थिति ज्ञात हो सकती है.

8. वार्षिक समीक्षा

नकद उधार सुविधाओं या सीसी ऋण सीमाओं के मामलों में बैंक के ऋणों की स्थिति की जांच करने के लिए यह एक महत्वपूर्ण अवसर है. नकद उधार ऋण सीमाओं के मामलों में ऋणों के नवीकरण से संबंधित दस्तावेज समय पर प्राप्त करके ऋणों की समीक्षा की जानी चाहिए. नवीकरण के समय संबंधित ऋण दस्तावेजों की वैधता की भी जांच होनी चाहिए.

9. ऋण खातों में अस्वस्थता के लक्षण महसूस होना

जब उधारकर्ता को कारोबार में कोई कठिनाई होती है, उसके उत्पाद की बिक्री कम हो जाती है, या वसूली नहीं हो पा रही है या अन्य कोई बाहरी कारणों से वह समय पर ऋण की चुकौती नहीं कर पाता, तो उसका असर उसके ऋण खाते पर दिखाई देता है. खाते में ब्याज का भुगतान या किस्त का भुगतान समय पर नहीं होता, उधारकर्ता के चेक वापस लौटाने पड़ते हैं, ऐसी स्थिति में बैंक अधिकारियों द्वारा उधार कर्ता से तुरंत संपर्क किया जाना चाहिए और उनकी कठिनाई ज्ञात करनी चाहिए.

10. खाता एन.पी.ए. होने की स्थिति में प्रयास

जब कोई खाता अनर्जक हो जाता है, तो उस पर बैंक को कोई आय नहीं होती. खाता जितने अधिक समय तक एन.पी.ए. की श्रेणी में रहेगा, उतना ही अधिक उसमें वसूली की संभावनाएं कम होती जायेंगी. इसलिए खाते को एन.पी.ए. घोषित होते ही उसमें विधिक रुप में अथवा व्यक्तिगत संपर्क से या अन्य वैध व औपचारिक माध्यमों से वसूली के प्रयास किए जाने चाहिए.

11. नियंत्रक कार्यालय स्तर पर कार्रवाई

शाखा स्तर पर शाखा प्रबंधक के विवेकाधिकार में स्वीकृत ऋणों का विवरण अगले नियंत्रक कार्यालय (क्षेत्रीय / अंचल कार्यालय) को मासिक रुप में भेजा जाता है. क्षेत्रीय / अंचल कार्यालय के नियंत्रक प्राधिकारियों द्वारा या सतर्कता अधिकारियों द्वारा शाखाओं के दौरों के दौरान ऋण दस्तावेजों की या ऋण खातों में परिचालन की नमूना जांच की जाए तो शाखा के ऋण संविभाग के स्वास्थ्य की जानकारी मिल सकती है और जहां कहीं कमी हो, उसे तुरंत ठीक किया जा सकता है.

उपसंहार

बैंक का ऋण खाता एन.पी.ए. होना बैंक के लिए अच्छी स्थिति नहीं होती है, बैंक का प्रयास यह रहता है कि उसके खातों का स्वास्थ्य हमेशा मानक स्थिति में बनाए रखा जाए, ताकि उसकी ब्याज आय नियमित बनी रहे. एन.पी.ए. बैंक की ब्याज आय में एक बाधा हैं और नियामकों की दृष्टि में भी अधिक एन.पी.ए. बैंक की प्रगति में एक बाधा माने जाते हैं. इसलिए यह अत्यंत आवश्यक है कि बैंक ऋण देने के बाद ऋण खातों के स्वास्थ्य को बनाये रखने पर अधिक ध्यान दें. इससे संस्था की भी प्रगति होगी और संबंधित शाखा भी उसका गौरव प्राप्त कर सकेगी. वर्तमान प्रतियोगी युग में अनर्जक आस्तियों (एन.पी.ए.) की मात्रा भी बैंक के स्वास्थ्य और परिचालन के मापदण्ड का मानक बन गई है. इसलिए आस्तियों की गुणवत्ता बनाए रखना भी कारोबार सुदृढ़ बनाये रखने का एक अभिन्न अंग है.

❖❖❖

उमेश कुमार कनवाड़िया
प्रबंधक,
क्षेत्रीय कार्यालय, गोधरा

कोयम्बत्तूर क्षेत्र में हिन्दी संगोष्ठी का आयोजन

दिनांक 13 मार्च, 2020 को कोयम्बत्तूर क्षेत्र द्वारा उडुमलैपेट, कोयम्बत्तूर, कुन्नूर स्थित विश्वविद्यालयों तथा कालेजों के विद्यार्थियों के लिए एक दिवसीय हिंदी संगोष्ठी का आयोजन किया गया. इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा एवं संसदीय समिति) श्री पुनीत कुमार मिश्र उपस्थित रहे. कार्यक्रम में क्षेत्र के उप महाप्रबंधक श्री सी सेल्वराजू, सहायक महाप्रबंधक श्री के. मुरगैय्या तथा सहायक महाप्रबंधकद्वय श्री एम. जयकिशन एवं श्री पद्मनाभन अय्यर तथा अंचल की मुख्य प्रबंधक (राजभाषा) श्रीमती वी एम गौरी उपस्थित रहीं.

आणंद क्षेत्र की रास शाखा द्वारा सामूहिक आरोग्य केंद्र को आर्थिक सहायता

26 जनवरी, 2020 को आणंद क्षेत्र की रास शाखा द्वारा सामूहिक आरोग्य केंद्र को रु. 60,000/- की आर्थिक सहायता दी गई और बीमार लोगों के लिए जलपान की व्यवस्था की गई. इस अवसर पर आणंद क्षेत्र के उप महाप्रबंधक श्री आर के पाटिल एवं उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री एस पी शारदा प्रमुख रूप से उपस्थित थे.

राजकोट अंचल द्वारा दिव्यांग बच्चों की सहायता

26 जनवरी, 2020 को कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्वों के तहत दिव्यांग बच्चों के लिए मंत्रा फाउंडेशन को आवश्यक सामग्री भेंट की गई. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री संजीव डोभाल, उप अंचल प्रमुख श्री प्रदीप सचदेवा तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

जमशेदपुर क्षेत्र द्वारा व्हील चेयर एवं आरओ प्यूरीफायर का वितरण

जमशेदपुर क्षेत्र की मानगो शाखा द्वारा 05 फरवरी, 2020 को कार्पोरेट सामाजिक दायित्व के अंतर्गत ईसीएस अस्पताल, सोनारी में व्हील चेयर एवं आरओ प्यूरीफायर का वितरण किया गया. इस अवसर पर श्री संजय कुमार, उप क्षेत्रीय प्रमुख, जमशेदपुर क्षेत्र, आर्मी कैंप के कमांडिंग ऑफिसर और स्टेशन इंचार्ज तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

दिल्ली महानगर क्षेत्र -1 द्वारा विद्यालय में वाटर कूलर, प्रिन्टर तथा डिस्प्ले बोर्ड का वितरण

दिल्ली महानगर क्षेत्र-1 की पहाड़गंज शाखा द्वारा 24 जनवरी, 2020 को बड़ौदा अनूभूति कार्यक्रम के तहत सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय, पहाड़गंज में वाटर कूलर, प्रिन्टर तथा डिस्प्ले बोर्ड का वितरण किया गया. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री दविन्दर पाल ग्रोवर, क्षेत्रीय प्रमुख श्री घनश्याम सिंह, शाखा प्रमुख (पहाड़गंज शाखा) श्री एल. ए. खान तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

चंडीगढ़ अंचल द्वारा ब्रेल टाइपिंग मशीन का वितरण

चंडीगढ़ अंचल द्वारा सीएसआर गतिविधि के तहत दिनांक 29 जनवरी, 2020 को सेक्टर 26 स्थित ब्लाईंड स्कूल में ब्रेल टाइपिंग मशीन प्रदान की गई. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री एम. एल. रोहिल्ला व उप अंचल प्रमुख श्री ओ.पी. खटकड़ तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

दिल्ली महानगर क्षेत्र-3 द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्वों का निर्वहन

दिल्ली महानगर क्षेत्र-3 की नोएडा मुख्य शाखा तथा सेक्टर -29 शाखा द्वारा दिनांक 25 जनवरी, 2020 को संयुक्त रूप से आदर्श प्राइमरी सरकारी स्कूल, अट्टा के विद्यार्थियों को स्कूल बैग एवं मिठाई का वितरण किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री अश्वनी शर्मा, नोएडा प्राधिकरण के वित्त नियंत्रक तथा शाखा के स्टाफ उपस्थित थे.

पूर्णिया क्षेत्र द्वारा नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन

पूर्णिया क्षेत्र द्वारा 27 जनवरी, 2020 को सीएसआर के अंतर्गत जरूरतमंद लोगों के लिए नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया. इस अवसर पर पूर्णिया क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री जे के जायस, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री मृत्युंजय प्रसाद सिंह एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

दिल्ली महानगर क्षेत्र–3 द्वारा वाटर कूलर भेंट

दिल्ली महानगर क्षेत्र–3 की फरीदाबाद मुख्य शाखा तथा फरीदाबाद शाखा द्वारा दिनांक 26 जनवरी, 2020 को पंडित अमरनाथ हाई स्कूल में वॉटर कूलर एवं वॉटर प्यूरिफ़ायर भेंट किया गया. इस कार्यक्रम में श्री सिद्धार्थ चौधरी, शाखा प्रमुख सहित शाखा के स्टाफ सदस्यों ने भी सहभागिता की.

साबरकांठा क्षेत्र द्वारा मूक एवं बधिर स्कूल हिम्मतनगर में सामग्री वितरण

साबरकांठा क्षेत्र द्वारा 27 जनवरी, 2020 को मूक एवं बधिर स्कूल हिम्मतनगर में पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन एवं पाठ्य सामग्री का वितरण किया गया. इस अवसर पर साबरकांठा क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री ओ पी वीरेंद्र सिंह एवं हिम्मतनगर के शाखा प्रमुख उपस्थित रहे.

दिल्ली महानगर क्षेत्र–3 की मौजपुर शाखा द्वारा स्कूल में सामग्री वितरण

दिल्ली महानगर क्षेत्र–3 की मौजपुर शाखा द्वारा दिनांक 25 जनवरी, 2020 को एनडीएमई नगर निगम प्रतिभा विद्यालय, मोहनपुरी के प्राथमिक स्कूल के विद्यार्थियों को लंच बॉक्स एवं स्टेशनरी का वितरण किया गया. इस कार्यक्रम में शाखा प्रमुख श्री सरजीत सिंह सहित शाखा के स्टाफ सदस्यों ने भी सहभागिता की.

दिल्ली महानगर क्षेत्र–3 की ग्रेटर नोएडा, कासना एवं दनकौर शाखा द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्वों का निर्वहन

दिल्ली महानगर क्षेत्र–3 की ग्रेटर नोएडा, कासना एवं दनकौर शाखा द्वारा दिनांक 24 जनवरी, 2020 को प्राथमिक एवं जूनियर स्कूल के विद्यार्थियों को स्कूल बैग, कॉपी एवं स्टेशनरी का वितरण किया गया. इस कार्यक्रम में शाखा प्रमुख (ग्रेटर नोएडा शाखा) श्री चरण सिंह, शाखा प्रमुख (कासना शाखा) श्री राजीव जैन एवं शाखा प्रमुख (दनकौर शाखा) श्री शशि कुमार सहित शाखा के अन्य स्टाफ सदस्यों ने भी सहभागिता की.

दिल्ली महानगर क्षेत्र –1 द्वारा राम मनोहर लोहिया अस्पताल में सामग्री भेंट

10 फरवरी, 2020 को दिल्ली महानगर क्षेत्र–1 द्वारा राम मनोहर लोहिया अस्पताल में व्हील चेयर, वॉकर, कंबल, मिस्ट फैन तथा दवाइयां दान की गई. इस अवसर पर महाप्रबंधक (मुख्य समन्वयन) श्री आर के मिगलानी, अंचल प्रमुख श्री दविन्दर पाल ग्रोवर, क्षेत्रीय प्रमुख श्री घनश्याम सिंह, उप क्षेत्रीय प्रमुख द्वय श्री पी.के.सिंह एवं श्री बलजीत सिंह तथा डॉ. (प्रो.) मीनाक्षी भारद्वाज उपस्थित थे.

हुबली क्षेत्र द्वारा स्कूल बैग का वितरण

24 जनवरी, 2020 को हुबली क्षेत्र द्वारा गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में स्कूल के विद्यार्थियों को स्कूल बैग वितरित किए गए. इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय प्रमुख श्री श्रीनिवास रविपति, प्रधानाचार्य श्री आर वी कोटय्या, लैमिंगटन स्कूल डेवलपमेंट सोसाईटी के संयुक्त सचिव श्री मुरली कर्जगी उपस्थित थे.

विशाखापट्टणम क्षेत्र द्वारा दिव्यांगों को सामग्री का वितरण

विशाखापट्टणम क्षेत्र द्वारा गणतंत्र दिवस के अवसर पर कार्पोरेट सामाजिक दायित्व कार्यक्रम के तहत दिव्यांगों के लिए कृत्रिम पैर तथा खाद्यान्न उपलब्ध करवाया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रबंधक श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

इलाहाबाद मुख्य शाखा द्वारा वाटर कूलर का दान

13 फरवरी, 2020 को कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व के अंतर्गत मुख्य शाखा, इलाहाबाद द्वारा मूक व बधिर विद्यालय हेतु शुद्ध व ठंडे पेयजल हेतु वाटर कूलर भेंट किया गया. इस अवसर पर आरबीडीएम श्री राजीव रंजन सिंह, मुख्य शाखा प्रबन्धक श्री तपन कुमार दास व बैंक के स्टाफ तथा विद्यालय के शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे.

वर्द्धमान क्षेत्र द्वारा सामग्री का वितरण

बर्द्धमान क्षेत्र की शाखाओं द्वारा बड़ौदा अनुभूति कार्यक्रम के तहत 26 जनवरी, 2020 को विभिन्न स्थानों पर भोजन, वस्त्र, स्कूल बैग आदि का वितरण किया गया. साथ ही, बर्द्धमान क्षेत्र द्वारा गणतंत्र दिवस के अवसर पर गरीब जनों को कम्बल एवं भोजन का भी वितरण किया गया. इस अवसर पर बर्द्धमान क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री शांतनु मुखर्जी, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री दिलीप कुमार एवं क्षेत्रीय कार्यालय तथा बर्द्धमान स्थित शाखाओं के स्टाफ सदस्य गण उपस्थित थे.

रायबरेली क्षेत्र द्वारा जिला प्रशासन को कोविड 19 सुरक्षा किट का वितरण

रायबरेली क्षेत्र द्वारा 30 मार्च, 2020 को जनपद रायबरेली में कोविड–19 के महामारी के विरुद्ध लड़ाई में जिला प्रशासन की सहायता के लिए फुलफेस कवर युक्त आईएसओ सर्टिफाइड किट एवं फुल फेस कवर उपलब्ध कराए गए. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री अन्मय कुमार मिश्र, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री विकास कुमार ने रायबरेली कलेक्ट्रेट में एडीएम (प्रशासन) श्री राम अभिलाष को सामग्रियाँ सौंपी. कोविड–19 सुरक्षा किट के साथ बैंक ऑफ बड़ौदा के स्टाफ सदस्यों द्वारा मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए एकत्र एक लाख एक हज़ार रूपये की धनराशि का चेक भी दिया गया.

रायबरेली क्षेत्र द्वारा जिला प्रशासन को छाते का वितरण

26 मार्च, 2020 को रायबरेली क्षेत्र द्वारा शहर के प्रमुख मार्गों एवं चौराहों पर मुस्तैद लगभग 500 पुलिस कर्मियों एवं होमगार्डों को छाते का वितरण किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री अन्मय कुमार मिश्र तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

शिक्षा की उड़ान

आज मेरी पीएचडी पूरी हो गई. इस बात की खुशी मन में लिए मैं अपने कमरे में दाखिल हुई. मेरी रुम पार्टनर सो रही थी. मैं चुपचाप अपने लैपटाप में ई–मेल देखने लगी. एक ई–मेल देखते ही मेरी आँखें चमक उठी. केंद्र सरकार के राजस्व विभाग में मेरी नौकरी लगने का ईमेल. तभी मेरी नज़र सामने की दीवार पर टंगी तस्वीर पर गई. यह फोटो महज फोटो नहीं मेरी जिंदगी की उड़ान के पहले कदम की याद दिलाती है. इसे देखते ही मैं अतीत में खो गई. यह फोटो मुझे स्कूल के पहले दिन की याद दिलाती है. साथ ही बाबूजी की मेरे भविष्य के प्रति जागरूकता का एहसास कराती है.

कस्बे के सरकारी माध्यमिक विद्यालय में बाबूजी ने मेरा दाखिला करा दिया था. उस दिन के लिए मेरी माँ कई दिनों से तैयारी कर रही थी. तब स्कूल में ड्रेस कोई नहीं थी. अपनी मनपसंद ड्रेस में स्कूल जाने की छूट थी. अत: माँ ने मेरे लिए अपने हाथों से एक खूबसूरत गुलाबी फ्रॉक तैयार की. उस फ्रॉक पर माँ ने अपने मन की खूबसूरती को हुनर के रूप में टाँक दिया था. सुबह छ: बजे के लगभग माँ ने मुझे बहुत प्यार से जगाया. मेरी आँखें खुलते ही माँ ने मुझे अपने गोद में भर लिया और कहा आज स्कूल में तुम्हारा पहला दिन है और मैंने पूरी तैयारी कर ली है. जल्दी से उठो और तैयार हो जाओ स्कूल हमेशा समय पर जाना चाहिए. मुझे समझ में नहीं आ रहा था कि माँ आज इतनी प्रसन्न क्यों है. कमरे से बाहर आते ही मैंने देखा कि बाबूजी मेरी किताबों का बस्ता हाथ में लिए ओसारे में खड़े हैं. मैंने जल्दी से बाबूजी के पाँव छुए.

बाबूजी ने मुझे गोद में उठाकर मेरे बालों को सहलाया और गोद से उतारते हुए कहा – बेटा जल्दी से नहा धोकर तैयार हो जाओ आज स्कूल में तुम्हारा पहला दिन है. मैं चाहता हूँ कि तुम्हें स्कूल छोड़ने के बाद ही मैं अपने ऑफिस के लिए निकलूँगा. ये सुनते ही मैं कुआं–घर की ओर दौड़ पड़ी और कुआं–घर से बाहर मैं माँ द्वारा सिली गई गुलाबी फ्रॉक पहन कर आई. माँ – बाबूजी की स्नेह –वर्षा से मैं भींग गई थी और स्वयं को आसमान में उड़ते परिंदे की तरह उड़ते हुए देख रही थी.

बाबूजी ने मेरे हाथों में टीन का बक्सा थमा दिया जिसमें मेरी किताबे और कापियाँ थी. तब स्कूल बैग चलन में नहीं था. मेरे स्कूल परिसर में प्रवेश के बाद बाबूजी लौट रहे थे. मैं मुड़– मुड़ कर बाबूजी को जाते हुए देख रही थी. मेरे मन में स्कूल के प्रति उत्सुकता थी.

मेरी शिक्षा लगातार चलती रही. मैंने माध्यमिक स्कूल से पाँचवीं कक्षा पास कर ली थी. मेरा दाखिला बाबूजी ने उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में करा दिया था. हमारे कस्बे में एक माध्यमिक विद्यालय और एक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय और एक महाविद्यालय है.

सह शिक्षा में मुझे कभी कोई परेशानी नहीं हुई. शिक्षक छात्राओं का विशेष ध्यान रखते थे. वहाँ लड़कियों के लिए अलग शिक्षण संस्थान नहीं था. इस कारण कई माँ–बाप अपनी बेटियों को माध्यमिक शिक्षा के बाद स्कूल नहीं भेजते थे. मेरी कक्षा में पाँच लड़कियां थी और लगभग तीस–बत्तीस लड़के थे. मेरी शिक्षा निर्विरोध चलती रही. किन्तु माँ को लड़कों के स्कूल में मेरी पढ़ाई को लेकर अक्सर ताने सुनने को मिलते थे. परंतु माँ ने मुझे से कभी कुछ कहा नहीं. माँ हमेशा मेरा हौसला बढ़ाती रही और मैं कदम–दर–कदम सफलता की सीढ़ियाँ चढ़ती रही. बड़ी होने के साथ–साथ मुझे यह बात समझ आने लगी थी कि माँ और बाबूजी को घर में भी विरोध का सामना करना पड़ रहा था.मेरी दादी नहीं चाहती थी कि मैं लड़कों के स्कूल में पढ़ूँ परंतु मेरे माँ और बाबूजी, मेरे और विरोध के स्वर के बीच हमेशा पहाड़ बन कर खड़े रहे.

देखते–देखते मैंने हाई–स्कूल की परीक्षा अच्छे नंबरों से पास कर ली. आज की तरह उस समय नंबर गेम नहीं था. हाँ, डिवीजन की जरूर चाहत रहती थी. मैं हमेशा सेकंड डिवीजन से ही पास होती थी यानी कक्षा में मेरा क्रमांक संख्या (रोल नंबर) दो ही होता था. मैं कितनी भी मेहनत करती लेकिन राशिद ही हमेशा कक्षा में अव्वल आता और मैं हमेशा कक्षा में दूसरे स्थान पर रहती. कभी–कभी मेरे मन में इस बात की कसक भी होती. तब माँ मुझे समझाती कि तुम कक्षा में दूसरे स्थान पर हो परंतु लड़कियों में तो तुम ही प्रथम स्थान पर हो. अपनी सोच को सदा सकारात्मक रखो. उन बातों को कभी भी जीवन में स्थान मत देना जो तुम्हारे मन में निराशा भर दे.

मैंने मैट्रिक की परीक्षा पास कर ली. अब कालेज में दाखिले की बारी थी. मेरी दादी अड़ गई कि अब आगे की पढ़ाई बंद और इसके विवाह की चिंता करो. मेरी बुआ और चाची भी दादी की भावनाओं की कद्र करती थी. किन्तु मेरे बाबूजी ने सख्त लहजे में सबको जता दिया कि इसकी पढ़ाई में कोई बाधा न बने.

कॉलेज में प्रथम वर्ष में मेरा दाखिला तो हो गया परंतु एक समस्या आड़े आ गई. मेरी कक्षा में मैं अकेली लड़की थी. मैंने अपनी सहेली सावित्री के घर जाकर उसकी माँ से बात की. मैंने चाची (सावित्री की माँ) से बहुत विनती की और उन्हें मनाने में सफल रही. इस तरह मेरी कॉलेज की पढ़ाई पूरी हुई. इस के बाद मैं एम ए करने के लिए राजधानी में आ गई. मैंने एम ए की परीक्षा प्रथम श्रेणी में पास की.

इसके बाद मैंने अपनी पीएचडी पूरी की. आज का दिन दोहरी खुशी लेकर आया है. मैं शीघ्र ही यह खुशी अपने माँ–बाबूजी के साथ बांटना चाहती हूँ. घर पहुँचते ही मैंने माँ और बाबूजी के चरण स्पर्श किए. माँ और बाबूजी की खुशी चेहरे पर चमक रही थी. माँ ने मेरे माथे को चूमते हुए कहा आज तुम्हारी मेहनत रंग लाई है. ताने मरने वालों को जवाब मिल गया. माँ की आँखों में खुशी के आँसू थे. उस स्नेह धारा में मैं भीग रही थी. मैं मन ही मन भगवान से प्रार्थना कर रही थी कि यह स्नेह धारा सदा बहती रहे.

पांव में छूती तो माँ दिल छूती मेरा
हर घड़ी आशीष की बरसात सी माँ
मुश्किलों को हल करे बस चुटकियों में
तब मुझे लगती बड़ी फनकार सी माँ

❖❖❖

रत्ना प्रभा कुमारी
व्यवसाय सहायक
दिल्ली महानगर क्षेत्र–3

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (08 मार्च) के अवसर पर हमारी विभिन्न शाखाओं/ कार्यालयों में कार्यक्रम का आयोजन किया गया. पाठकों के लिए प्रस्तुत हैं कुछ कार्यक्रमों की झलकियाँ – संपादक

आगरा क्षेत्र

बड़ौदा जिला क्षेत्र

बर्द्धमान क्षेत्र

कालीकट क्षेत्र

चंडीगढ़ क्षेत्र

दिल्ली मेट्रो क्षेत्र –2

दुर्ग क्षेत्र

एर्णाकुलम अंचल

कोटा क्षेत्र

लुधियाना क्षेत्र

मदुरै क्षेत्र

रायपुर क्षेत्र

सिलीगुड़ी क्षेत्र

त्रिवेन्द्रम क्षेत्र

जलगांव क्षेत्र

मुरादाबाद क्षेत्र

नागपुर क्षेत्र

भावनगर क्षेत्र

भीलवाडा क्षेत्र

नैरोबी

चंडीगढ़ अंचल

देहारादून क्षेत्र

दिल्ली मेट्रो क्षेत्र -1

ग्रेटर कोलकाता क्षेत्र

जयपुर क्षेत्र

करनाल क्षेत्र

मेरठ (बरेली) अंचल

भोपाल अंचल

नई दिल्ली अंचल

उदयपुर क्षेत्र

अलीगढ क्षेत्र

चैन्नई अंचल

नाशिक क्षेत्र

शाहजहांपुर क्षेत्र

भरतपुर क्षेत्र

जल संसाधन प्रबंधन में बैंकों की भूमिका

जल यानी जीवन, जीवन के लिए सबसे महत्वपूर्ण. यह कहना भी अतिशयोक्ति नहीं होगी की पानी के बिना जीवन की कल्पना ही नहीं की जा सकती. पृथ्वी की सतह लगभग 75 प्रतिशत जल से भरी हुई है लेकिन इसका 97 प्रतिशत समुद्रों में है तथा पृथ्वी का केवल 3 प्रतिशत जल ही पीने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है. वहीं इसका अधिकतर हिस्सा या तो ध्रुवीय हिम टोप के रूप में जम जाता है या मृदा में मिल जाता है. अतः हम जो पानी इस्तेमाल करते हैं वह पृथ्वी के सतही जल की कुल मात्रा का केवल 0.5 प्रतिशत है.

जल, मानव अस्तित्व को बनाए रखने के लिये एक प्रमुख प्राकृतिक संसाधन है. यह न केवल ग्रामीण और शहरी समुदायों की स्वच्छता में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है बल्कि कृषि के सभी रूपों और अधिकांश औद्योगिक उत्पादन प्रक्रियाओं के लिये भी आवश्यक है. परंतु विशेषज्ञों ने सदैव ही जल को उन प्रमुख संसाधनों में शामिल किया है जिन्हें भविष्य में प्रबंधित करना सबसे चुनौतीपूर्ण कार्य होगा. दुनिया के कई देशों की भांति ही भारत एक गंभीर जल संकट की कगार पर है. मौजूदा जल संसाधन संकट में हैं, देश की नदियाँ प्रदूषित हो रही हैं, जल संचयन तंत्र (Water-Harvesting Mechanisms) बिगड़ रहे हैं और भूजल स्तर लगातार घट रहा है. इन सभी के बावजूद जल संकट और उसके प्रबंधन का विषय भारत में आम जनता की चर्चाओं में स्थान नहीं पा सका है. जल संकट आज से नहीं वरन कई वर्षों से व्याप्त है.

जल संकट- वर्तमान स्थिति

जल उपलब्धता व उपयोग के कुछ तथ्यों पर विचार करें तो भारत में वैश्विक मीठे जल स्रोत का मात्र 4 प्रतिशत मौजूद है जिससे वैश्विक जनसंख्या के 18 प्रतिशत (भारतीय आबादी) हिस्से को जल उपलब्ध कराना होता है. आँकड़ों के अनुसार, लगातार दो सालों के कमज़ोर मानसून के बाद देश भर में लगभग 330 मिलियन लोग (देश की एक चौथाई आबादी) गंभीर सूखे के कारण प्रभावित हुए हैं. नीति आयोग द्वारा वर्ष 2018 में जारी कम्पोज़िट वाटर मैनेजमेंट इंडेक्स रिपोर्ट में बताया गया है कि देश भर के लगभग 21 प्रमुख शहर (दिल्ली, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद और अन्य) वर्ष 2020 तक शून्य भूजल स्तर तक पहुँच जाएंगे एवं इसके कारण लगभग 100 मिलियन लोग प्रभावित होंगे. साथ ही रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2030 तक भारत में जल की मांग, उसकी पूर्ति से लगभग दोगुनी हो जाएगी. देश में वर्ष 1994 में पानी की उपलब्धता प्रति व्यक्ति 6000 घनमीटर थी, जो वर्ष 2000 में 2300 घनमीटर रह गई तथा वर्ष 2025 तक इसके और घटकर 1600 घनमीटर रह जाने का अनुमान है. आँकड़े दर्शाते हैं कि भारत के शहरी क्षेत्रों में 970 लाख लोगों को पीने का साफ पानी नहीं मिलता है. जबकि देश के ग्रामीण इलाकों में तकरीबन 70 प्रतिशत लोग प्रदूषित पानी पीने और 33 करोड़ लोग सूखे वाली जगहों में रहने को मजबूर हैं. यदि देश की राजधानी दिल्ली की बात करें तो भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा जारी एक रिपोर्ट में सामने आया था कि दिल्ली जल बोर्ड द्वारा सप्लाई किया जाने वाला पानी भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) मानकों पर खरा नहीं उतरता है और वह पीने योग्य नहीं है. भारत में तकरीबन 70 प्रतिशत जल प्रदूषित है, जिसकी वजह से जल गुणवत्ता सूचकांक में भारत 122 देशों में 120वें स्थान पर था. सरकार ने एक महत्वाकांक्षी योजना का ऐलान किया है जिसके तहत साल 2024 तक देश के सभी ग्रामीण घरों तक पाइप से पानी पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है.

भारत के कई शहरों में पानी की भयंकर कमी ने हमारे देश में जल संकट की तरफ़ एक बार फिर से लोगों का ध्यान खींचा है. हालांकि जानकार पर्यावरणविद् और स्वयंसेवी संगठन काफ़ी वक़्त से भारत में आने वाले जल संकट के बारे में ज़ोर-शोर से बता रहे थे. लेकिन उनकी चेतावनी को तब तक किसी ने तवज्जो नहीं दी, जब तक देश के बड़े शहरों के नलों का पानी सूख नहीं गया. हक़ीक़त ये है कि ख़ुद सरकार के संगठन नीति आयोग ने जून 2018 में आने वाले जल संकट के प्रति आगाह करने वाली एक रिपोर्ट जारी की थी ,जिसका नाम था - कंपोज़िट वाटर मैनेजमेंट इंडेक्स (CWMI). नीति आयोग ने 2018 में समग्र जल प्रबंधन सूचकांक की पहली शुरूआत की थी. ए नेशनल टूल फॉर वाटर मेज़रमेंट, मैनेजमेंट ऐंड इम्प्रूवमेंट. रिपोर्ट में नीति आयोग ने माना था कि भारत अपने इतिहास के सबसे भयंकर जल संकट से जूझ रहा है और देश के क़रीब 60 करोड़ लोगों को पानी की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है. जल संसाधन प्रबंधन में भारतीय अर्थव्यवस्था का मेरुदंड कही जाने वाली बैंकिंग सेवाएँ भी इसमे अपना योगदान दे सकती हैं.

जल की बात की जाए तो प्रश्न उठता है कि जीवन के लिए सबसे जरूरी चीज, जल संसाधन की आवश्यकता क्यों हुई? वृहत स्तर पर देखा जाए तो जल की कमी, भूमिगत जल संसाधन का अति विदोहन, धरातलीय जल का उचित प्रयोग न कर पाना, निरंतर कृषि भूमि का विस्तार, शहरीकरण एवं औद्योगीकरण, जल का अनावश्यक उपयोग, वर्षा के पानी, जलाशयों एवं जल संग्रह क्षेत्रों की कमी, जलशोधन संयंत्रों की कमी मूलतःयही कारण हैं.

जल संसाधन के प्रबंधन में चुनौतियाँ :

- जल की मांग और पूर्ति के मध्य अंतर को कम करना.
- खाद्य उत्पादन के लिये पर्याप्त पानी उपलब्ध कराना और प्रतिस्पर्द्धी मांगों के बीच उपयोग को संतुलित करना.
- महानगरों और अन्य बड़े शहरों की बढ़ती मांगों को पूरा करना.
- अपशिष्ट जल का उपचार.
- पड़ोसी देशों के साथ और सह-बेसिन राज्यों आदि में पानी का बँटवारा करना.

जल संसाधन के प्रमुख तरीके :

- **अपशिष्ट जल प्रबंधन प्रणाली**

  उपयुक्त सीवेज सिस्टम साफ और सुरक्षित तरीके से अपशिष्ट जल के निपटान में मदद करते हैं. इसमें गंदे पानी को रिसाइकिल किया जाता है और उसे प्रयोग करने योग्य बनाया जाता है ताकि उसे वापस लोगों के घरों में पीने और घरेलू कार्यों में इस्तेमाल हेतु भेजा जा सके.

- **सिंचाई प्रणालियाँ**

  सूखा प्रभावित क्षेत्रों में फसलों के पोषण के लिये अच्छी गुणवत्ता वाली सिंचाई प्रणाली जैसे कि स्प्रिंकलर सिंचाई सुनिश्चित की जा सकती है. इन प्रणालियों को प्रबंधित किया जा सकता है ताकि पानी बर्बाद न हो और अनावश्यक रूप से पानी की आपूर्ति को कम करने से बचने के लिये इसके पुनर्नवीनीकरण या वर्षा जल का भी उपयोग कर सकते हैं.

- **प्राकृतिक जल निकायों की देखभाल करना**

  झीलों, नदियों और समुद्रों जैसे प्राकृतिक जल स्रोत काफी महत्त्वपूर्ण हैं. ताज़े पानी के पारिस्थितिकी तंत्र और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र दोनों ही विभिन्न जीवों की विविधता का घर हैं और इन पारिस्थितिक तंत्रों के समर्थन के बिना ये जीव विलुप्त हो जाएंगे.

- **जल संरक्षण**

  देश में जल संरक्षण पर बल देना आवश्यक है और कोई भी इकाई (चाहे वह व्यक्ति हो या कोई कंपनी) अनावश्यक रूप से उपकरणों के प्रयोग को कम कर रोज़ाना कई गैलन पानी बचा सकता है.

बैंकों की भूमिका :

भारत में राष्ट्रीयकृत बैंको पर भारतवासियों का बहुत विश्वास है. किसी भी कार्य को सफल बनाने हेतु पैसों की आवश्यकता होती है और अलग अलग माध्यमों से बैंक भारतवासियों की जरूरतों को पूरा करता है. ऐसे में बैंक बहुत प्रभावी माध्यम साबित हो सकते हैं जल प्रबंधन की दिशा में, बैंक द्वारा ग्राहकों हेतु अनेक कैम्पेन चलाये जाते हैं. इसी प्रकार जल संसाधन प्रबंधन में कुछ कदम उठाए जा सकते हैं

- **ऋण विभाग**

  ग्राहक की दृष्टि से बैंकों का सर्वाधिक महत्वपूर्ण विभाग आर बी आई द्वारा दिशा निर्देश जारी किए जाने चाहिए की सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम सेवा (MSME) आदि में किसी भी प्रकार का ऋण तभी दिया जाएगा जब उक्त संस्था में जल संरक्षण प्रावधान होगा. यदि सुचारु रूप से नियमों का अनुपालन किया जाएगा तो दवाब में ही सही जल का संरक्षण होगा. इसके अलावा जल संसाधन उपकरण निर्माण करने वाली इकाइयों को ऋण वितरण शर्तों में विशेष रूप से रियायत दिए जाएं.

- **कॉर्पोरेट सामाजिक ज़िम्मेदारी (सीएसआर)**

  बैंकों और अन्य संस्थाओं की कॉर्पोरेट सामाजिक ज़िम्मेदारी होती है जिसका अनुपालन प्रत्येक वर्ष किया जाता हैं, ठीक इसी प्रकार बैंको को जल संसाधन हेतु एक विशेष और विशिष्ट ज़िम्मेदारी दी जानी चाहिए की स्कूलों, कालेजों में इस विषय पर प्रतियोगिताओं का आयोजन कर, कॅम्पेन चला कर आम जन मानस को जागरूक किया जाना चाहिए. साथ ही, जल संसाधन में कार्यरत संस्थानों को भी आर्थिक सहायता दी जा सकती है.

- **बैंकिंग विज्ञापन द्वारा**

  राष्ट्रीयकृत बैंको द्वारा अनेक प्रकार की प्रचार सामग्री बनवाई जाती है उन सामग्री पर जल संसाधन प्रबंधन हेतु सकारात्मक विचार दिये जाने चाहिए.

- **बैंकों द्वारा जल संसाधन हेतु पुरस्कार**

  बैंक द्वारा जल संसाधन संरक्षण करने वाले व्यक्तियों, गैर सरकारी संस्थाओं को पुरष्कृत किया जा सकता है. प्रेरणास्वरूप लोगों में जल संसाधन प्रबंधन हेतु रुचि बढ़ेगी और अपने कल यानी जल को बचाने के लिए एक साथ चलेंगे.

जल पृथ्वी का सर्वाधिक मूल्यवान संसाधन है और हमें न केवल अपने लिये इसकी रक्षा करनी है बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिये भी इसे बचा कर रखना है. वर्तमान समय में जब भारत के साथ–साथ संपूर्ण विश्व जल संकट का सामना कर रहा है तो आवश्यक है कि इस ओर गंभीरता से ध्यान दिया जाए. हम सभी को अपना कल बचाने के लिए आज साथ मिलकर चलना होगा. जल है तो कल है.

❖❖❖

शक्तिवीर सिंह
अधिकारी,
क्षेत्रीय कार्यालय, मदुरै

MALAYSIA

TRULY ASIA

Feeding budgies
Langkawi Wildlife park

This tagline has always inspired the traveler within me. So, when it came to choosing the first international travel destination (in my budget, of course), Malaysia popped up in my mind. Despite searching for various locations, I could not get over the thought of Malaysia. And finally, I packed my bags in Jan 2020 for a family trip to Malaysia. While making my initial researches I gathered all the facts about this tropical country. Malaysia constitutes two parts - East Malaysia & West Malaysia, both of which are separated by a large water body the South China Sea. Capital City of the country is Kuala Lumpur located in West Malaysia. The country offers a home to various ethnic groups of the world like Bumiputera (indigenous Malays), Chinese, Indians; who practice several religions like Islam, Buddhism, Christianity, Hinduism; and from here comes the concept of **"Truly Asia".**

It was very challenging for us to choose locations to visit in 7 days, in such a diverse country. After days of browsing, we decided to go to Kuala Lumpur and its adjacent areas, followed by a 3-day tour of "Langkawi".

The whole trip cannot be justified in a single write up. So, I would share the best part of my trip **"The Langkawi Tales"**

Langkawi is an island district of Malaysia which is made up of an archipelago of 99 islands. Surrounded by turquoise Andaman sea with a lining of mangrove forest around it, patches of paddy fields, hills laden with a rich flora of pteridophytes, it is a paradise for nature lovers. As our plane descended to land, I was mesmerized by the view. Blue everywhere, it was difficult to say where the sea ended and where the sky started. But then came the best part, a runway just where the sea met the land (this reminded me of Launchpad's plane from Ducktales) and the airport surrounded by lush greenery, water, mountains. On our way to the hotel, our tour operator explained the island in Indian metaphor "Langkawi is a combination of Kerela and Goa". I was amazed that not only places, but the basic traits of places of my country are known by people who have never stepped here. Very true to its words, laid back life, shoreline fringed with white sand, swaying coconut trees would make you feel that you belong to this island. And yet another feather in the crown, Langkawi is a duty-free island where you can shop till you drop.

On reading the name Langkawi for the first time, I wondered if it has been one of the farmhouses of mighty Raavana (Lanka-wi). But Langkawi is Malay Word for the reddish-brown eagle a brahminy kite, which is built as an emblem of the island at "Dataran Lang or Eagle Square", greeting those who enter the island by boat. This is a popular photo spot featuring a huge and majestic eagle perched over a scenic waterfront plaza.

The day we reached Langkawi we booked our tickets for a night safari at ***Kilim Geoforest Park.*** The 4 hours boat safari for the nature park, spread over 100 sq km area, started by 5 in the evening. As our voyage of exploration began, we could see lagoons of water separated by high limestone cliffs, forming the shape of mountains fringed by mangrove vegetation. Mangroves are small trees found in brackish water. They are one of the best examples of adaptability seen in nature. They have evolved their roots to grow in the air, to cope up the harsh conditions of saline water, hence known as aerial roots or breathing roots. Mangroves are the real survivors. Our first stoppage in this safari was ***Floating Fish Farm.*** As the name suggests, the entire farm has been created on a wooden platform to float on water and had several water tanks containing various types of fishes like stingray, archerfish, crabs, small sharks. Then we moved further away in the sea, where we could see a convocation of reddish-brown eagles & white-bellied eagles soaring high in the sky. As our tour guide would drop some food in water, those magnificent large birds darted towards water surface to catch their prey and back in the sky within seconds holding the prey in beaks. Our next stoppage was dark and mystic ***"Gua Kelawar"*** (Bat Cave). The cave has limestone formations, few hanging from roof (Stalactite), some rising from ground (stalagmite) and at some places both joining to form a large single column. On the ceiling of the cave, were hanging a large population of fruit bats. It was in this area of mangrove forest that we sighted hornbills, woodpeckers, mud crabs. As it grew darker, we were served our barbeque dinner in the same floating fish farm. Just when we thought

Scuba Diving at Coral Island

Eagle Square at Langkawi

that our safari has come to an end, our boat stopped in the middle of nowhere, and we were asked to touch the seawater around our boat. It was then, we witnessed the most spectacular phenomenon of nature, hundreds of tiny sparkles in water ***"bioluminescent phytoplankton",*** which made the water look like a starry sky. A hundred other sparkles appearing with every glide of our hands in water. With those scintillations captured in our eyes forever, we returned to the main island.

The Next day's itinerary was one of the most awaited parts of our trip. We were scheduled for ***Pulau Payar Island tour,*** which was about 1 and half hour boat ride, situated in the south of the main island, deep in the Andaman sea which is blessed with fringing coral reefs. Coral reefs are colourful marine invertebrate animals attached to the sea bed. It is home to various sea animals. The best way to explore sea life for recreation is scuba diving. The one activity in every youngster's bucket list after 'Zindagi Na Milegi Dobara', including mine of course. As we were about to reach the coral island, we were given our diving apparatus, which included diving cylinder containing compressed breathing gas, mouthpiece, a half mask for nose and eyes, fins. Before dive, we were given a certain set of instructions like underwater communication, pressure equalisation.

Soon after that we were in the water accompanied by a divemaster. We slowly started our descent inside water one metre, two-metres, three, four, five..... As we descended, pressure in our ears kept increasing. But what we experienced was unmatchable. Fishes zigzagging ubiquitously yellow, blue, golden, orange, pink, white; crabs crawling on the sea bed, corals lying every here and there, mushy sea anemones, and countless others whom we could not identify, but we could extend our hands to touch them. After 40 minutes of indifference to the world above, paddling around in salty water, breathing through the mouth, bubbles everywhere, we moved towards the light when ran short of breathing air in our cylinders.

On our last day at Langkawi, we planned for a visit to Langkawi Wildlife Park, followed by the Underwater World tour in the first half. Langkawi Wildlife Park is a total treat for animal lovers. It is an animal sanctuary with over 2500 exotic birds of many species like ostrich, kites, white peacock, Indian blue peacock, budgies, macaw, pelicans, hornbills, owls, eagles, kingfisher. The park also houses various animals like crocodile, porcupine, mouse deer, Burmese python, donkey, deer, meercat, orangutan, lemur, turtle. This park is built with a unique concept, where visitors can have close interaction with animals, touch them, hold them, hand feed them, as most of the animals & birds roam freely in open area, besides us.

Soon after terrestrials and aerials, we headed for aquatics, to Underwater World Langkawi, one of the largest aquaria in southeast Asia. It has a large number of marine as well as freshwater animals and a very exquisite penguin aquarium.

Several cruise operators in Langkawi who organize ***sunset dinner cruise.*** It is an evening tour that takes people on a leisurely trip to the Andaman Sea, strolling around deserted islets with a feast of barbeque buffet. To celebrate a wonderful vacation, a sublime place, beautiful permanent memories, we decided to spend our last evening at Langkawi in one such yacht, enjoying the sun setting slowly in the Andaman sea, only to rise again in the Indian subcontinent, for us.

An aid for those who are mesmerized by Langkawi -

How to reach : Langkawi can be reached by both air and by sea. The quickest way to reach Langkawi is by plane, it has an international airport connecting to all major cities of Malaysia and few international destinations as well. However, there are cheaper options like bus and trains which can take to various ferry ports for a high-speed boat journey to Langkawi.

Food : Langkawi offers diverse cuisines ranging from authentic Asian plates like Malay, Chinese, Thai, Japanese, Indian to Mexican, Italian. For seafood lovers, this place is a total delight that would satiate their taste buds.

Best time to go : The best time to visit Langkawi is between January to March when it is dry with warm temperatures. During this period various festivals are celebrated in the island-like Christian calendar new year, Pongal, Chinese calendar new year. The place is decorated with beautiful lamps, offers a variety of exotic dishes.

Popular destinations : Langkawi has evolved into a popular tourist destination in the past few years. It has lots to offer to its tourists, few which we have visited and many which we could not, like Langkawi sky bridge, crocodile adventure land, Cenang beach, Gunung Raya.

The surreal beauty of Langkawi will keep its visitors enchanted for a very long time.

❖❖❖

Monisha Chandrawanshi
Senior Manager
Regional Office, Durg

Electronic Toll Collection

Introduction:

NHAI (National Highways Authority of India) has rolled out program for National Electronic Toll Collection (NETC) on Toll Plazas on National Highways and State Highways to be called as FASTag.

FASTag is a simple to use, reloadable tag which enables automatic deduction of toll charges and lets you pass through the toll plaza without stopping for the cash transaction. FASTag is linked to a prepaid account from which the applicable toll amount is deducted. The tag employs Radio-frequency Identification (RFID) technology and is affixed on the vehicle's windscreen after the tag account is active.

FASTag is a perfect solution for a hassle free trip on national highways. FASTag is presently operational at 600+ toll plazas across national and state highways. More toll plazas will be brought under the FASTag program in the future.

The main objectives to introduce FASTag-

It provides an interoperable secure framework capable of use across the country. It is a simple and robust Framework. It increases transparency and efficiency in processing transactions. To serve the sub goal of Government of India by electronification of retail payments. To reduce air pollution by reducing the congestion around toll plaza and thus reducing the fuel consumption. To reduce cash handling and enhance audit control by centralizing user account.

Key features and functionalities-

1. **Transaction Type:** Off-line; near real time transaction processing as the toll plazas send the transactions within 10 Mins interval.
2. **Interoperability:** NETC ecosystem supports multiple issuers and multiple acquirers' i.e. Tag issued by any member bank is accepted at all toll plaza (under NETC program) acquired by any member bank in a safe and secured manner.
3. **Flexibility to choose the underlying payment instruments:** Customers can link their FASTag to their existing savings/current account or to a prepaid account basis the offering from the Issuer member banks. For opening a prepaid account it is not mandatory to have an existing relationship with the issuer bank.
4. **Tag Issuance:** Can be issued by member banks, authorized for NETC Program.
5. **Cashless Payment:** FASTag facilitates electronic payments at the toll plaza while the vehicle is in motion.
6. **Save Time and Fuel:** Customer can travel without stopping at the toll plaza by using the FASTag thus reduce congestion at plazas and saving fuel and reduce travel time.
7. **Recharge FASTag account online:** Customer can recharge FASTag account online through issuing member banks portal using UPI/ Credit Card/ Debit Card/ NEFT/ RTGS /Net Banking.
8. **Cashback:** Cashback scheme is available to the customers on toll payments using FASTag at National Highways Toll Plazas. The cashback scheme for the current FY (2019-2020) is 2.5%.*
9. **Validity:** FASTag has a validity of 5 years and after purchasing it, you only need to recharge/ top up the FASTag as per your requirement.
10. **Recharge Limit:** For customer whose KYC documents are received, the FASTag Account recharge limit is Rs. 1,00,000. For non-KYC customers, the recharge limit is Rs. 20,000 only. Minimum recharge amount is Rs.100/-

Documents Required for FASTag:

Customer needs to submit the following documents along with the application form for FASTag:

1. Signed FASTag application form, provided by issuer bank which customers need to fill and submit to the bank.
2. Registration Certificate (RC) of the vehicle
3. Passport size photograph of the vehicle owner
4. KYC documents as per the category of the vehicle owner
5. A valid driving license
6. Image of Vehicle (Optional)

How FASTag Works?

Step 1: Whenever a vehicle will pass through the Electronic Toll Collection (ETC) lane of the Toll Plaza, the Toll Plaza system will capture the FASTag details like (Tag ID, Vehicle class, TID, etc.) and send it for processing to the acquiring bank.

Step 2: The acquiring bank will send a request to the National Electronic Toll Collection (NETC) Mapper to validate the tag details.

Step 3: Once the Tag ID will get validated, NETC Mapper will respond with details like Tag Status, Vehicle class, VRN etc. If the Tag ID is not present in NETC Mapper, it will respond as the Tag ID is not registered.

Step 4: The acquirer host will calculate the appropriate toll fare and initiate a debit request to NETC system after successful validation of Tag ID from NETC Mapper.

Step 5: NETC System will switch the debit request to the respective issuer bank for debiting the account of the customer.

Step 6: Now, Issuer host will debit the linked tag holder account and send an SMS alert to the tag holder. The Issuer host will also send the response message to the NETC system. If the response is not sent within the defined TAT, the transaction will be considered as Deemed Accepted.

Step 7: NETC system will notify the response to the acquirer host.

Step 8: Lastly, acquirer host will notify to respective toll plaza system.

FASTag Statistics-

National Payments Corporation of India (NPCI) said that the transaction count of FASTag under the National Electronic Toll Collection (NETC) programme has crossed 31 million in October 2019. The vehicle with FASTag doesn't need to stop at toll plazas for cash transactions, saving fuel and time. In October 2019, the transaction count of FASTag stood at 31.46 million with transaction value Rs. 702.86 crore, compared to a transaction count of 29.01 million and a transaction value of Rs. 658.94 crore in September 2019. It has more than 6 million issuance of FASTag since inception. Currently 23 member banks are issuing FASTag. FASTag is live on 600+ toll plazas across India.

As per December 2019 data, there are 24 Banks live on NETC; The data show Tag issuance (in nos.) - 11666372; Volume (in Mn) – 64.33 and in Amount (in Cr) -1254.84.

From 15th December, 2019, Ministry of Road Transport and Highways has decided to implement FASTag compulsory on all National highway toll plazas due to which the FAStag issuance has increased from 31.46 million in Oct'19 to 64.33 million in Dec'19.

❖❖❖

Rajeshwari Gangurde
Senior Manager & Faculty
BSLU, Mumbai

HRCPC

At A Glance

HRCPC is the Central Processing Cell of HR-Operations at Head Office, Baroda started in February, 2013 with the purpose of:

- Uniform implementation and Plug-in Revenue Leakage.
- Reduction in work load at Branch/RO level.
- Quick payments as per rules.
- Scrupulous adherence to Bank's extant guidelines.

The motto of HRCPC is:

Employees are the 'Internal Customers'. The endeavor is to achieve their maximum satisfaction and delight.

At HRCPC, the following claims/applications are processed within the minimum TAT to provide the best service to staff:

- TE/DA claims (0265-2316628/29)
- All non-mortgage staff loans (0265-2316632/33)
- LFC/LTC claims (0265-2316634/35)

(e-mail:hrcpc.baroda@bankofbaroda.com)

The performance of HRCPC in the last financial year is as under:

Applications disposed off during 2019- 2020	Staff Loans	TE/DA	LFC/LTC
	42162	284438	19690

After processing of Staff Loan applications/TE/DA Offline claims /LFC/LTC claims mail is sent to respective Branches and hard copies of sanction letters/query letters along with relevant papers are dispatched to concerned Regional offices for sending to Branches.

Now recently we have started sending messages to individual staff members for the claims/loan applications received, queried/sanctioned at HRCPC. Staff members are requested to attend the queries and resubmit the applications/claims to HRCPC for processing.

At HRCPC we are trying our level best to come up to the expectations of our Internal Customers i.e. Staff. But sometime the claims/applications get rejected due to the following reasons:

i. Incomplete application submitted by the employees.
ii. Complete documents are not attached with the claim.
iii. No checking at the recommending level.
iv. Delayed approval by the Recommending Authority.
v. Date and time in the claim do not match with the documents attached.
vi. Proper bill for travel by taxi is not attached.
vii. Permission from competent authority for travel by taxi / own vehicle is not attached.
viii. Transfer / Posting letter are not attached with the Transfer TE/DA claims.
ix. Signatures with seal is not affixed by the Branch Head / Recommending Authority while forwarding Loan Applications/TE/DA/LFC/LTC claims.
x. Copy of field visit diary/register is not attached with the TE/DA claim for NPA recovery.

We have observed that a large number of claims remain pending with Recommending Authorities. Zonal / Regional HR Heads can play a very important role in getting the pendency cleared from the Recommending Authorities in their jurisdiction to enable HRCPC to process the same. The staff members should also lodge their claims immediately after completion of journey. These points will help HRCPC to serve the staff in a better and faster way.

We can serve better provided we receive the claims/ applications complete in all respects in prescribed formats duly verified/recommended along with required documents.

HELP HRCPC TO HELP YOU

❖❖❖

N K Chhabra
Chief Manager (HRCPC)
Head Office, Baroda.

Disability Awareness

Disability Awareness means educating people regarding disabilities and giving people the knowledge required to carry out a job or task thus separating good practice from poor. It is no longer enough just to know that disability discrimination is unlawful. Disability awareness as a skill refers to being mindful of the disabilities of people and managing to communicate and work with them effectively.

"Disability awareness in the workplace involves educating both employers and employees about disability. Lack of facility access is a poor reflection of the employer's attitude towards creating a safe environment for differently abled individuals. The purpose of awareness is to create a better understanding of disability as a whole in respect of the Employment Equity Act. This can include understanding some of the different types of disabilities as well as promoting understanding of the impact that language and appropriate etiquette can have in preventing discrimination in the workplace.

How to improve disability awareness as a skill

There are some useful tips to improve disability awareness such that the organization has a more harmonious and motivated workforce with maximum efficiency:

Understand that not everyone is the same. The first step towards improving disability awareness as a skill, in oneself or in others, is acceptance of the fact that every individual is unique. A culture of inclusion must be developed by showing understanding and respect towards individual differences. This will ultimately evolve into a harmonious work environment desired by every organization.

Avoid making assumptions

As an employer or manager, it is imperative that we avoid stereotype impairments and making wrongful assumptions that could cloud our judgment about someone's ability to perform well. For example, in denying a promotion to someone with a history of depression, we could be taking away from the firm one of its best future leaders.

Disability Awareness at Workplace

Build Awareness

What better way to make our workplace disability friendly than by building awareness? We can help build disability awareness in several ways, including by investing in training. After all, an aware workforce is an empowered one! In order to ensure that all disabled employees are successfully integrated into a workplace, it is vital that all employees are aware that their organization is disabled-friendly. Training sessions and classes will help employers gain greater insight to how they can help disabled colleagues, which is paramount for good workplace culture.

Get The Right Equipment

The next step towards making our workplace disability friendly is to get the right equipment. Even though the term 'equipment' may be a little startling, there is no need to panic. In order to make our workplace disability friendly, we simply need to ensure that our office design accommodates everyone. Have a parking space that can be used and accessed by all employees is a great place to start. If our office has stairs, a great way to ensure our workplace is disability friendly is to fit a ramp. By fitting a ramp, we can rest assured that wheelchair users will have access. Other equipment that can help improve accessibility in our workplace includes:

- Height adjustable desks
- Easily accessible plug sockets
- Convenient adjustable monitor arms
- Cable management in order to reduce hazards

Focus On Health & Well-Being

In order to promote that our workplace is disability friendly, it is paramount that businesses focus on the health and well-being of their employees. Ultimately, a workplace that offers invaluable support and encouragement to all employees will help disabled employees perform to the best of their ability, and equally be productive in what they do, which is vital for the success of the business – and we will certainly reap the benefits.

Form A Support Group

As well as building awareness within the work place, a great way to ensure that our workplace is disability friendly is to form a support group for disabled employees specifically. During this support group, disabled employees will be able to voice their concerns and discuss any issues they may be experiencing within the work environment. With this information, our business can find the necessary solution.

Our bank has entered into MOU with SBI Foundation for creation of an enabling ecosystem for empowerment of our employees with disabilities. The objectives of the engagement are as under

- Identifying suitable job roles for persons with disability where they can contribute effectively.
- Providing an enabling work environment to rediscover their potential and thrive.
- Creating equal opportunities and level playing field.
- Facilitate employees with physical challenges to demonstrate better performance.
- Including the employees in the team to promote cohesive work culture.

❖❖❖

Deepak Gupta
Senior Manager & Faculty,
Baroda Academy,
Bareilly

कॉर्पोरेट कार्यालय द्वारा Take 5 Campaign का आयोजन

कॉर्पोरेट कार्यालय द्वारा दिनांक 01 नवंबर, 2019 से 31 दिसंबर, 2019 तक टेक 5 अभियान का आयोजन किया गया. यह अभियान रिटेल बैंकिंग से संबंधित उत्पादों जैसे मीयादी जमा, चालू जमा, क्रेडिट कार्ड आदि जारी करने के लिए चलाया गया. इस अभियान के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन करने वाली शाखाओं/ कार्यालयों को पुरस्कृत करने के लिए 10-11 जनवरी, 2020 को त्रिवेन्द्रम में पुरस्कार एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. प्रस्तुत हैं, पुरस्कार वितरण कार्यक्रम की कुछ झलकियां :-

भोपाल उत्तर क्षेत्र

भोपाल दक्षिण क्षेत्र

नासिक क्षेत्र

एर्णाकुलम अंचल

दुर्ग क्षेत्र

एर्णाकुलम क्षेत्र

रायपुर क्षेत्र

जयपुर क्षेत्र

सुल्तानपुर क्षेत्र द्वारा गोल्ड लोन शॉपी का शुभारंभ

17 जनवरी, 2020 को सुल्तानपुर क्षेत्र के बाधमंडी शाखा में गोल्ड लोन शॉपी का उद्घाटन किया गया. इस अवसर पर उप महाप्रबंधक एवं क्षेत्रीय प्रमुख श्री सुबोध जैन, अग्रणी जिला प्रबंधक श्री रवीद्र प्रकाश, बाधमंडी शाखा के प्रमुख श्री चन्दन राय सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहे.

डॉ. हंसमुख अढ़िया, गैर कार्यपालक अध्यक्ष का बड़ौदा एपेक्स अकादमी का दौरा

28 जनवरी, 2020 को गैर कार्यपालक अध्यक्ष डॉ. हंसमुख अढ़िया द्वारा बड़ौदा एपेक्स अकादमी का दौरा किया गया. इस अवसर पर निदेशक श्री बीजू वर्की, श्री श्रीनिवासन श्रीधर, महाप्रबंधक श्री जयदीप दत्ता राय एवं महाप्रबंधक श्री सी मलोलन उपस्थित रहे.

एसपीबीटी महाविद्यालय, मुंबई द्वारा पुस्तक समीक्षा का आयोजन

एसपीबीटी महाविद्यालय, मुंबई में 29 फरवरी, 2020 को स्टाफ सदस्यों द्वारा पुस्तक समीक्षा का आयोजन किया गया. इस बैठक में हिन्दी, अंग्रेजी और मराठी पुस्तकों की समीक्षा की गई. साथ ही इस बैठक में एसपीबीटी महाविद्यालय की तिमाही ई-पत्रिका का प्राचार्य और उप प्राचार्य द्वारा विमोचन किया गया.

गोरखपुर क्षेत्र द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

गोरखपुर क्षेत्र द्वारा कुशीनगर जनपद में किसानों और ग्रामीणों के लिए ग्रामीण किसान सम्मान निधि विषय पर ग्राहक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर उप क्षेत्रीय प्रबंधक श्री संजय कुमार सिंह, अन्य स्टाफ सदस्य तथा बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे.

मुंबई अंचल द्वारा एमएसएमई ग्राहक बैठक का आयोजन

मुंबई अंचल द्वारा एमएसएमई ग्राहकों के लिए बैठक का आयोजन किया गया जिसमें बैंक द्वारा एमएसएमई ग्राहकों के लिए की गई पहल तथा विविध उत्पादों की जानकारी दी गई. इस अवसर पर उपस्थित अंचल प्रमुख श्री सत्यनारायण राजू, क्षेत्रीय प्रमुख, मुंबई मेट्रो उत्तर क्षेत्र श्रीमती सुजया शेट्टी, एमएसएमई प्रमुख श्री सुशील कुमार लाल, क्षेत्रीय प्रमुख, मुंबई मेट्रो मध्य क्षेत्र श्री सभेक सिंह, क्षेत्रीय प्रमुख, मुंबई मेट्रो पश्चिम क्षेत्र श्री बी एल मीणा उपस्थित रहे.

Udupi Region organises Cleanliness Drive at Malpe Beach

Udupi Region organised Cleanliness Drive at Malpe Beach near Gandhi Statue on 24th Jan, 2020. Staff members of Regional Office and local Branches participated in the said drive.

Bank's Stall at Paryayotsava of Udupi Sri Krishna Mutt

On 18th January, 2020 during the Paryaya Festival Manglore Zone arranged Hoardings, stall for donation receipt centre and published advertisements with regard to our Bank's products in newspaper. The executives from HO, ZO & RO participated in the festival. Bank also sponsored a cultural programme.

Urban Women's SHG meet organized by Manglore Region

Urban Women's SHG meet was organised at Thokkottu Ullal, Mangalore on 04th January 2020. DRM Shri Chidananda Hegde and Shri Sandeep Shetty SBM, Ullal branch were present on this occassion.

पटना क्षेत्र द्वारा स्वर्ण ऋण कक्ष का शुभारंभ

20 फरवरी, 2020 को बख्तियारपुर शाखा, पटना क्षेत्र में स्वर्ण ऋण कक्ष का शुभारंभ किया गया. इस अवसर पर पटना क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री मनीष कौरा, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री कुमार केशव, अन्य स्टाफ सदस्य तथा ग्राहकगण उपस्थित थे.

Chennai Zone partners with "LULU International Shopping Mall Pvt Ltd"

On 16th March, 2020 our Chennai Zone partnered with the renowned "LULU International Shopping Mall Private Limited" for making payments through Baroda DigiNext. LULU Group is based in Kochi, Kerala and owns India's biggest shopping mall in terms of total area with an average daily footfall of more than 80,000 customers. The company enjoys credit facilities from our CFS Chennai Branch. Head (BCMS) Shri Saurabh Dalmia, Zonal Head Shri R. Mohan, Regional Head (CMR-2) Shri Ramanuj Sharma, Regional Head (CMR-1) Shri K V Chalapathi Naidu, DGM Shri N. Raghavendra and other staff members were present on this occasion.

गणतन्त्र दिवस

कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई

प्रधान कार्यालय, बड़ौदा

गणतंत्र दिवस के अवसर पर 26 जनवरी, 2020 को हमारी विभिन्न शाखाओं/ कार्यालयों में कार्यक्रम का आयोजन किया गया. गतिविधियों से संबंधित कुछ झलकियाँ प्रस्तुत हैं
– संपादक

बीकानेर क्षेत्र

भावनगर क्षेत्र

दुर्ग क्षेत्र

भरतपुर क्षेत्र

अजमेर क्षेत्र

भरूच क्षेत्र

पुणे अंचल

जयपुर अंचल

इंदौर क्षेत्र

देहारादून क्षेत्र

मेरठ अंचल

भीलवाडा क्षेत्र

विशाखापटनम क्षेत्र

पदोन्नतियां

उप महाप्रबंधक

हम जनवरी-मार्च, 2020 के दौरान पदोन्नत हुए उप महाप्रबंधकों को बॉबमैत्री की ओर से हार्दिक बधाई देते हैं और इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं.

- संपादक

श्री सुबोध जैन,
क्षेत्रीय कार्यालय,
सुलतानपुर

श्री अशोक कुमार डी मैकवान,
क्षेत्रीय कार्यालय,
मुंबई मेट्रो पूर्व

श्री विवेक कुमार गुप्ता,
प्रधान कार्यालय,
बड़ौदा

श्री रामानुज शर्मा,
क्षेत्रीय कार्यालय,
चैन्ने मेट्रो-II

श्री संजीव चौधरी,
कॉर्पोरेट कार्यालय,
मुंबई

श्री संजय गुप्ता,
क्षेत्रीय कार्यालय,
राजकोट

श्री गिरीश कुमार मनशानी,
प्रधान कार्यालय,
बड़ौदा

श्री पी टी वेंकटेशवर राव,
प्रधान कार्यालय, पूर्ववर्ती
विजया बैंक

डॉ. एम मुरली कन्नन,
कॉर्पोरेट कार्यालय,
मुंबई

डॉ. सुरेश चिदंबरम,
अंचल कार्यालय,
कोलकाता

श्री राजेश शर्मा,
क्षेत्रीय कार्यालय,
गोधरा

श्री पंकज खत्री,
कॉर्पोरेट कार्यालय,
मुंबई

श्री दिनेश कुमार,
कॉर्पोरेट कार्यालय,
मुंबई

कविता

कुछ ताले, कुछ चाबियाँ

कहते हैं बांध रख लेते हैं उसको,
वो जो बेहद अजीज हो,
पर क्या बांधना जरूरी है?
शायद कुछ जरूरी चीजे आजाद ही अच्छी लगती है,
तो क्यूँ न आजाद कर दूं उसे,
बांधकर कुछ, जो मैंने सोचा है,
मुझे चाहिए बस कुछ ताले और कुछ चाबियाँ,
कुछ मैं भी कैद करना चाहती हूँ
कुछ रिहा करना चाहती हूँ।

लगता है मुझे अब अक्सर, कि जो अहम है मेरे लिए
वो क्यों बंधा पड़ा है, और फैला सा पड़ा है वो
जो बेगार लगता है मुझे
ये उनकी व्यवस्था है जिनसे वास्ता है मेरा,
ना चाहते हुए भी
काश उन्हीं की तरह मुझे भी मिल जाए
कुछ तालें और कुछ चाबियाँ
कुछ मैं भी कैद करना चाहती हूँ
कुछ रिहा करना चाहती हूँ।

कब आएगा वो वक्त, जब वक्त से कह सकूँ
कि थोड़ा वक्त दे दे मुझे अब ताकि
हर वक्त- बेवक्त यूंही परेशान हुए बिना
कुछ ढूंढ लूं आराम से, और कुछ छांट कर फेंक दूं
मिल जाए बस कुछ ताले और कुछ चाबियाँ
कुछ कैद करना चाहती हूँ
कुछ रिहा करना चाहती हूँ।

काश हो सकता वो सब, जो तुम चाहते हो
काश हो जाता वो सब, जो मैं चाहती हूँ
पर मैं तो बहुत कुछ चाहती ही नहीं
चाहती हूँ तो बस कुछ ताले और कुछ चाबियाँ
कुछ कैद करना चाहती हूँ
कुछ रिहा करना चाहती हूँ।

प्रीति जांगड़ा
अधिकारी,
अंचल कार्यालय, बड़ौदा

Highlights Of Bank's Financial Results For Q4 & FY 2020

The Bank announced its audited financial results for the quarter/year ended March 31, 2020, following the approval of its Board of Directors. The results were announced by our MD&CEO Shri Sanjeev Chadha and Executive Directors Shri Murali Ramaswami, Shri S L Jain, Shri Vikramaditya Singh Khichi and Shri Ajay K Khurana at a virtual Press/ Analysts' Meet. Highlights of the results are presented below: - Editor

Particulars	Quarterly Results			Annual Results		
	Q4 FY 19	Q4 FY 20	% Change	FY 19	FY 20	% Change
Interest Income	18,737	18,698	-0.21	72,801	75,984	4.37
Interest Expenses	12,264	11,900	-2.97	47,123	48,532	2.99
Net Interest Income (NII)	6,473	6,798	5.02	25,678	27,451	6.90
Non-Interest Income	2,865	2,834	-1.08	8,794	10,317	17.32
Operating Income (NII + Other Income)	9,338	9,632	3.15	34,472	37,768	9.56
Operating Expenses	5,876	4,512	-23.21	17,928	18,077	0.83
of which, Employee Cost	3,338	1,954	-41.46	9,342	8,770	-6.12
Operating Profit	3,462	5,121	47.92	16,545	19,691	19.01
Total Provisions (other than tax) and contingencies	10,619	6,844	-36	22,398	21,493	-4.04
of which Provision for NPA	10,368	3,190	-69.23	20,972	16,405	-21.78
Profit before Tax	-7,157	-1,723	-	-5,853	-1,802	-
Provision for Tax	1,716	-2,230	-	2,486	-2,348	-
Net Profit	-8,875	507	-	-8,340	546	-

BUSINESS

- Domestic CASA deposits registered a growth of 6.75% Y-o-Y. Share of CASA deposits to total domestic deposits improved to 39.07% as on March 31, 2020 from 37.26% during the same quarter of previous financial year.
- Domestic Deposits stood at INR 8,08,706 crore as on March 31, 2020 up by 1.8% from INR 7,82,070 crore as on December 31, 2019.
- Domestic advances stood at INR 5,70,341 crore as on March 31, 2020 which was INR 5,44,726 crore as on December 31, 2019.
- The retail loan portfolio (ex-portfolio purchase) of the Bank grew by 16.05%.
- Modified duration of AFS investments as on March 31, 2020 was 1.32. Modified duration of HTM securities was 4.75 and of total investment was 3.60.
- The Bank's Total Business stood at INR 16,36,106 crore as on March 31, 2020 up by 4.4% from INR 15,50,627 crore as on December 31, 2019.

OPERATING PERFORMANCE

- The Operating Profit during Q4FY20 increased to INR 5,121 crore as against INR 3,462 crore during the same quarter of the previous financial year, thus increasing by 47.9%.
- Net Interest Income during Q4FY20 (NII) increased to INR 6,798 crore, an increase of 5.0% on a Y-o-Y basis, led by decline in interest expense.
- Global NIM during Q4FY20 increased to 2.67% from 2.62% and domestic NIM increased to 2.78% from 2.68%.

ASSET QUALITY

- Fresh slippage for the quarter was at INR 3,050 crore. Provision for NPAs was at INR 3,190 crore for the quarter.
- Gross NPA (GNPA) is INR 69,381 crore as on March 31, 2020 compared to INR 73,140 crore as on December 31, 2019. GNPA ratio is 9.40% compared with 10.43% as on December 31, 2019.
- Net NPA ratio is 3.13% as on March 31, 2020 from 4.05% as on December 31, 2019.
- Provision coverage under NCLT 1 and NCLT 2 list was 99.57 % and 93.01% respectively.

CAPITAL ADEQUACY

- Capital Adequacy Ratio of the Bank stood at 13.30% and CET-1 at 9.44 % as on March 31, 2020.

प्रधान कार्यालय, बड़ौदा में विश्व हिन्दी दिवस का आयोजन

10 जनवरी, 2020 को प्रधान कार्यालय, बड़ौदा में विश्व हिन्दी दिवस के अवसर पर 'विश्व फ़लक पर हिन्दी के बढ़ते कदम' विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम की अध्यक्षता हमारे कार्यपालक निदेशक श्री शांति लाल जैन ने की. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी और प्रख्यात लेखक, कवि तथा समाज–सेवी श्री क़ैसर ख़ालिद, पुलिस महानिरीक्षक, महाराष्ट्र पुलिस रहे. इस अवसर पर पुलिस आयुक्त, बड़ौदा श्री अनुपम सिंह गहलोत, महाप्रबंधक (मुख्य समन्वयन) द्वय श्री बी आर पटेल एवं श्री रोहित पटेल, महाप्रबंधक (परिचालन एवं सेवाएं) श्री के आर कनोजिया सहित अन्य कार्यपालकगण भी उपस्थित रहे.

अहमदाबाद में अधीनस्थ विधान समिति, राज्य सभा का दौरा

अहमदाबाद में दिनांक 22 जनवरी, 2020 को अधीनस्थ विधान समिति, राज्य सभा द्वारा दौरा किया गया. समिति द्वारा अहमदाबाद शहर के कतिपय उपक्रमों व बैंकों की मोबाइल बैंकिंग लेनदेन संबंधी परिचालनात्मक दिशानिर्देशों तथा प्राधिकृत भुगतान प्रणाली के उपयोग से किए गए असफल लेनदेन के लिए क्षतिपूर्ति पर विचार विमर्श किया गया. इस बैठक में बैंक का प्रतिनिधित्व कार्यपालक निदेशक श्री मुरली रामास्वामी द्वारा किया गया. साथ ही, इस अवसर पर कॉर्पोरेट कार्यालय के महाप्रबंधक श्री शैलेंद्र सिंह, अहमदाबाद की अंचल प्रमुख श्रीमती अर्चना पाण्डेय, प्रमुख (राजभाषा व संसदीय समिति) श्री रोशन शर्मा एवं अन्य वरिष्ठ कार्यपालकगण उपस्थित थे. इस समिति के अहमदाबाद दौरे से संबन्धित संयोजन का कार्य प्रधान कार्यालय, बड़ौदा एवं अंचल कार्यालय, अहमदाबाद के समन्वय से किया गया.

जयपुर में अखिल भारतीय सेमिनार का आयोजन

प्रधान कार्यालय, बड़ौदा द्वारा जयपुर अंचल के सहयोग से 07 फरवरी 2020 को जयपुर में 'भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की भूमिका' विषय पर अखिल भारतीय सेमिनार का आयोजन किया गया. इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री शांति लाल जैन, राजस्थान विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. एस एस सोमरा, अंचल प्रमुख श्री एम एस महनोत, प्रधान कार्यालय, बड़ौदा के प्रमुख (राजभाषा एवं संसदीय समिति) श्री रोशन शर्मा तथा भारतीय रिजर्व बैंक सहित विभिन्न बैंकों के लगभग 80 प्रतिभागी उपस्थित थे.

बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Bank of Baroda

विजया
VIJAYA

देना
DENA

जिसकी सब कर रहे हैं बात,
क्या वह ऐप है आपके पास?

BARODA
M-CONNECT
plus

मोबाइल बैंकिंग ऐप

- बायोमेट्रिक लॉगिन
- डेबिट कार्ड की सीमा निर्धारित करने की सुविधा
- बगैर कार्ड के एटीएम से नकदी निकासी
- शीघ्र शेषराशि देखने की सुविधा
- यूटिलिटी बिल भुगतान, फास्टैग आदि का रिचार्ज

और भी अनेक सुविधाएं ....

*नियम व शर्तें लागू

टोल फ्री नंबर पर कॉल करें (24x7): 1800 258 44 55 | 1800 102 44 55

www.bankofbaroda.in

हमें फॉलो करें